@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 24 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 216 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच करने आई सीबीआई टीम पर हमला

नवादा, 23 जून। नवादा में नीट यूजी पेपर लीक मामले की जांच करने दिल्ली से बिहार के नवादा पहुंची सीबीआई टीम की ग्रामीणों ने पिटाई कर दी है। रजौली पुलिस के पहुंचने के बाद सीबीआई टीम के अधिकारियों को बचाया जा सका। नवादा के पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने बताया कि नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम नवादा जिले के रजौली थाना के कसियाडीह गांव पहुंची थी। लेकिन, ग्रामीणों ने सीबीआई टीम को नकली पुलिस बताकर उनके साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद नवादा पुलिस पहुंची और अधिकारियों को बचाया। मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई कर रही है। इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई टीम के अधिकारियों ने दो मोबाइल फोन को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि नीट पेपर लीक मामले की जांच के लिए दिल्ली से सीबीआई की टीम नवादा जिले के रजौली थाना के कसियाडीह गांव पहुंची थी। पेपर लीक में शामिल एक व्यक्ति के मोबाइल लोकेशन के आधार पर सीबीआई टीम कसियाडीह पहुंची थी, लेकिन सीबीआई टीम को नकली बताकर ग्रामीणों ने उनके साथ मारपीट कर दिया। सीबीआई के अधिकारियों के गाड़ियों में भी तोड़फोड़ कर दिया। सीबीआई टीम के ड्राइवर के साथ भी मारपीट किया गया। सीबीआई की जांच टीम में चार अधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस की एक महिला कांस्टेबल भी थी।

18वीं लोकसभा सत्र की शुरुआत आज से शुरु

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 23 जून। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत 24 जून से शुरु होगी। सोमवार सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरु होने के बाद सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट में शामिल मंत्री बतौर संसद सदस्य शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री के बाद केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और नितिन गडकरी शपथ ग्रहण करेंगे। इसके बाद मंत्री परिषद के अन्य सदस्य सांसद के रूप में शपथ लेंगे। सभी को प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब शपथ दिलाएंगे। इसके बाद विभिन्न रा यों के सांसद वर्णमाला के क्रम में शपथ लेंगे। यानी कि सबसे पहले असम रा य के सांसद शपथ लेंगे, तो अंत में पश्चिम बंगाल के सांसद। सत्र के पहले दिन ही भाजपा नेता और सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने पर विवाद हो सकता है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने इस पद के लिए कांग्रेस सदस्य कोडिकुन्निल सुरेश के दावे को नजरअंदाज किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के सांसद लगातार नहीं जीते हैं, इसलिए उनकी वरिष्ठता का आधार नहीं बनता। पीएम मोदी की कैबिनेट में शामिल मंत्रियों में 58 लोकसभा के सदस्य हैं। जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल 13 सदस्य रा यसभा के सांसद हैं

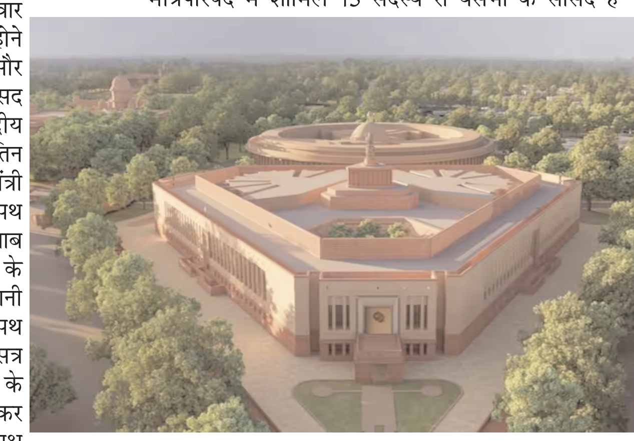

और एक मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। वह लुधियाना से भाजपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़े थे, लेकिन हार गए थे। संसद के इस सत्र में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं होगा। जानकारी के अनुसार, सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबसे पहले राष्ट्रपति भवन में भर्तृहरि महताब को लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर के तौर पर शपथ दिलाएंगी। इसके बाद सुबह 11 बजे से संसद की कार्यवाही शुरू की जाएगी। 18वीं लोकसभा की पहली बैठक के अवसर पर सदस्यों द्वारा मौन रखने के साथ कार्यवाही की शुरुआत की जाएगी। इसके बाद लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह सदन के पटल पर लोकसभा के लिए चुने गए सदस्यों की सूची रखेंगे। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर महताब पीएम मोदी को सदन के सदस्य के तौर पर शपथ लेने के लिए आमंत्रित करेंगे। इसके बाद 26 जून को लोकसभा स्पीकर के चुनाव तक सदन की कार्यवाही चलाने में उनकी सहायता करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अध्यक्षों के पैनल को शपथ दिलाएंगे। दरअसल, राष्ट्रपति ने लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ/ प्रतिज्ञान दिलाने में महताब की सहायता के लिए कोडिकुन्निल सुरेश (कांग्रेस), टीआर बालू (डीएमके), राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते (दोनों भाजपा) और सुदीप बंद्योपाध्याय (तृणमूल कांग्रेस) को नियुक्त किया है। संसद सत्र के पहले दिन यानी 24 जून को 280 नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे। दूसरे दिन यानी 25 जून को 264 नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे। इसके बाद 26 जून को नए लोकसभा स्पीकर का चुनाव होगा।

भाजपा आरक्षण मुद्दे पर मराठा और ओबीसी को दे रही धोखा

मुंबई, 23 जून। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने शनिवार को कहा कि भाजपा आरक्षण के मुद्दे पर मराठा समुदाय और अन्य पिछड़ा वर्ग को धोखा दे रही है। नाना पटोले ने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राय भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के आरक्षण के मुद्दे पर अलग-अलग रुख हैं। दरअसल पिछले दिनों महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन हुआ था। इसके बाद ओबीसी के दो कार्यकर्ताओं ने भी अनशन शुरू कर दिया था। जहां मराठा समुदाय के लोग आरक्षण की मांग कर रहे थे। वहीं ओबीसी कार्यकर्ताओं की मांग थी कि मराठों को आरक्षण मिले लेकिन ओबीसी आरक्षण प्रभावत नहीं होना चाहिए। अब महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि वे आरक्षण मुद्दे पर मराठा और ओबीसी समुदाय को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी आरक्षण के मुद्दे पर मराठा और ओबीसी समुदायों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले का कहना है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण को बरकरार नहीं रखा जा सकता। वहीं उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण दिया जा सकता है। नाना पटोले ने दावा किया कि भाजपा नेताओं के बीच आरक्षण के मुद्दे पर दो अलग-अलग राय हैं। उन्हें अपना वास्तविक रुख स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि पटना उच न्यायालय के फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण मान्य नहीं होगा। इसलिए बावनकुले और फडणवीस के अलग-अलग रुख के कारण भाजपा का असली चेहरा उजागर हो गया है।

आतिशी के अनशन के बाद हरियाणा ने दिल्ली का पानी और कम किया: सौरभ भारद्वाज

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 23 जून। दिल्ली में जल संकट के बीच सियासी पारा भी बढ़ गया है। हरियाणा से अतिरिक्त पानी की मांग को लेकर भोगल के जंगपुरा स्थित सैनी चौपाल में शुक्रवार से दिल्ली की जल मंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हैं। आतिशी के अनशन का आज तीसरा दिन है। इस बीच दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब से आतिशी ने अनशन शुरू किया है तब से हरियाणा सरकार ने दिल्ली का पानी और कम कर दिया है। दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, हरियाणा की भाजपा सरकार लगातार झूठ बोल रही है, वे पानी कम कर रहे हैं। आतिशी के धरने पर बैठने के बाद हरियाणा ने कम से कम 17 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) और पानी कम कर दिया है। अतिशी के अनशन से पहले हरियाणा 100 एमजीडी कम दे रहा था। अब हरियाणा 117 एमजीडी पानी कम दे रहा है। सौरभ भारद्वाज ने

कहा कि एक देश-एक चुनाव और टीम इंडिया की बात करने वाले लोग अपने ही देश की राजधानी के लोगों को प्यासा मार रहे हैं। हरियाणा की भाजपा सरकार ने जान-बूझकर दिल्ली का पानी रोक रखा है। इस मामले में प्रधानमंत्री चुप बैठे हैं। उन्हें दिल्ली का संकट नहीं दिख रहा है। दिल्ली में जल संकट को लेकर पार्टी नेता संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और दिलीप पांडे समेत आप नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के उपरा यपाल वीके सक्सेना से मिलने उनके आवास पर पहुंचा। दिल्ली एलजी से मुलाकात के बाद दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, हमने उपरा यपाल से हरियाणा से बात करने का अनुरोध किया। हरियाणा अभी भी दिल्ली को कम पानी दे रहा है, जिससे लाखों लोगों को परेशानी हो रही है और उपरा यपाल ने हमें आश्वासन दिया है कि वह हरियाणा सरकार से बात करेंगे और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि हमें दिल्ली का पानी मिले।

मुस्लिम लीग-जम्मू कश्मीर और तहरीक-ए-हुर्रियत पर जारी रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, 23 जून। केंद्र सरकार ने पिछले साल मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर (मसरत आलम गुट) और तहरीक-ए-हुर्रियत पर प्रतिबंध लगाया था। अब यूएपीए ट्रिब्यूनल ने इसपर मुहर लगा दी है। इसके साथ ही उनके बैंक खाते और वित्तीय लेनदेन को भी फ्रीज कर दिया है। इससे पहले जनवरी में केंद्र सरकार ने मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर की सभी संपत्तियों को जब्त करने का निर्देश दिया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सचिन दत्ता की एक सदस्यीय न्यायाधिकरण का गठन इस साल जनवरी में प्रतिबंध लगाने के पीछे पर्याप्त कारणों का आकलन करने के लिए किया गया था। बता दें कि मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर (मसरत आलम गुट) को जम्मू कश्मीर में राष्ट्र विरोधी और अलगाववादी गतिविधियों में शामिल होने के कारण 27 दिसंबर 2023 यूएपीए के तहत केंद्र सरकार ने पांच साल के लिए गैरकानूनी घोषित कर दिया था। जम्मू कश्मीर के अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी ने साल 2004 में तहरीक ए हुर्रियत का गठन किया था। गिलानी के बाद तहरीक ए हुर्रियत के अध्यक्ष मुहम्मद अशरफ सेहराई थे, जिनका भी साल 2021 में निधन हो गया। यह संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस का सहयोगी संगठन है। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर के 26 संगठनों का समूह है, जिसका गठन 1993 में किया गया था। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस में कई ऐसे संगठन शामिल हैं, जो पाकिस्तान समर्थक और अलगाववादी माने जाते हैं। इनमें जमात ए इस्लामी, जेकेएलएफ और दुखतरान ए मिल्लत आदि का नाम शामिल है। साल 2005 में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस दो धड़ों में बंट गया। इसके नरमपंथी गुट का नेतृत्व मीरवाइज उमर फारुख को मिला।

56 लोगों की मौत पर पूछा निर्मला सीतारमण ने कहां हैं राहुल और खरगे

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 23 जून। तमिलनाडु में जहरीली शराब पीने से 56 लोगों की मौत के बाद देशभर में हलचल मच गई। रा य में जहरीली शराब पीने से अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि, सैकड़ों लोग अभी भी अस्पतालों में भर्ती हैं। इस मामले में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि अभी भी अस्पताल में भर्ती 200 से अधिक लोगों की हालत बेहद गंभीर है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मामले में कांग्रेस पर कटाक्ष किया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में अधिकतर अनुसूचित जाति से हैं। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने कहा कि रा य में जहरीली शराब पीने से अनुसूचित जाति के कई लोगों की मौत हो गई और राहुल गांधी ने मौन साधा हुआ है। निर्मला सीतारमण ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा 'जिस रा य में शराब की बिक्री के

लिए दुकानों को सरकार द्वारा लाइसेंस दिए जाते हैं, उसी रा य के कल्लकुर्ची शहर में जहरीली शराब तैयार की जाती है। आखिर कांग्रेस के नेता मलिल्कार्जुन खरगे और राहुल गांधी कहां हैं?' 19 जून को तमिलनाडु के कल्लकुर्ची शहर में जहरीली शराब पीने के बाद मरने वालों की संख्या 56 पहुंच चुकी है। पुलिस का कहना है कि जहरीली शराब पीने से बीमार हुए 216 लोगों को तमिलनाडु के चार अस्पतालों में भर्ती किया गया था। इसमें से जवाहर लाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी में भर्ती 3 मरीज को मृत घोषित किया गया।

कांग्रेस नेताओं ने ही अध्यक्ष शरत पटनायक पर फेंकी स्याही

भुवनेश्वर, 23 जून। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के प्रमुख शरत पटनायक पर स्याही फेंकने की घटना के मामले पर कांग्रेस आलाकमान ने संज्ञान लिया है। कांग्रेस आलाकमान ने पांच नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी की रा य इकाई के महासचिव समेत पांचों नेताओं को छह वर्षों के लिए निकाला गया है। बता दें कि दो नकाबपोश व्यक्तियों ने ओडिशा के कांग्रेस मुख्यालय में ओपीसीसी प्रमुख पर स्याही फेंकी थी। कांग्रेस आलाकमना ने ओपीसीसी महासचिव प्रकाश मिश्रा, ओडिशा प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव श्रीयस्मिता पांडा, पार्टी की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के सचिव संदीप राउत्रे, युवा कांग्रेस के रा य सचिव अमरेश परिदा और एनएसयूआई के रा य सचिव आर्यन ससमल को छह साल के लिए निष्कासित किया है।

सुकमा में आईईडी ब्लास्ट में दो जवानों का बलिदान

सुकमा, 23 जून। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की तरफ से नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। जवानों की कार्रवाई से बौखलाए नक्सलियों करतूत सामने आई है। सुकमा और बीजापुर की सरहद पर बसे सिलगेर और टेकुलगुडम के पास नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट करने से कोबरा के दो जवान बलिदान हो गए। जवानों के पार्थिव शरीर को घटना स्थल से निकाला जा रहा है। नक्सलियों ने जवानों के ट्रक पर आईईडी ब्लास्ट किया है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने मामले की पुष्टि की है। इधर, नक्सली हमले की सूचना पर अतिरिक्त बल को मौके पर भेजा गया है। इलाके में अब सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक रविवार को जगरगुंडा थाना क्षेत्र के सिलगेर कैम्प से कोबरा 201 वाहिनी की एडवांस पार्टी का मूवमेंट आरओपी ड्यूटी के दौरान ट्रक और मोटर साइकिल से कैम्प टेकलगुडेम की तरफ था। सिलगेर व टेकुलगुडम जाने के रास्ते मे नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से आईईडी प्लांट किया गया था। मूवमेंट के दौरान रविवार दोपहर तीन बजे के करीब आईईडी की चपेट से कोबरा 201 वाहिनी के ट्रक जिसमें चालक और सहचालक जवान मौके पर बलिदान हो गए। बताया गया है कि जवानों में विष्णु आर और शैलेंद्र शामिल हैं। बाकी सभी जवान सुरक्षित हैं। जवानों के पार्थिव शरीर को घटना स्थल से निकाला जा रहा है।

देश के सही कानूनी इतिहास को समझने की जरूरत: अर्जुन राम मेघवाल

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 23 जून। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) के रा य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वंडालूर में आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील मार्ग पर आयोजित सम्मेलन में देश के सही कानूनी इतिहास को समझने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में औपनिवेशिक समय में बनाए गए कानून में भारतीय स्वाभाव और सामाजिक वास्तविकताओं की अनदेखी की गई। वो कानून सिर्फ औपनिवेशिक शासकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ही बनाए गए थे। ये सेमिनार दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता में आयोजित सेमिनार के श्रृखंला का चौथा सेमिनार था। जिसमें हाईकोर्ट के जज, वकील, शिक्षाविद, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि और छात्रों ने हिस्सा लिया। इस सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने गुलामी की मानसिकता वाले पुराने कानूनों को हटाकर भारतीयता और न्याय की मूल भावना को समाहित करते हुए तीन नए कानून बनाए हैं। जिनमें भारतीय न्यायिक संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य

अधिनियम शामिल हैं, जिन्हें 1 जुलाई से पूरे देश में लागू किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि कानूनी प्रणाली का विकास, विशेष रूप से 1757 में प्लासी की लड़ाई से लेकर ब्रिटिश शासन के तहत आपराधिक न्याय, डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स, कानूनों का संहिताकरण आदि जैसे कानूनों की शुरूआत देश में औपनिवेशिक शासन के अनुकूल और उसे कायम रखने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा कि आयरिश दंड संहिता को बिना सोचे-समझे भारत में लागू किया गया, जबकि तत्कालीन भारत में व्याप्त वास्तविकताओं से अनजान थे। अर्जुन राम मेघवाल ने आगे कहा कि चूंकि भारत विश्वगुरु और राष्ट्रों के समुदाय के नेता के रूप में अपना उचित स्थान लेने का प्रयास कर रहा है, इसलिए ये जरूरी है कि औपनिवेशिक विरासत के सभी अवशेषों को मिटा दिया जाए और एक आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली लागू किया जाए। इस सेमिनार को संबोधित करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य मंत्रालय के रा य मंत्री एल. मुरुगन ने कहा कि आजादी के करीब आठ दशक बाद देश को अपनी न्याय प्रणाली और औपनिवेशिक युग के कानूनों को बदलने की पहल की जरूरत है। वहीं इस दौरान इस सेमिनार में विधिक मामलों के विभाग के सचिव राजीव मणि ने भी शिरकत की और इस मुद्दे पर अपने विचार रखें।

सीओ फिर से बनाए गए सिपाही प्रेमिका के चक्कर में

लखनऊ, 23 जून। उत्तर प्रदेश के उन्नाव से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां तैनात एक पुलिस अधिकारी का डिमोशन किया गया। उन्हें डिप्टी एसपी से सीधे कांस्टेबल बनाया गया है। उन्नाव के तत्कालीन सीओ कृपा शंकर कनौजिया की हरकतों के कारण पुलिस की छवि धूमिल हो रही थी। ऐसे में उनका डिमोशन कर अधिकारी से सिपाही बनाया गया है। उन्नाव के सीओ बीघापुर के पद पर तैनात रहे प्रमोटीपीपीएस कृपाशंकर कनौजिया को पीएसी में सिपाही के उनके मूल पद वापस भेज दिया गया है। तीन साल पहले कानपुर के होटल में महिला सिपाही के साथ पकड़े जाने पर उनको मुख्यमंत्री के आदेश पर निलंबित करने के साथ निरीक्षक के पद पर पदावनत भी किया गया था। उन्हें पीएसी गोरखपुर भेजा गया था। तत्पश्चात शासन ने विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर डीजीपी मुख्यालय को कृपाशंकर को उनके मूल पद पर वापस भेजने का आदेश जारी करने को कहा। एडीजी प्रशासन के निर्देश पर शनिवार को उन्हें गोरखपुर की 26वीं वाहिनी में वापस सिपाही बना दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, कृपा शंकर कनौजिया ने छह जुलाई 2021 को उन्नाव के पुलिस अधीक्षक से पारिवारिक परेशानी का हवाला देते हुए छुट्टी मांगी थी। छुट्टी मंजूर होने के बाद कृपा शंकर घर नहीं गए थे। वो कानपुर एक होटल में महिला सिपाही के साथ रुके थे। इस दौरान उन्होंने अपना सरकारी और निजी दोनों मोबाइल नंबर बंद कर लिया था। नंबर बंद आने की वजह से उनकी पत्नी परेशान हो गई। उन्होंने पुलिस ऑफिस से जानकारी की तो पता चला कि वो छुट्टी लेकर घर गए हैं, लेकिन घर नहीं पहुंचे। इस पर पत्नी ने उन्नाव एसपी से मदद मांगी। उन्नाव के एसपी ने सीओ कृपा शंकर की तलाश के लिए सर्विलांस टीम से जानकारी जुटाई। इस दौरान सामने आया कि सीओ कृपा शंकर कनौजिया का मोबाइल कानपुर के एक होटल में आकर बंद हो गया है। होटल में पुलिस ने जांच की तो सीओ और महिला सिपाही एक साथ मिले। होटल में एंट्री करते हुए सीओ कृपा शंकर और महिला सिपाही सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। रा य सरकार (शासन) ने पूरे मामले की जांच कराई। इसके बाद कृपा शंकर कनौजिया को रिवर्ट कर फिर से कांस्टेबल बनाने की सिफारिश की।

बसपा सुप्रीमो मायावती का एलान, आकाश आनंद फिर उत्तराधिकारी घोषित

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 23 जून। लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान विवादित बयान से बाद घर बिठा दिए गए भतीजे आकाश आनंद बसपा सुप्रीमो मायावती ने फिर से बसपा की सियासत में वापसी कर ली है। हालांकि बसपा सुप्रीमो ने आकाश को सीधे यूपी के सियासी अखाड़े में न उतारकर दूसरे रा यों में बसपा को मजबूत करने की कमान सौंपी है। वहीं मायावती ने दूसरे रा यों के यूपी के 10 विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर बसपा के चुनाव लड़ने का एलान भी किया है। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रविवार को यहां पार्टी कार्यालय में लोकसभा चुनाव के परिणामों की समीक्षा में आकाश को पार्टी के क्रियाकलापों में शामिल करने के साथ ही कई रा यों में होने वाले विधानसभा चुनाव प्रत्याशी उतारने का एलान किया। आकाश के पिता एवं मायावती के भाई आनंद कुमार और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा की मौजूदगी में हुई बैठक में मायावती ने कहा कि वर्तमान में केंद्र की भाजपा व एनडीए सरकार स्थिर नहीं है। इसकी अस्थिर होने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में पार्टी के लोगों को पूरे देश में संगठन में मिशनरी लोगों को आगे करके पार्टी के जनाधार को बढ़ाना है। इस बार विरोधी पार्टियों द्वारा चुनाव में संविधान बचाओ जैसे अनेकों मुद्दों को लेकर किये गये गलत प्रचार से गुमराह होने की वजह से बसपा का जबरदस्त नुकसान हुआ है। आगे चुनाव में फिर ऐसा नुकसान ना हो। वहीं कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस पार्टी ने संविधान सभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर को आने से रोकने के लिए तमाम हथकंडे अपनाए थे, वह अब संविधान बचाने की बात कैसे कर सकती है। कांग्रेस ने तो बाबा साहब को भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी नहीं किया था।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि आकाश आनंद को पूरी परिपक्वता के साथ पार्टी में कार्य करने के लिए फिर से मौका दिया गया है। यह पूर्व की तरह ही पार्टी में नेशनल कोआर्डिनेटर के साथ मेरे एकमात्र उत्तराधिकारी भी बने रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि आकाश अपनी पार्टी व मूवमेंट के हित में हर स्तर पर पूरे तौर से एक परिपक्व नेता के रूप में जरूर उभरेंगे। पार्टी के लोग भी अब इनको पहले से भी यादा अपना आदर-सम्मान आदि देकर इनका हौसला भी जरूर बढ़ाएंगे, ताकि वह आगे मेरी सभी उम्मीदों पर खरा उतर सके। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की भतीजे आकाश आनंद से नाराजगी दूर हो गई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बसपा प्रमुख मायावती ने लोकसभा चुनाव में हार के बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की। बैठक में भतीजे आकाश ने मायावती के पैर छुए। लोकसभा चुनाव के दौरान अपनी एक स्पीच के बाद मायावती ने उन्हें इस पद से हटा दिया था। तब मायावती ने कहा था कि उन्हें अनुभव नहीं है। अभी उन्हें अनुभव हासिल करना होगा

इराक में हवाई हमले में 7 आईएस आतंकवादी ढेर

एजेंसी
बगदाद। इराकी सेना ने कहा कि बगदाद के उत्तर में सलाहुद्दीन प्रांत में उनके ठिकानों पर दो हवाई हमलों में सात इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा मीडिया सेल के एक बयान के अनुसार, खुफिया रिपोर्टों के आधार पर इराकी युद्धक विमानों के संयुक्त अभियान ने प्रांत के उत्तरपूर्वी हिस्से में एक पहाड़ी इलाके में आईएस के ठिकानों और चरमपंथी आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सुरंग पर दो हवाई हमले किए। बयान में कहा गया कि प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, हवाई हमलों में सात आईएस आतंकवादी मारे गए, जिनमें एक प्रमुख व्यक्ति भी शामिल था, बयान में बमबारी का समय नहीं बताया गया।

दुकान में गोलीबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हुयी

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य अर्कांसस में एक किराने की दुकान पर हुयी गोलीबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है, जबकि नौ और लोग घायल हो गए हैं। सीबीएस न्यूज ब्रॉडकास्टर ने राज्य पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि फोर्डिस में एक किराने की दुकान में गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी। कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी को भी गोली मार दी गई और उसे गैर-जानलेवा चोटें आईं। गोली चलाने वाला गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे हिरासत में ले लिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि गोलीबारी के वजह से दो पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गये हालांकि उनकी जान को खतरा नहीं है।

भूमध्य सागर में इजरायल से जुड़े जहाजों पर किया हमला -हूती

सना। यमन के विद्रोही अंसार अल्लाह आंदोलन, जिसे हूती के नाम से भी जाना जाता है, ने कहा कि इराक में इस्लामिक प्रतिरोध के रूप में जाने जाने वाले शिया आतंकवादी गठबंधन के साथ मिलकर हाइफ़ा और भूमध्य सागर के बंदरगाह में इज़रासल से जुड़े पांच जहाजों पर हमला किया। आंदोलन ने एक बयान में कहा, 'कब्जे वाले फिलिस्तीन के बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध उल्लंघन करने के लिए यमनी सशस्त्र बलों ने इराक में इस्लामिक प्रतिरोध के साथ मिलकर ड्रोन का उपयोग करते हुए दो ऑपरेशन किए, जिसमें हाइफ़ा के बंदरगाह और भूमध्य सागर में पांच जहाजों को निशाना बनाया गया। पहले ऑपरेशन के दौरान, हाइफ़ा के बंदरगाह में चार जहाजों पर हमला किया गया ... सभी जहाजों पर हमला किया गया था।

कोलंबिया में कार बम विस्फोट में 3 की मौत, 9 घायल

बोगोटा। कोलंबिया के शहर तमिनंगो में नारिनो के दक्षिणी विभाग में एक कार बम हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नारिनो के गवर्नर लुइस अल्फोंसो एस्कोबार ने एक बयान में पुष्टि की कि मारे गए दो नागरिक और एक युवा पुलिस अधिकारी थे, उन्होंने इस विक्षिप्त कृत्य के प्रति अपनी स्पष्ट अस्वीकृति व्यक्त की। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने 'एक्स' पर अपने अकाउंट पर एक पोस्ट में शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अपराधियों को चेतावनी दी कि जो शांति के बजाय युद्ध का रास्ता चुनते हैं उन्हें कानून का पूरा बोझ उठाना होगा।

केन्या में कर वृद्धि के विरोध प्रदर्शनों में दो की मौत

एजेंसी
नैरोबी। केन्या में कर वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शनकारियों में मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। सिटीजन डिजिटल समाचार पोर्टल ने यह जानकारी दी। स्टार अखबार ने बताया कि केन्या में एक मसौदा बजट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 200 अन्य घायल हो गए। स्टार ने मंगलवार को बताया कि केन्या की राजधानी नैरोबी में कर वृद्धि के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था, जिसके कारण पुलिस को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। बाद में 'एएफपी' ने बताया कि केन्याई सरकार ने कई वस्तुओं और सेवाओं पर कर बढ़ाने की योजना को संशोधित किया था। अन्य बातों के अलावा, ब्रेड की खरीद, चीनी के

परिवहन, मोबाइल और वित्तीय सेवाओं के उपयोग और विदेशी मुद्रा के साथ लेनदेन पर 16 प्रतिशत मूल्य वर्धित कर की शुरूआत को रद्द करने के लिए मसौदा बजट में संशोधन किया गया था। उम्मीद है कि संसद 30 जून को मसौदा बजट के अंतिम संस्करण को अपनाएगी।

हज के दौरान मरने वाले ट्यूनीशियाई श्रद्धालुओं की संख्या 53 हुई

एजेंसी
ट्यूनिस। सऊदी अरब में हज के दौरान मौत की नींद सोये ट्यूनीशिया के हजयात्रियों की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सरकारी टेलीविजन 'वतनिया वन' ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है, इस हज करते समय सऊदी अरब के पवित्र स्थानों में मरने वाले ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों की संख्या 49 से बढ़कर 53 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, रियाद में ट्यूनीशियाई राजनयिक मिशन और जेद्दा में महावाणिज्य दूतावास वर्तमान में सऊदी अरब में लापता, मृत या अस्पताल में भर्ती ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों की स्थिति की निगरानी के लिए समन्वय कर रहे हैं। ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सैयद ने बर्खास्तगी का कारण बताए बिना, धार्मिक मामलों के मंत्री इब्राहिम चैबी को बर्खास्त कर दिया। श्री चैबी ने सऊदी अरब के मक्का में इस वर्ष की हज यात्रा के दौरान सऊदी अरब के आधिकारिक

ट्यूनीशियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल को हज के दौरान ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों की सहायता करने का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि हजयात्रियों की मौत का कारण 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान, अधिक आयु, बीमारियां और भीड़ हो सकती हैं।

यूक्रेनी ड्रोन हमलों से ज़ापोरीज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा को ख़तरा

एजेंसी
मॉस्को। ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) के गृह शहर एनरगोडार पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा हाल ही में किए गए ड्रोन हमलों ने परमाणु सुविधा की सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्थानीय

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जेडएनपीपी के निदेशक यूरी चेर्निचुक ने कहा कि रेडुगा सबस्टेशन पर ड्रोन हमलों के कारण जेडएनपीपी के कई डिवीजनों में बिजली नहीं रही, जिसमें प्रिंटिंग हाउस, पीने के पानी की आपूर्ति करने वाले पंप स्टेशन और उत्पादन और तकनीकी उपकरण प्रबंधन शामिल हैं। श्री चेर्निचुक ने आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी को बताया, यह स्टेशन के संचालन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर सीधा हमला है। यह कहा जा सकता है कि यह हमला जेडएनपीपी की सुरक्षा को प्रभावित करता है।

बारिश से घिरे मध्य चीन काउंटी में भूस्खलन के बाद 8 लोग लापत

एजेंसी
बीजिंग। मध्य चीन के हुनान प्रांत में रविवार तड़के हुए भूस्खलन के बाद आठ लोग लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन हुआहुआ शहर के शिन्हुआंग डोंग स्वायत्त काउंटी के डौक्सी गांव में रविवार तड़के करीब चार बजे हुआ। काउंटी के आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र को इसकी सूचना दी गई। समाचार एजेंसी ने बताया कि भूस्खलन के कारण चार घर ढह गए। घटनास्थल पर मौजूद अन्य सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। बचाव कार्य जारी है। काउंटी में भारी बारिश हुई है। इस महीने सिचुआन बेसिन, गुइझोउ, हुनान, जियांग्शी, झेजियांग, फुजियान, गुआंग्शी, ग्वांगडोंग, हेनान, हुबेई और हेइलोंगजियांग के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान से बाढ़ के कारण व्यापक क्षति हुई हैं, और कई लोगों की मौत हो गई है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले में पांच पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

पख्तूनख्वा । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए आतंकी हमले में पांच पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। अभी तक किसी भी आतंकी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर-

सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने दी। उन्होंने बताया कि आतंकियों ने कुर्रम जिले में सुरक्षाबलों के एक वाहन पर विस्फोट किया। इसमें पांच सैनिकों की मौत हो गई। इन सैनिकों की उम्र 24 से 33 वर्ष के बीच है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब प्रांत की पुलिस ने 22 आतंकियों को गिरफ्तार किया है।

इटली के तट पर शरणार्थी जहाज़ दुर्घटनाग्रस्त, 34 की मौत

एजेंसी
रोम। इटली के दक्षिणी तट के पास आयोनियन सागर में 14 प्रवासियों के शव बरामद किए जाने के साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। इस सप्ताह के शुरुआत में शरणार्थी को ले जा रही नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी। इतालवी समाचार मीडिया ने तटीय रक्षक सेवाओं का हवाले से यह जानकारी दी। इससे पहले इतालवी मीडिया आउटलेट्स ने बताया था कि दुर्घटना में कम से कम 20 लोगों की मौत की पुष्टि की गई थी, जिनमें से आठ नाबालिग थे। शरणार्थियों से भरी एक नौका इटली के कैलाब्रिया क्षेत्र के तट से 120 मील दूर मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। भूमध्य सागर में बचाव अभियान चलाने वाले एक गैर-

सरकारी संगठन द्वारा 11 लोगों को बचाया गया। बचाए गए लोगों ने गैर-सरकार संगठन (एनजीओ) को बताया कि दुर्घटनाग्रस्त नाव पर कुल 66 शरणार्थी सवार थे, जिनमें 26 बच्चे भी शामिल हैं।

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा स्विट्जरलैंड पहुंचे, घुटने की सर्जरी के लिए अमेरिका होंगे रवाना

एजेंसी
ज्यूरिख। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख पहुंच गए हैं। दलाई लामा अपने घुटने की सर्जरी करवाने के लिए ज्यूरिख से अमेरिका के लिए आज रवाना होंगे।

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा घुटने की सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जाने के लिए 21 जून को धर्मशाला से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। बड़ी संख्या में तिब्बती उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचे थे। एक दिन दिल्ली में रहने के बाद वे स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख पहुंच गए। यहां से आज अमेरिका के लिए रवाना होंगे। ज्यूरिख पहुंचने पर एक होटल में पारंपरिक तिब्बती तरीके से उनका स्वागत करते हुए गानों और नृत्य की प्रस्तुति दी गई। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु को देखने के लिए होटल की लॉबी में उनके शुभचिंतकों बड़ी संख्या में पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने धर्मशाला में दलाई लामा से मुलाकात की थी।

बड़ी संख्या में सड़कों पर उनके शुभचिंतक देखे गए। उल्लेखनीय है कि इसी हफ्ते की शुरुआत में माइकल मैककॉल के नेतृत्व में एक द्विदलीय अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहीं पूर्व अमेरिकी सदन अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने तिब्बत के लोगों के लिए कांग्रेस के समर्थन की दृढ़ता से पुष्टि की।

नौकरों के शोषण का मामला : हिंदुजा परिवार बरी, शिकायतकर्ताओं ने वापस लिए आरोप

एजेंसी
लंदन। भारतीय मूल के बिजनेसमैन ब्रिटेन के सबसे अमीर हिंदुजा परिवार के 4 सदस्यों को नौकरों के शोषण मामले में सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। एक दिन पहले 21 जून को निचली अदालत ने हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को जेल की सजा सुनाई थी। अब ऊपरी अदालत ने 22 जून को इस परिवार के सदस्यों को सभी आरोपों से बरी कर दिया। निचली अदालत के फैसले में प्रकाश हिंदुजा और उनकी पत्नी कमल हिंदुजा को साढ़े चार साल की सजा मिली थी। उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को चार साल की सजा सुनाई गई थी। उनके मैनेजर नजीब जियाजी को भी 18 महीने की सजा हुई थी। परिवार ने फैसले को उच्च अदालत में

चुनौती दी थी। हिंदुजा परिवार के प्रवक्ता के मुताबिक उच्च अदालत ने सभी गंभीर आरोप खारिज कर दिए हैं। प्रवक्ता के मुताबिक शिकायतकर्ताओं ने आरोप वापस ले लिए हैं। अदालत को उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसे बयानों पर साइन करने के लिए गुमराह किया गया था, जिन्हें वे नहीं समझते थे। उनका न तो ऐसा इरादा था और न उन्होंने ऐसी कार्यवाही शुरू की थी।

उल्लेखनीय है कि प्रकाश हिंदुजा, कमल, अजय और बहू नम्रता पर आरोप हैं कि उन्होंने स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित अपने बंगले में काम करने वाले कामगारों का शोषण और गैरकानूनी तरीके से कर्मचारियों को काम पर रखा। उन्हें कम वेतन पर 18 घंटे तक काम कराया गया। उन्हें बहुत कम या बिल्कुल भी छुट्टी नहीं दी जाती थी तथा स्विस कानून के तहत अपेक्षित वेतन के दसवें हिस्से से भी कम था।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमले में कम-से-कम 39 लोगों की मौत

एजेंसी
गाजा। उत्तरी गाजा में इजराइल के हमले में कम-से-कम 39 लोगों की मौत हो गई है। एकदिन पहले ही दक्षिणी शहर राफा के करीब शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में कम-से-कम 25 लोगों की मौत हुई थी। इजराइल ने कहा कि मध्य और दक्षिणी गाजा में अपना अभियान जारी रखेगा।

फिलिस्तीनी और अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी गाजा में इजरायल के हमलों में कम से कम 39 लोग मारे गए हैं। गाजा सिटी में अल-अहली अस्पताल के निदेशक फादेल नईम के मुताबिक करीब 36 शव अस्पताल में पहुंचाए गए।

इजराइल ने कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने गाजा सिटी क्षेत्र में हमास के दो सैन्य ठिकानों पर हमला किया। हालांकि इन हमलों को लेकर इजराइल की तरफ से अधिक जानकारी नहीं दी गई।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नेपाल के एक उप प्रधानमंत्री ने दूसरे उप प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में प्रचंड के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के एक उप प्रधानमंत्री ने दूसरे उप प्रधानमंत्री पर जमकर निशाना साधा है। उप प्रधानमंत्री नारायणकाजी श्रेष्ठ ने काठमांडू में एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार से बाहर रहकर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले रवि लामिछाने मंत्री बनने के बाद कोई ठोस काम नहीं कर पा रहे हैं। सरकार से बाहर रहकर जिस तरह का बयान लामिछाने देते थे उस तरह से मंत्री बनने के बाद उनका कार्यान्वयन बिलकुल नगण्य है। श्रेष्ठ ने कहा कि जब वे गृहमंत्री थे उस समय भ्रष्टाचार के जितने मामलों पर उन्होंने जांच और उसके आधार पर

कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई थी वो सब इस समय ठंडे बस्ते में है। नारायणकाजी श्रेष्ठ, प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' की पार्टी सीपीएन (एमसी) कोटे से उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री हैं। वहीं गठबंधन सरकार के सहयोगी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री हैं। उल्लेखनीय है कि प्रचंड सरकार में इस समय चार उप प्रधानमंत्री हैं।

श्रेष्ठ ने गृहमंत्री लामिछाने पर सिर्फ मीडिया स्टंट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लामिछाने और उनकी पार्टी के बांकी मंत्री सिर्फ मीडिया स्टंटबाजी के लिए काम करते हैं। जनता को राहत देने वाला और भ्रष्टाचार के मामले में उनकी कार्रवाई बिल्कुल शून्य है। पिछली बार उनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार के जितने मुद्दों को आगे बढ़ाया गया था उनमें से किसी पर भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाने से लामिछाने की कथनी और करनी में फर्क साफ नजर आ रहा है। श्रेष्ठ ने गृहमंत्री पर सिर्फ अपने बचाव में काम करने और अपने लोगों को बचाने का आरोप लगाया है।

राजनीतिक अस्थिरता देश के विकास के लिए घातक : पोखरेल

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ गठबंधन के सबसे बड़े दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के महासचिव शंकर पोखरेल ने देश में राजनीतिक स्थिरता के लिए दो दलीय व्यवस्था की वकालत की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता देश के विकास के लिए घातक है। पोखरेल ने पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि देश में राजनीतिक अस्थिरता का सबसे बड़ा कारण बहुदलीय व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद में सबसे बड़ी पार्टी विपक्ष में है और दूसरी सबसे बड़ी पार्टी भी सरकार में होते हुए भी नेतृत्व नहीं कर पा रही है। पोखरेल ने कहा कि जब तक छोटी-छोटी पार्टियां रहेंगी तब तक देश में राजनीतिक स्थिरता आ ही नहीं सकती है। पोखरेल ने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता देश के विकास में बाधक होती है। राजनीतिक अस्थिरता के लिए बहुदलीय व्यवस्था जिम्मेदार है। राजनीतिक स्थिरता के बिना देश का विकास नहीं हो सकता है। उनका तर्क है कि देश में दो दलीय व्यवस्था रहने पर एक दल सत्ता में और दूसरा दल विपक्ष में रहेगा तो कई राजनीतिक समस्याओं का समाधान आसानी से हो सकता है। पोखरेल ने कहा कि संविधान संशधन के जरिए दो से चार सदस्यों वाले छोटे दलों की व्यवस्था को खत्म किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के 88 सदस्य हैं, जबकि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के 79 सदस्य हैं। प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' की पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के सदस्यों की संख्या 32 है।

हसीना ने की धनखड़ से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। श्रीमती हसीना और श्री धनखड़ की यह बैठक उप राष्ट्रपति एन्क्लेव पर हुई।

दोनों नेताओं ने दोनों देशों के ऐतिहासिक और गहरे संबंधों का उल्लेख किया और विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में आर्थिक एवं विकास भागीदारी, क्षेत्रीय संपर्क, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल प्रसार और अंतरिक्ष समेत कई मुद्दों पर विचारों का आदान प्रदान किया गया।

प्रदीप सिंह खरोला बने एनटीए के महानिदेशक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने केरल कैडर के 1985 बैच के आईएएस (सेवानिवृत्ति) श्री प्रदीप सिंह खरोला को महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी,शिक्षा मंत्रालय का प्रभार सौंपा है। वह वर्तमान में भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। उन्हें यह पदभार अगली स्थायी नियुक्ति या अगले आदेश तक प्रदान किया गया है। उन्होंने यह पदभार एनटीए के वर्तमान महानिदेशक श्री सुबोध कुमार सिंह, आईएएस के स्थान पर ग्रहण किया है।

मोबाइल टैरिफ की तर्ज पर बिजली कंपनी चुनने का विकल्प मिले: पम्मा

नई दिल्ली। बिजली कंपनियां व प्राइवेट स्कूलों की मनमानी को लेकर नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व एंग्री मैन परमजीत सिंह पम्मा सड़कों पर उतरकर इनका विरोध प्रदर्शन करेंगे परमजीत सिंह पम्मा अपने संघर्ष के 30 वर्ष होने पर एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे इस अवसर पर पम्मा के किए गए 30 वर्षों के कार्य के ऊपर एक गाने का पोस्टर भी रिलीज किया गया जिस गाने को मशहूर युवा गायक रोहन ने गया है और इसे प्रसिद्ध लेखक बलविंदर सिंह सोढ़ी ने लिखा है इस गाने के बोल है *खरी खरी बातों से पम्मा कभी डरता नहीं* इस अवसर पर गायक रोहन. प्रसिद्ध लेखक बलविंदर सिंह सोढ़ी, मशहूर सिंगर सुरेखा रॉबिन, नेशनल अकाली दल दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष कुलदीप सिंह मारवाह, युवा नेता विक्रांत, गुरसिमरन कौर को सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। यह पम्मा के कार्यों के ऊपर गया गया नौवें गीत है इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा उनका संघर्ष 30 वर्षों से समाज के हित में कार्य कर्ता आया हूं और आगे भी समाज के हितों की आवाज उठाता रहूंगा और कार्य कर्ता रहूंगा।

परमजीत सिंह पम्मा ने कहा एक तरफ तो दिल्ली सरकार फ्री बिजली देने का व बच्चों को शिक्षा देने का दावा करती है और दूसरी तरफ बिजली कंपनी द्वारा लोगों को अनाप-शनाप बिजली बिल वसूल रही है और सरकार मुंह दर्शक बनकर बैठी है। पम्मा ने कहा सरकार को बिजली कंपनियों व प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ लगाम लगानी चाहिए पम्मा ने सरकार से कहा कि ऐसी स्कीम की घोषणा करें जिससे टेलीफोन, मोबाइल प्रदाता कंपनियों की तरह बिजली वितरण कंपनी (डिस्काम) को चुनने का विकल्प होना चाहिए जिससे बिजली कंपनियों की मनमानी रुक सके। पम्मा ने कहा पहले मोबाइल कंपनियां को आउटगोइंग कॉल्स के लिए जहां 16 रुपए प्रति मिनट की दर से चुकाने होते थे वहीं इनकमिंग कॉल के लिए 8 रुपए तक चुकाने होते होते थे मगर अब ज्यादा कंपनियां होने के कारण आपसी कंपटीशन इतना बढ़ गया है कि सस्ती से सस्ती स्कीम में लाकर ग्राहकों को अपनी ओर लुभाने के लिए लगे हुए हैं। इसी प्रकार बिजली कंपनियां में भी अन्य कंपनियां आ जाएगी तो ग्राहकों को सस्ती और बढ़िया सर्विस मिलेगी। नेशनल अकाली दल महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन ने बताया महिला विंग की ओर से 14 जुलाई को पम्मा जी के 30 वर्ष के पूरे होने पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें यह गाना रिलीज किया जाएगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में समाज के हितों में कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

भारत बंगलादेश के बीच सहयोग दोनों देशों के संबंधों की दिशा तय करेगा: मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत और बंगलादेश विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि इससे भारत-बंगलादेश संबंधों की भविष्य की दिशा होगी।

भारत की दो दिन की यात्रा पर आयी बंगलादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद आज शाम राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री शेख हसीना का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ ही दिनों बाद उनसे दोबारा मिलकर उन्हें खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि यह नियमित बातचीत मित्रता और सहयोग की स्थायी

भावना को दर्शाती है जो 1971 के बंगलादेश के मुक्ति संग्राम की यात्रा के साथ शुरू हुई थी।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत और बंगलादेश विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और नए क्षेत्रों में भी इसका दायरा बढा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह भारत-बंगलादेश संबंधों की भविष्य की दिशा तय करेगा। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि प्रधान मंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बंगलादेश ने महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति की है। दोनों नेता गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण बातचीत के दौरान आर्थिक संबंधों, विकास साझेदारी, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और संपर्क बढाने सहित सभी क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

इस महीने के शुरू में देश में नई सरकार के गठन के बाद किसी विदेशी नेता की भारत की यह पहली राजकीय यात्रा है।

भाजपा के भेजे लोगों ने अनशन में बाधा डालने का किया प्रयास : आम आदमी पार्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के 28 लाख लोगों को उनके हक का पानी दिलवाने के लिए दिल्ली सरकार की जलमंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं। आज उनके अनशन के दूसरे दिन कुछ लोगों ने आकर प्रदर्शन दिया। इस बीच आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा द्वारा भेजे गये लोगों ने व्यवस्था को बिगाड़ने और शांतिपूर्ण चल रहे अनशन में बाधा डालने का प्रयास किया।

इस विषय में अपनी बात को साझा करते हुए जलमंत्री आतिशी ने कहा, दिल्ली में पानी की बहुत कमी है। 28 लाख लोगों को दिल्ली में पानी नहीं मिल रहा है। इन्हें पानी दिलवाने के लिए मैं कल से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हूं। उन्होंने कहा, आज मेरे अनशन स्थल पर कुछ लोग हल्ला करने, बाधा पहुंचाने, मुझ पर हमला करने आए। लेकिन मैं भाजपा को ये बताना चाहती हूँ कि, मैं गांधी जी के सिखाए हुए सत्याग्रह के रास्ते पर, उनके सिखाए अनशन के रास्ते पर चल रही हूँ। मैं ऐसी चीजों से डरने वाली नहीं हूँ, ऐसी हरकतों से ये सत्याग्रह रोकने वाली नहीं हूँ। आतिशी ने कहा, जब तक 28 लाख दिल्ली वालों को उनके हक़ का पानी नहीं मिलेगा, तब तक ये अनशन जारी रहेगा, ये सत्याग्रह जारी रहेगा।

भाजपा ने की कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी की सीबीआई जांच कराने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी को लेकर राज्य सरकार की जमकर आलोचना की और इस घटना की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की।

तमिलनाडु के करुणापुरम में जहरीली शराब पीने से चार और लोगों की मौत के बाद इस त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गई। पीड़ितों में 48 पुरुष और छह महिलाएं शामिल हैं।

भाजपा नेता अनिल एंटनी ने आज यहां संवाददताओं को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा ने सबसे पहले एक पार्टी के तौर पर तमिलनाडु के मद्य निषेध एवं आबकारी मंत्री एस मुथुसामी के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे की मांग की है। हम भी सीबीआई जांच चाहते हैं और हम इसके लिए लड़ रहे हैं। हालांकि, यहां जिम्मेदारी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं है...भाजपा ने मुख्यमंत्री से शराबबंदी

नीति पर गौर करने का भी अनुरोध किया। भाजपा ने प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। श्री एंटनी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टलिन पर जमकर बरसते हुए कहा, हम द्रमुक सहित इंडिया समूह के सभी सहयोगियों से पूछना चाहते हैं कि उन्होंने इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों साधी हुई है।तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी के अपराधियों और सरकारी अधिकारियों के बीच स्पष्ट तौर पर मिलीभगत दिखाई दे रही है। भाजपा नेता ने कहा, हमारी पूरी राज्य इकाई तमिलनाडु में पीड़ितों को न्याय दिलाने और अपने भाइयों - बहनों के कल्याण, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लड़ रही है। गौरतलब है कि स्थानीय प्रशासन के मुताबिक मंगलवार रात जहरीली शराब पीने के बाद विभिन्न सरकारी चिकित्सा केन्द्रों में भर्ती कराए गए 193 लोगों में से लगभग 140 लोग अभी खतरे से बाहर बताये जा रहे हैं।

दिल्ली में जलापूर्ति चुनौती बन गई है, ऐसे में दोषारोपण की राजनीति ठीक नहीं : वीके सक्सेना

एजेंसी

नई दिल्ली। एक तरफ दिल्ली में जलापूर्ति की मांग को लेकर शुक्रवार से आम आदमी पार्टी (आआपा) के मंत्री, सांसद और नेता धरने पर बैठे हैं तो दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता व कार्यकर्ताओं ने दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आआपा और भाजपा के बीच पानी की राजनीति में कांग्रेस भी कूद पड़ी है। कांग्रेस ने आआपा के धरना प्रदर्शन को नाटक करार दिया है। वहीं दिल्ली के उपराज्यपाल ने राजधानी में जलापूर्ति को चुनौती बताते हुए इस मामले पर दोषारोपण की राजनीति को उचित नहीं बताया।

कांग्रेस, आआपा और भाजपा के नेताओं की राजनीति से दुखी दिल्ली के उपराज्यपाल बिफर उठे हैं। मीडिया से बातचीत में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल आपूर्ति एक चुनौती बन गई है। दिल्ली के नेता इस संकट पर दोषारोपण की राजनीति कर रहे हैं। यह ठीक नहीं है।

उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से पेयजल आपूर्ति पर निर्भर है। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बनाए गए संस्थागत तंत्र के माध्यम से अंतर्राज्यीय जल-बंटवारा व्यवस्था तय की जाती है। उपराज्यपाल ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के तहत हस्ताक्षरित समझौतों के अनुसार राज्य सरकारें पानी छोड़ने के लिए बाध्य हैं। इसके साथ ही शहर की सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि इस जल संसाधन का उपयोग शहर भर में समान आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। लेकिन ऐसा करने के बजाए राजनीति की जा रही है।दिल्ली जल बोर्ड पर प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं का कहना है कि दिल्ली सरकार के कुप्रबंधन की वजह से दिल्लीवासियों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हरियाणा से पानी की आपूर्ति करने की मांग को लेकर आआपा की मंत्री आतिशी का कहना है कि हरियाणा पानी नहीं दे रहा है।

जब तक पानी नहीं मिलेगा, वे भूख हड़ताल पर बैठी रहेंगी। आआपा के मंत्रियों के भूख हड़ताल पर कांग्रेस की नेता अलका लंबा ने धरना स्थल की वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यहां पर मंच खाली और सत्याग्रह के नाम पर आआपा के नेता आराम फरमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्या का निराकरण करना चाहिए यदि पानी उपलब्ध कराना बूते के बाहर की बात है तो इस्तीफा दे देना चाहिए।

नीट धांधली में लीपापोती का प्रयास कर रही है राजग सरकार : खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नकल विरोधी कानून को अधिसूचित करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबधंन (राजग) सरकार का मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में धांधली में लीपापोती का प्रयास है लेकिन उसे समझ लेना चाहिए इस मामले की जिम्मेदारी से वह किसी स्तर पर बच नहीं सकती है। श्री खड़गे ने कहा कि सरकार के शिक्षा मंत्री इस मामले में गलत बयानबाजी कर रहे हैं। नया कानून अधिसूचित हो गया है जबकि कानून कल ही अधिश्चित हुआ है और इसे फरवरी में है ही राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी।

उन्होंने कहा, घोटाले मे भाजपा जितनी भी कोशिश कर ले-धाँधली, भ्रष्टाचार और शिक्षा माफ़िया को बढ़ावा देने की अपनी ज़िम्मेदारी से नहीं बच सकती। इस पर तीन तथ्य और तीन सवाल हैं जिनका जवाब मोदी सरकार को देना ही पड़ेगा। तथ्य - पेपर लीक के विरूद्ध क़ानून अधिसूचित नहीं हुआ था, जब शिक्षा

मंत्री की प्रेस वार्ता में उनसे इसके बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि क़ानून अधिसूचित हो गया। तेरह फ़रवरी 2024 में इस क़ानून को राष्ट्रपति जी का एसेंट मिल गया था पर क़ानून बीती रात को ही अधिसूचित हुआ है। सवाल है मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री ने झूठ क्यों बोला कि क़ानून अधिसूचित हो गया है और विधि एवं न्याय मंत्रालय को उसके नियम बनाने ही रह गए हैं।÷

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ÷दूसरा तथ्य - शिक्षा मंत्री पहले तो पेपर लीक को नकारते रहे फ़िर जब गुजरात, बिहार, हरियाणा में गिरफ़्तारियां हुईं तब कह रहें हैं कि चूंकि कुछ जगहों पर स्थानीय तौर पर पेपर लीक हुए हैं इसलिए दोबारा परीक्षा नहीं करा पाएंगे। जबकि तथ्य है कि 2015 में प्री मेडिकल टेस्ट में महज 44 छात्रों की संलिप्तता थी तब भी सुप्रीम कोर्ट के कहने पर छह लाख अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा दोबारा कराई गई। सवाल है नीट पर भी माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर 0.001 भी घपला हुआ है तो वो कार्रवाई होनी चाहिए पर मोदी सरकार परीक्षा दोबारा क्यों नहीं करवा रही, जबकि शिक्षा मंत्री ने %गड़बड़ी% की बात मान ली है। तीसरा तथ्य है नौ दिनों में एनटीए ने तीन बड़ी परीक्षाएं रद्द या स्थगित की हैं। क़ानून पास करवाने के बाद भी भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में उप्र पुलिस तथा पदोन्नति बोर्ड जिसके तार गुजरात की एक कंपनी से जुड़े पाएं गए हैं। सवाल है क्यों पेपर लीक के विरूद्ध क़ानून पास करवाने के बाद भी पेपर लीक हो रहें हैं? पिछले सात सालों में जब 70 पेपर लीक हुए, तब मोदी सरकार ने उसपर कोई कड़ा क़दम क्यों नहीं उठाया।

खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करे कनाडा सरकार: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। कुछ दिन पहले कनाड़ा की संसद में आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर को श्रद्धांजलि दिए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वरिष्ठ नेता एवं यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता ने यहां तीन मूर्ति

चौक से लेकर चाणक्यपुरी थाना तक रैली निकाली। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए श्री गोयल ने कहा कि कुछ दिन पहले इटली में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात के दौरान विश्व शांति और आपसी प्रेम की जोरदार वकालत की थी। इतना ही नहीं पिछले दिनों भारत में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान श्री ट्रूडो ने आतंकवाद के गंभीर मुद्दे पर भारत के साथ पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब कनाड़ा की संसद में निज्जर को श्रद्धांजलि दी गई है और दो मिनट का मौन भी रखा गया है जिसका भाजपा और यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट पूरजोर विरोध करता है।

दिल्ली में जल संकट के लिए भाजपा, मोदी और उपराज्यपाल जिम्मेदार

नई दिल्ली। दिल्ली में जल संकट बरकरार है और अब दिल्ली के वीआईपी इलाकों में भी सिर्फ एक टाइम ही जलापूर्ति हो रही है। जिसके चलते जल्द ही वहां पर भी जल संकट का असर देखने को मिल सकता है। जल संकट को लेकर राजनीति गरमा गई है और आम आदमी पार्टी और बीजेपी में जुबानी जंग लगातार जारी है। इसी बीच आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने दिल्ली में जल संकट के लिए बीजेपी, हरियाणा की भाजपा सरकार, दिल्ली के एलजी और प्रधानमंत्री को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है।

संजय सिंह ने कहा है कि दिल्ली में जल संकट बीजेपी द्वारा प्रायोजित है। हमारे बार-बार निवेदन करने के बाद भी हरियाणा की बीजेपी सरकार ने दिल्ली के हक का पानी नहीं छोड़ा। बीजेपी वालों ने दिल्ली के 3 करोड़ लोगों का पानी रोक कर पाप किया है।

उन्होंने कहा कि इस विषय के बारे में खुद को प्रधानसेवक कहने वाले कुछ नहीं कर रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि दिल्ली वालों का क्या गुनाह है? उन्होंने तो बीजेपी को सातों सीट जिताई है। उसके बाद भी उन्हें उनके हक का पानी नहीं मिल रहा। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने दिल्ली की सातों सीटें जीतते ही सबसे पहले दिल्ली के हक का पानी रुकवा दिया। हरियाणा की बीजेपी सरकार दिल्ली के हक का पानी रोके हुए है। दिल्ली की जनता को समझना है कि बीजेपी कितनी क्रूर है। बीजेपी वाले इस संकट को सुलझाने के लिए नहीं बल्कि बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। ये सप्लाई पाइपलाइन तोड़ रहे हैं। डीजेबी के दफ़्तर में तोड़फोड़ कर रहे हैं और कर्मचारियों को धमका रहे हैं।संजय सिंह ने कहा आप के लोग दिन रात एक कर इस जल संकट को सुलझाने का सबसे पहले दिल्ली के हक का पानी रुकवा दिया। हरियाणा की बीजेपी सरकार दिल्ली के हक का पानी रोके हुए है। दिल्ली की जनता को समझना प्रयास कर रहे हैं। जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा की बीजेपी सरकार, केंद्र सरकार और एलजी से दिल्ली के लोगों के हक के पानी के लिए गुहार लगाई लेकिन उन्होंने दिल्ली के 28 लाख लोगों के हक़ का पानी नहीं छोड़ा।

Name Change

I, VICKY S/O LATE SHRI KARAN SINGH residing at B -128 TAGORE GALI, GALI NO – 3 NEAR AMBEDKAR GATE JAGAT PURI DELHI - 110051 have changed my name to VICKY NIGAM for all future purpose

Name Change

I, Satendra Kumar Bitharia S/o Govind Prasad Bittharia R/o H.NO-A-239, Palam Vihar, Choma (62), Carterpuri, Gurgaon, Haryana-122017, I have Changed My Name To Satendra Kumar Bittharia For all the Purpose.

Name Change

I, HAMIDA BEGUM W/O KAUSER ALI residing at HNO-40 LANE NO-7 GHAFFAR MANZIL JAMIA NAGAR DELHI-110025 changed my name to HAMIDA KHATOON all future purposes

Name Change

I, JC-472329N Rank- SUB Name-HARI SINGH S/o PHOOL SINGH R/o H.NO-57, SRI JI VIHAR COLONY, AURANGABAD, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281006 have changed my son's name from AMIT SINGH to AMIT KUMAR for all future purposes vide affidavit dated 22/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, Manisha Bitharia W/o Satendra Kumar Bittharia R/o H.NO-A-239, Palam Vihar, Choma(62), Carterpuri, Gurgaon, Haryana-122017, I have Changed My Name To Manisha Bittharia For all Purpose.

Name Change

I, HAZARTULLA S/O SEEPTI HASAN QURESHI residing at B-4/27 DDA FLATS, INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to HASRATULLA for all future purpose.

Name Change

I, PASAVAN KUNTI BEN mother of NO-18022748W Rank-NK Name-PASI ARVIND RAMSHANKAR R/O VILL-SHUBHASNAGAR, PO-KUBERNAGAR, TEH-AHMEDABAD, GUJARAT-382340 have changed my name from PASAVAN KUNTI BEN to PASAVAN KUNTIBEN RAMSHANKAR for all future purposes vide affidavit dated 22/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, NO-15433600H Rank-HAV/NA Name-GHUGE SANTOSH MURLIDHAR R/O VILL-GUNJALA, PO-ADGAON, TEH & DIST-BEED, MAHARASHTRA-431122 have changed my mother's name from SUBHIDRA to SUBHADRA MURLIDHAR GHUGE for all future purposes vide affidavit-2118/2024 dated 15/05/2024 before Notary Public, Beed, Maharashtra.

Name Change

I, KALI mother of NO-13623104L Rank-HAV Name-DINESH KUMAR PATEL R/O VILL-RURUA, PO-SHUKULGAWAN, TEH-GURH, DISTT-REWA, MP-486123 have changed my name from KALI to KALI PATEL for all future purposes vide Affidavit Dated 22/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, PARDEEP KUMAR, S/o MUKESH KUMAR, R/o. A-85, PALAM EXTN, SECTOR-7, DWARKA, NEW DELHI-110075, have changed my name from PARDEEP KUMAR to PRADEEP KUMAR for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Subham Singh S/O: Krishan, Village-dang khurd, Dang Khurd(29), PO:Dang, DIST:Bhiwani,Haryana, 127111, declare that name of mine and my mother has been wrongly written as SUBHAM and ANITA DEVI in my 10th ,12th class educational documents and pasport no V 7372523,The actual name of mine and my mother are SUBHAM SINGH and GEETA DEVI. which may be amended accordingly.

Name Change

I, SUNITA wife of NO-13623104L Rank-HAV Name-DINESH KUMAR PATEL R/O VILL-RURUA, PO-SHUKULGAWAN, TEH-GURH, DISTT-REWA, MP-486123 have changed my name from SUNITA to SUNITA PATEL for all future purposes vide Affidavit Dated 22/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, Mohd Mustafa son of Barkat Ali R/o 4589, Gali Shahtara, Ajmeri Gate, Delhi-6 have changed from Mohd Mustafa to Mohammad Mustufa.That Mohd Mustafa and Mohammad Mustufa belong to the same person. Henceforth, I will be known as Mohd Mustafa for all future purpose.

Name Change

I Mandira Katariya W/o Ross Ronald Belliveau , R/o D-990 New Friends Colony New Delhi 110025, have changed my name to Mandira Belliveau for all future purposes.

Name Change

I, DURGESH KUMAR MISHRA S/O BHALCHANDRA MISHRA residing at RZ-16-D ASHOK PARK WEST SAGARPUR DELHI-110046 have changed my name to DURGESH MISHRA for all future purposes

Name Change

I, NO-799162B Rank- JWO Name-DILIP KUMAR S/O HANS LAL PRASAD R/O VILL-SISAWA MANGAL, PO-DALAPAT BISUNPUR, P.S-DHAKA, DIST-EAST CHAMPARAN, BIHAR-845427 have changed my Minor daughter's name from ARPITA to ARPITA SAH for all future purposes vide affidavit dated 22/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, DIPALI wife of No-15734942F Rank-LOC HAV Name-KOLI VINOD MADHUKAR R/O VILL-DASNUR, PO-DASNUR, TEH- RAVER, DISTT-JALGAON, MAHARASHTRA-425506, have changed my name from DIPALI to DIPALI VINOD KOLI for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 18/10/1996 instead of my correct date of birth as 18/10/1998 vide affidavit dated 22/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, No-6948086H Rank- HAV Name-ISSAC KC R/O VILL-PAIPPAD, PO-THRICKODITHANAM, TEH-CHANGANACHERRY, DISTT-KOTTAYAM, KERALA-686105, have changed my father's name from CHACKO ITHAQ to CHACKO K I for all future purposes and in my service records his date of birth wrongly mentioned as 03/11/1959 instead of his correct date of birth as 15/05/1956 vide affidavit dated 31/05/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

Name Change

I, NO-15433600H Rank-HAV/NA Name-GHUGE SANTOSH MURLIDHAR R/O VILL-GUNJALA, PO-ADGAON, TEH & DIST-BEED, MAHARASHTRA-431122 have changed my father's name from MURLIDHAR to MURLIDHAR KONDIBA GHUGE for all future purposes vide affidavit-2121/2024 dated 15/05/2024 before Notary Public, Beed, Maharashtra.

Name Change

I, NO-799162B Rank- JWO Name-DILIP KUMAR S/O HANS LAL PRASAD R/O VILL-SISAWA MANGAL, PO-DALAPAT BISUNPUR, P.S-DHAKA, DIST-EAST CHAMPARAN, BIHAR-845427 have changed my Minor son's name from ARNAV to ARNAV SAH for all future purposes vide affidavit dated 22/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, MOHD JAMEEL S/O MOHD RAMZAN residing at 337 SHAHZADA BAGH PHASE-1 INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to MOHD JAMIL for all future purpose.

Name Change

I, MEENA RAI is legally MOTHER of No.13772663N Rank L/HAV Name KAILASH RAI is presently residing at Vill-NIM BASTY PO-FAGU, Teh-KALIMPONG, Distt-DARJEELING State WEST BENGAL have changed my name from MEENA RAI to MINA RAI vide affidavit No. IN-DL064582 19268546W dated 21/06/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

My clients Firoz Khan S/O Saleem Ahmad Khan, and his wife Azma Khan both R/O E-2, Gaffar Manzil Extn.-2, Jamia Nagar Okhla, New Delhi-110025, have no right of property of their sister & sister in law Shama Parveen W/O Late Rashid Khan which was given by the father of Shama Parveen.

Vinod Kumar Advocate
CHAMBER NO.559, Lawyers Block
Saket Court, New Delhi-17

नाम परिवर्तन

मैं इन्दु श्रीदेवी कुट्टी अम्मा /पत्नी श्री अशोक कुमार निवास पता -ए-4/21, सनराइज अपार्टमेंट, सेक्टर -13, रोहिणी, दिल्ली -110089 ने सार्वजनिक रूप से अपना नाम परिवर्तित करके एस. इंदू कर लिया है और अब सभी ज़रूरी कागज़ात/ पत्राचार में यही नाम अंकित किया जाये

Name Change

I, SUMAN MOHAMAD RAMADAN W/O MOHMMAD A.A RAMADAN R/O C-100 JVTS GARDEN,HIMALAYAN BLOCK, CHATTARPUR EXTENSION, SOUTH DELHI, DELHI-11074 have changed my name to SUMAN M.J RAMADAN for all future purpose.

Name Change

I, PRABHAWATI DEVI mother of NO-962416F Rank-CPL Name-NAVIN KUMAR PANDEY R/O SANKAT MOCHAN NAGAR, NEW POLICE LINE, ARA, PO-NAWADA, DIST-BHOJPUR, BIHAR-802301 have changed my name from PRABHAWATI DEVI to PRABHAVATI DEVI for all future purposes vide affidavit dated 22/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, Army No. JC-676280K Rank - SUB Name - Habib Shaikh Parmanent Resident of Vill & Post -Palashipara , PS - Palashipara, Teh - Krishnanagar Dist - Nadia, State - West Bengal Pin - 741155 Presently Posted at Unit 5017 ASC BN (MT), C/o 99 APO Pin - 905017 Dist - North 24 Parganas, State - West Bengal have changed my Wife name from Jaynab Khatun to Jaynab Bibi for all future purposes. Vide Affidavit No.781 Dated 12th June 2024 before Notary, Government of India at 24 Parganas W.B in presence of Ld. Advocate Md. Azahar Hossain.

Name Change

I hitherto known as PREM LATA SHARMA alias GUDDAN SHARMA D/O Kamal Kishore Sharma W/O: Ganga Ram Sharma,R/O 236, Ram Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad,Uttar Pradesh - 201001,have changed my name and shall hereafter be known as GUDDAN SHARMA.

PUBLIC NOTICE

"Be Known to all, that my clients Sanjay Kumar S/o Late Sh. Jagbir Singh and Guddi W/o Sanjay Kumar Both R/0 RZ-421, Gali No 8, Tughlakabad Extension, New Delhi 110019 has debarred & disowned their son Vinit and his wife Muskaan from their all moveable and immovable properties. My clients had also severed all their relations and connections from the above said persons. If anybody deals with them in any manner, then my clients will not be responsible for any of their deeds and acts."

Pawan Gupta Advocate
878, LAWYERS CHAMBER
BLOCK SAKET COURT
NEW DELHI 110017

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती अंबिका अग्रवाल फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति क्रमांक 1/3510 की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल खसरा नंबर 577 में से 133 वर्ग गज है, जो गली नंबर 6, राम नगर एक्सटेंशन, इलाक़ा शाहदरा दिल्ली की आबादी में ग्राम सिकदरपुर में स्थित है। गिफ्ट डीड दिनांक 10.04.2024 को दस्तावेज़ संख्या 2532, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 5122, पृष्ठ संख्या 149-166 के रूप में, एसआर IV ए दिल्ली द्वारा 10.04.2024 को पंजीकृत किया गया। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसका वित्तपोषण पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- एनएसपी दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

Freehold Property No C-237 Surya Nagar Ghaziabad UP msg 355 sq yard. It is to inform here by If any Person/s or any financial institution have any type of any liability or any objection in any manner for the above said Property, please come forward with in next seven days. After that my client MRS. PRATIBHA AGGARWAL W/o Lt. SH. UMESH KUMAR AGGARWAL R/o C-237, SURYA NAGAR, GHAZIABAD, UP owner of the freehold property can will further can Execute the sale deed in favour of any intending buyer for the sale of above mention property Anybody have any type of any objection in any manner Please email me on the above Mentioned email/Mobile no for the same. If no objection of any type in any manner will not come then my Client will execute all the papers for the completion/ sale/transfer of the above said property. After seven days anybody have no claim in any manner on above said freehold property.

K. P. SINGH ADVOCATE
Chamber No. D-323,
SUPREME COURT, DELHI
kpsinghlaw@yahoo.com
Mobile 9811278077

एचकेआरएन के तहत लगे शिक्षकों की ज्वाइनिंग कराने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। शिक्षा विभाग ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे शिक्षकों को जल्द ज्वाइनिंग करने के निर्देश जारी किए हैं। सेकेंडरी शिक्षा निदेशक की ओर से जिला शिक्षा अधिकारियों को हिदायत दी गई है कि जो शिक्षक लोकसभा चुनावों के चलते लगी आचार संहिता के कारण ज्वाइनिंग नहीं कर पाए थे, उनकी जल्द ज्वाइनिंग कराई जाए। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि जो शिक्षक रिक्त पदों पर ज्वाइनिंग कर पाए हैं, उन्हें नजदीक के स्कूलों में रिक्त पदों पर ज्वाइनिंग कराई जाएगी। मुख्यालय की ओर से शिक्षकों की ज्वाइनिंग रिपोर्ट भी जिलावार तलब की गई है। लोकसभा चुनावों के चलते आदर्श आचार संहिता लगने से एचकेआरएन के तहत लगे शिक्षकों की नियुक्तियां अटक गई थीं। तकरीबन दो महीने ज्वाइनिंग नहीं हो पाई थी। हालांकि इस बीच गरमी के कारण स्कूल बंद ही रहे और साथ ही आचार संहिता के कारण नियुक्ति नहीं मिल पाई थी। अब निदेशालय की ओर से कड़ी हिदायत दी गई है कि सभी स्कूल प्रमुख ऐसे शिक्षकों को बिना किसी देरी के तत्काल से ज्वाइनिंग दें।

नेता देखकर नहीं सर्वे के आधार पर हो विधानसभा का टिकट बंटवारा: जयप्रकाश

कैथल। हिसार के नवनिर्वाचित सांसद जयप्रकाश ने कैथल में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में सुरजेवाला का नाम लिए बगैर उन पर लोकसभा चुनाव में उनकी भूमिका पर सवाल खड़े किए। जयप्रकाश ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और राहुल गांधी कि भारत जोड़ो यात्रा के कारण ही कांग्रेस की पांच सीटों पर विजय हुई। कैथल में चाहे स्टेडियम बना हो या सड़क बनी हों वह सब भूपेंद्र सिंह हुड्डा की देन है। लोकसभा चुनाव में अधिक अधिकतर विधानसभा क्षेत्र में गठबंधन का उम्मीदवार अपने जितवा दिया या बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। जयप्रकाश ने ये भी कहा कि उनकी और सतपाल ब्रह्मचारी की छुट्टी हो गई थी, लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने सर्वे और मेरिट पर टिकट आबंटन किया तो उनका नंबर आ गया। इसके लिए भूपेंद्र हुड्डा ने ही रिकमेंड किया। आप ने लोकसभा चुनाव में मेरिट के आधार पर जयप्रकाश को टिकट दी और ब्रह्मचारी को टिकट दी।

स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को अपनाएं: मंत्री महिपाल ढांडा

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा ने उद्योगपतियों तथा समाज के समर्थ लोगों का आह्वान किया कि वे स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को अपनाकर गरीब के घर में हर रोज दिवाली मनवाने का संकल्प लें, सरकार भी गरीबों की भलाई के लिए तत्पर है। गरीबी उन्मूलन के साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करें।

नकली पाइप बनाने की फैक्ट्री पर छापा, 90 पाइप बरामद

हिसार। जिले के कस्बा नारनौंद के बुडाना रोड पर पुलिस ने एक पॉलीमर फैक्ट्री पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि उक्त फैक्ट्री में पंजाब के मोहाली स्थित एक प्राइवेट लिमिटेड पीवीसी पाइप कंपनी के नाम से पाइप बनाई जा रही थी। पुलिस ने चेकिंग के दौरान मौके से 90 नकली पाइप बरामद करके नकली पाइप बेचने के आरोप में कुलदीप व सिद्धार्थ के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में मोहाली निवासी अमित दूबे ने नारनौंद पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में उसने बताया कि वह आरके एसोसिएट मोहाली मे ऑपरेशन मैनेजर के पद पर कार्यरत है। अमित ने बताया कि नारनौंद के बुडाना रोड भारती पोलीमर पाइप फैक्ट्री के मालिक कुलदीप एवं सिद्धार्थ हमारी अधिकारिक कंपनी सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड नाम से नकली पीवीसी पाइप अपनी फैक्ट्री में तैयार करके नकली को असली बताकर मार्केट में सप्लाई करते है।

जाट शिक्षण संस्था चुनाव में 105 कॉलेजियम मेंबर चुनेंगे संस्था के चार पदाधिकारी

रोहतक। जाट शिक्षण संस्था की गवर्निंग बॉडी के पदाधिकारियों के होने वाले चुनाव को निष्पक्ष तरीके से करवाने की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। पोलिंग स्टेशन के आसपास तथा कैंपस में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। यह जानकारी संस्था के प्रशासक के ओएसडी डॉ नवनीत अहलावत ने दी। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त उपायुक्त एवं संस्था की चुनाव अधिकारी वैशाली सिंह के दिशा निर्देश अनुसार सभी तैयारियों को अमली जामा पहनाया जा चुका है। चुनाव में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना आए इसके लिए चुनाव की रिहर्सल के साथ-साथ संस्था के कर्मचारियों की कमेटी बनाकर उनके कार्यों की संपूर्णता की रिपोर्ट ली जा चुकी है। डॉ अहलावत ने चुनाव ड्यूटी में लगे संस्था के कर्मचारियों की मीटिंग लेने के दौरान बताया कि चुनाव केंद्र मातूराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में ड्यूटी पर लगे सभी कर्मचारियों की पहचान पत्र दिखाकर ही प्रवेश होगा। उन्होंने बताया कि इंस्टिट्यूट के मुख्य हाल में चार पदों के लिए मतदान होगा। मतदान सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक होगा, तत्पश्चात यहीं पर मतों की गिनती कर चारों पदों के लिए अलग-अलग से चुनाव परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।

हरियाणा सरकार की इन परियोजनाओं से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार होगा, सीएम ने दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत 126 करोड़ रुपये की लागत की 22 प्रमुख परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक मंजूरी दी। इन परियोजनाओं से हिसार, जींद, कैथल और सिरसा जिलों में बुनियादी ढांचे का विकास कराया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हिसार के गांव सिसाय में 14.25 करोड़ रुपये की लागत से जलापूर्ति योजना के तहत बालसमंद शाखा से पानी की व्यवस्था की जाएगी। यह योजना जल जीवन मिशन के अनुरूप है। इसके अलावा 3.90 करोड़ रुपये और 1.50 करोड़ रुपये की परियोजना लागत से नारनौंद और हांसी में विभिन्न ढाणियों में घरेलू नल

कनेक्शन (एफएचटीसी) किए जाएंगे। इसी तरह से 4.10 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि 46.59 करोड़ रुपये की लागत से सिरसा जिले के (मंडी डबवाली और कालांवाली) गांवों भारूखेड़ा, चोरमार खेड़ा, देसू जोधा, गदराना, हबुआना, जोत्तांवाली, खतरावान, मंगियाना, मसीतां, नौरंग और सुखचैन को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन (एलपीसीडी) की बढ़ी हुई जलापूर्ति का लाभ मिलेगा। इसी प्रकार से 13.65 करोड़ रुपये की लागत से सिरसा जिले के झोड़ा रोही, गिदरांवाली और रगुआना (कालांवाली) गांवों के ग्रामीणों को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन (एलपीसीडी) की बेहतर पेयजल आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि कैथल जिले के पट्टी डोगरान गांव में 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन (एलपीसीडी) के साथ पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए 3.30 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जिला जींद के अशरफगढ़ और संडील गांवों के लिए क्रमशः 2.12 करोड़ और 4.84 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, ताकि 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन (एलपीसीडी) पेयजल मिल सके। राज्य सरकार के इस प्रयास से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार होगा और उन्हें मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी।

डॉ. बनवारी लाल ने 17 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ बनवारी लाल ने रेवाड़ी जलघर परिसर में 17 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर घर को नल से जल देने के लिए जल जीवन मिशन कार्यक्रम को लागू किया था। मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में इस मिशन को सफलता पूर्वक चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज नया गांव में एक करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से बन कर तैयार हुए नए जल घर का शुभारंभ किया गया है। इस जल घर के बनने से नया गांव और आसपास रहने वाले ग्रामीणों को उनके घर पर 70 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से नहरी पानी की सप्लाई दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए रेवाड़ी जलघर परिसर में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से नए कार्यालय भवन का निर्माण किया जाएगा, जिसका आज शिलान्यास किया गया। इसी प्रकार रेवाड़ी शहर के रामपुरा और वार्ड 24 से 31 तक की आबादी के लिए बनाए गए एसटीपी प्लांट की क्षमता को 6.5 एमएलडी से बढ़ाकर 10 एमएलडी का किया जा रहा है। इस पर 10 करोड़ 31 लाख 55 हजार की राशि खर्च होगी। इस कार्य का भी आज शिलान्यास हुआ।

सरकारी नौकरियों में बैकलाग को जल्द से जल्द किया जाएगा पूरा - सीएम नायाब सिंह

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि संत कबीरदास जी के 626वें प्रकाश पर्व पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेश सरकार की अंत्योदय की भावना को धरातल पर उतारते हुए गरीब व्यक्ति को मजबूत व सशक्त बनाने के लिए कई घोणाएं की, जिनमें मुख्यतः गोहाना में संत कबीर के नाम से चौक का निर्माण, गोहाना धानक शिक्षा सभा को लाइब्रेरी व लंगर हाल का निर्माण के लिए 31 लाख रुपये की राशि, भूमि उपलब्ध होने पर रोहतक-जींद रोड पर बाईपास का निर्माण और सरकारी नौकरियों में बैकलाग को जल्द से जल्द पूरा किया करना शामिल है। इसके अलावा प्रथम व द्वितीय श्रेणी की पदोन्नति में आरक्षण का लाभ देने के लिए न्यायालय में सरकार द्वारा पूरजोर पैरवी करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री सोनीपत के गोहाना में आयोजित राज्यस्तरीय संत

कबीरदास जयंती समारोह में जनसमूह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने संत कबीर दास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार संत कबीर दास की शिक्षाओं व दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए सर्व समाज के हित में काम कर रही है। गरीब व्यक्ति को आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार ने कई कल्याणकारी य़ोजनाएं चला रखी हैं।

अवैध देशी शराब की 1200 पेटी बरामद, दो गिरफ्तार

एजेंसी

यमुनानगर। अपराध शाखा-1 और आबकारी विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से मिल्क सुखी टोल प्लाजा के पास पिरथी का माजरा हाईवे पर अंबाला की ओर से आ रहे कैंटर को 1200 अवैध पेटी देशी शराब बरामद की। टीम ने जांच के दौरान कैंटर को कब्जे में लेकर गाड़ी चालक और गोदाम के मुंशी को भी पकड लिया। जिन्हें कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया गया। पकड़ी गई शराब की कीमत लगभग 18 लाख रूपये बताई जा रही है।

अपराध शाखा -1 के इंचार्ज यादविंद्र सिंह ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि अंबाला की ओर से शराब का कैंटर आ रहा है, जो जगाधरी छछरौली रोड स्थित एल-13 पर जाएगा। टीम ने मौके पर जाकर नाकेबंदी के दौरान कैंटर पकडा। जब जांच की गई तो उसमें 1200 पेटी देशी अवैध शराब रसीला माल्टा की थी। मौके पर गाड़ी के चालक हसनपुर निवासी रामअवतार उर्फ मोंटी को भी

परमिट के अनुसार यह गाड़ी दो बजे गोदाम पर पहुंची थी, लेकिन साढे तीन घंटे लेट थी और जब क्यूआर कोड स्कैन किया गया तो उसमें स्टॉक इन दिखाया गया।

गिरफ्तार किया गया। यह शराब अम्बाला से स्कोच स्टेशन वाईन गोदाम छछरौली पर जानी थी। दोनों ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आज कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि देसी शराब का कैंटर एनवी इंटरनेशनल बडौली अंबाला से चला था और इसका परमिट बडौली से जगाधरी-छछरौली स्थित स्कोच स्टेशन वाईन एल-13 का बना हुआ था। परमिट के अनुसार यह गाड़ी दो बजे गोदाम पर पहुंची थी, लेकिन साढे तीन घंटे लेट थी और जब क्यूआर कोड स्कैन किया गया तो उसमें स्टॉक इन दिखाया गया। इसका मतलब था कि परमिट पर जो शराब लेकर गाड़ी चली थी वह गोदाम पर पहुंच गई। लेकिन पुलिस के अनुसार कैंटर एक ही परमिट पर डबल चक्कर लगा रहा था और कैंटर के अन्दर डुप्लीकेट नम्बर प्लेट भी मिली है। पुलिस ने इसी अनुसार धारा-420 का भी केस दर्ज किया है।

क्राइम अगेंस्ट वूमेन के मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करें : सोनिया अग्रवाल

एजेंसी

हिसार। हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने कहा है कि घरेलू हिंसा के मामलों में मध्यस्थता करते हुए दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी गंभीरता के साथ करनी चाहिए। महिलाओं पर अत्याचार के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने महिला थाना की भी स्थापना की है। सोनिया अग्रवाल यहां के महिला थाना एवं वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण करने उपरांत अधिकारियों को निर्देश दे रही थी। उन्होंने महिला थाना में मौजूद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को क्राइम अगेंस्ट वूमेन के मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला थाने में निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों के लिए लगे रजिस्टर में एंट्री और एग्जिट का रिकॉर्ड भी चेक किया। उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने कहा कि महिला थाने में शिकायतकर्ताओं के लिए निर्धारित सुविधाएं सुनिश्चित की जाए और किसी भी शिकायत पर

सुनवाई में देरी न की जाए। महिला आयोग महिला अधिकारियों को लेकर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। तत्पश्चात उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने वन स्टॉप सेंटर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर स्थापित करने का उद्देश्य पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की सहायता उपलब्ध करवाना है, इसलिए महिला एवं बाल विकास तथा अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी इस सेंटर को सुचारू रूप से चलाने के लिए पूरी जिम्मेवारी और गंभीरता से कार्य करें।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी बबीता चौधरी ने बताया कि जनवरी से जून माह तक वन स्टॉप सेंटर हिसार में कुल 655 शिकायतें आई हैं जिसमें घरेलू हिंसा से संबंधित 412 शिकायतें, बाल विवाह से संबंधित तीन शिकायत, मिशिंग की 105 शिकायत, साइबर क्राइम की तीन शिकायत व अन्य की 132 शिकायतें शामिल हैं। सोनिया अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा महिला आयोग व पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में स्लम एरिया में कानूनी जागरूकता कैंप आयोजित किए जाएंगे जिसमें महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाएगा। आयोग महिलाओं से संबंधित अपराध को रोकने तथा दोषियों को सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर में सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाने और स्टाफ आदि की कमियों को दूर करने के लिए आयोग को पत्र लिखने की हिदायत दी। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी बबीता चौधरी, एएसपी डॉ. राजेश कुमार मोहन मौजूद रहे।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर यूथ कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

नारनौल। नीट पेपर लीक मामले को लेकर यूथ कांग्रेस द्वारा नारनौल में विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार का पुतला भी जलाया। इस मौके पर अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शहर में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार का पुतला जलाया। कांग्रेसी नेता संजय पटीकरा ने बताया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा हाल ही में नीट परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा का परिणाम भी आनन-फानन में जारी कर दिया गया। परिणाम में कई विद्यार्थियों के नंबर शत प्रतिशत आए हैं। इसके बाद से ही परिणाम को लेकर सवाल उठने लग गए हैं। वहीं इस परीक्षा में अनेक गड़बड़ियां भी मिली हैं। उन्होंने कहा कि बिहार तथा गुजरात में पेपर लीक भी हुआ। देश के अनेक सेंटरों में परीक्षा देरी से शुरू हुई कई जगह किसी अन्य विषय का प्रश्न पत्र भी दे दिया गया। इसके बाद कई परीक्षार्थियों को ग्रेस मार्क भी दिए गए। इन सब गड़बड़ियों के चलते अनेक छात्र सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंच गए। बावजूद इसके सरकार द्वारा इस परीक्षा को रद्द नहीं किया जा

रहा, जिसके चलते पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ा जाए और छात्र-छात्राओं के भविष्य को देखते हुए सरकार पेपर लीक जैसे मामलों पर कठोर संज्ञान लेकर तुरंत अंकुश लगाए। विरोध प्रदर्शन में संजय पटीकरा, पूर्व पार्षद दयानंद सोनी, सोनू कौशिक, राजेश रावत सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल हुए।

जींद के पांचों विस क्षेत्रों से कांग्रेस की जीत से हरियाणा में सरकार बनना तय: हुड्डा

एजेंसी

जींद। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शहर के निजी होटल में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, सोनीपत से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, हिसार से सांसद जयप्रकाश पहुंचे। यहां सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में

भूपेंद्र हुड्डा ने अभय सिंह चौटाला के भूपेंद्र हुड्डा के भाजपा के एजेंट के बयान पर भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राज्यसभा के चुनाव से लेकर राष्ट्रपति के चुनाव में उन्होंने किसके पक्ष में वोट दी थी, सब जानते हैं। प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं है। हुड्डा ने राज्य सभा चुनाव में सदस्य उतारे जाने के सवाल पर कहा कि उन्हें 14 सदस्यों की जरूरत है। अगर उन्हें 14 सदस्य मिलते हैं तो वह सदस्य उतार देंगे। पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में जींद जिला एकमात्र ऐसा है, जहां से तीन-तीन सांसद कांग्रेस को दिए हैं। अब एक मोर्चा तो जीत लिया है। असली मोर्चा तो तीन महीने बाद शुरू होगा, उसकी तैयारी में जुट जाओ।

हिसार से सांसद जयप्रकाश ने पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह के परिवार पर जमकर निशाना साधा। जेपी ने पैरवी की कि विधानसभा में भी मेरिट पर टिकट दी जाएं। चौधरी बंसीलाल की विरासत के बयान के बाद कहा कि राजनीति और अफसरी में कोई जेंडर नहीं होता। उनका मतलब रणबीर महेंद्र से था, वो उनके बड़े बेटे हैं तो वो वारिस होने चाहिएं। अगर नंबरदार की मौत होती है तो उनके बेटे बेटे को नंबरदार बना दिया जाता है।

सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार आए तो जींद को औद्योगिक क्षेत्र बनाया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि हर भर्ती में घोटाले हो रहे हैं, पेपर लीक हो रहे हैं। हरियाणा में 33 पर्चे लीक हुए हैं। कौशल विकास रोजगार निगम

जो सबस बड़ा धोखा है। इसमें न मेरिटए न आरक्षण और न ही पक्की नौकरी है। सरकार प्रोपर्टी और पीपीपी को लेकर माफी मांगनी चाहिए। क्योंकि लोगों को लाइन में लगाने का काम किया। उदयभान ने कहा कि मनोहर लाल खट्टर ने कहा था कि किरण चौधरी का शरीर कांग्रेस में था, लेकिन आत्मा भाजपा में थी। इसलिए वह भाजपा में चली गई, लेकिन वह पूछना चाहते हैं कि राज्यसभा को लेकर किरण चौधरी के साथ क्या डील हुई है। इसके बारे में भी मनोहर लाल को बताना चाहिए।

कांग्रेस की सोच महिलाओं के खिलाफ : अर्चना गुप्ता

महिलाओं को नीचा दिखाने वाले को पहले अपने अंदर झांकना चाहिए

एजेंसी

रोहतक। भाजपा प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता ने हिसार लोकसभा सांसद जयप्रकाश द्वारा चौधरी बंसीलाल की विरासत किरण चौधरी और श्रुती चौधरी को कैसे मिल सकती है को लेकर दिए गए बयान को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं को अपमानित और प्रताडित किया है।

ऐसे नेताओं की प्रताडना से तंग आकर ही आज किरण चौधरी और श्रुति चौधरी को कांग्रेस छोडने के लिए मजबूत होना पड़ा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को नीचा दिखाने वाले बयान पर सांसद जयप्रकाश और कांग्रेस पार्टी माफी मांगे, अन्यथा भाजपा महिलाओं का अपमान किसी भी सूरत में सहन नहीं करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत मां अंबा, दुर्गा और सरस्वती का देश है और इस देश ने हमेशा ही महिलाओं को समान अधिकार दिए हैं, लेकिन कांग्रेस नेता महिलाओं के खिलाफ बयान देने से जरा भी हिचकिचाते नहीं। भाजपा प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता मंगल कमल कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी।

उन्होंने कहा कि सांसद जयप्रकाश बताएं कि इंदिरा गांधी बिना किसी विरासत के प्रधानमंत्री बनी थी क्या, क्या सोनिया गांधी बिना किसी विरासत के इटली से भारत में आकर इतनी मजबूत महिला बनी, क्या प्रियंका गांधी कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव बिना किसी विरासत के बनी हैं। सांसद जयप्रकाश को बयान देने से पहले अपने अंदर झांकना चाहिए था। अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा में हमेशा महिलाओं का सम्मान होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया। भाजपा ही राजनीति में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लेकर आई। आज पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की नीतियों के कारण ही 50 प्रतिशत सरपंच महिलाएं बनी हुई हैं, जिससे महिलाओं को खुद में ही सशक्तिकरण का अहसास होता है। अर्चना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस की सोच सदा से ही महिलाओं के खिलाफ रही है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन तलाक खत्म करके मुस्लिम महिलाओं को अन्याय

'महिलाओं को नीचा दिखाने वाले बयान पर सांसद जयप्रकाश और कांग्रेस पार्टी माफी मांगे, अन्यथा भाजपा महिलाओं का अपमान किसी भी सूरत में सहन नहीं करेगी।'

से छुटकारा दिलवाया। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष प्रतिभा सुमन, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता दांगी, राजबाला एडवोकेट, आशा शर्मा, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक, तरुण सनी शर्मा, मनोनीत पार्षद अमित बंसल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नेशनल जूनियर रग्बी सेवन फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए हरियाणा टीम घोषित

एजेंसी

हिसार। रॉयल स्पोर्ट्स अकादमी जींद में चल रहे प्रदेश के जूनियर लड़कों के कैंप से नेशनल चैम्पियनशिप के लिए हरियाणा टीम की घोषणा कर दी गई है। इस टीम में हिसार के पांच खिलाड़ी भी शामिल हैं। नौवीं नेशनल जूनियर (लड़कों) रग्बी सेवन फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 25 व 26 जून को वालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पुणे में किया जाएगा। टीम कोच पंकज और कैंप संयोजक मुनीत बेरवाल तथा जसवंत सिंह ने चयनित खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। इस अवसर पर जींद यूनिवर्सिटी के खेल निदेशक नरेश देशवाल तथा जींद के एईओ कुलदीप अहलावत ने चयनित खिलाड़ियों को किट वितरित की। हरियाणा राज्य रग्बी फुटबॉल संघ के सचिव नरेंद्र मोर ने पुणे से बताया की टीम का चयन कैंप के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन, टीम भावना, खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन जैसे पॉइंट्स के आधार पर किया गया है।

कूड़े करकट के ढेर शहरी क्षेत्र में न आएं नजर: रमेश चंद्र बिधान

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम शहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए और कहीं भी कूड़े करकट के ढेर नजर नहीं आने चाहिए। यह आदेश मंडलायुक्त रमेश चन्द्र बिधान ने अधिकारियों को दिए। वे डीसी निशांत कुमार यादव व नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. बलप्रीत सिंह के साथ शहरी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था प्रबंधों की लघु सचिवालय सभागार में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मंडलायुक्त ने सफाई अभियान की निगरानी के लिए वार्ड स्तर पर नियुक्त एचसीएस स्तर के नोडल अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंडलायुक्त रमेश चंद्र बिधान ने वैठक में कहा कि शहर में आमजन को बेहतर सफाई व्यवस्था व स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन व नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त प्रयासों से सेनिटेशन अभियान निरन्तर जारी है। अभियान के तहत सफाई व्यवस्था में प्रतिदिन क्या और कितना सुधार हुआ व आमजन का क्या फीडबैक रहा इसको लेकर प्रशासनिक स्तर पर निरंतरता में समीक्षा बैठक भी की जा रही है। मंडलायुक्त ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नोडल अधिकारी उनसे संबंधित वार्डो के अंतर्गत आने वाले घरों की गिनती करवाएं। इसके उपरांत उन घरों से कूड़े के डोर टू डोर कलेक्शन की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। उसमें ऐसे घरों को चिन्हित करें जो अभी भी डोर टू डोर कलेक्शन सुविधा से अछूते है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट तैयार करते समय उसमें संबंधित वार्ड अथवा कॉलोनी में डोर टू डोर कलेक्शन के लिए प्रतिदिन कितनी गाड़ी व रिक्शा लगाई गई इसका उल्लेख जरूर हो।

Name Change

I hitherto known as BHIKU CHAUDHARY S/o LALITA CHAUDHARY R/o Bishunpura, siwan Bihar 841253 and Curent address, C - 111.ground Floor, Dayal Bagh Faridabad 121009, have changed my name and shall hereafter be known as BHIKHU CHAUDHARY

भारतीय मानक ब्यूरो ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दो नए मानक पेश किए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने दो नए मानक, IS 18590: 2024 और IS 18606: 2024 पेश किए हैं, जिनका उद्देश्य L, M और N श्रेणियों में इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा को बढ़ाना है। ये मानक इलेक्ट्रिक वाहनों के महत्वपूर्ण घटक - पावरट्रेन - पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यह कड़े सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसके अतिरिक्त, वे बैटरी की सुरक्षा और प्रदर्शन पर जोर देते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे शक्तिशाली और सुरक्षित दोनों हैं। हालांकि, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव कारों और ट्रकों से आगे तक फैला हुआ है। ई-रिक्शा और ई-कार्ट पूरे भारत में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। इसे संबोधित करने के लिए, बीआईएस ने IS 18294: 2023 पेश किया है, जो विशेष रूप से इन वाहनों के लिए सुरक्षा मानक स्थापित करता है। ये मानक निर्माण से लेकर कार्यक्षमता तक विभिन्न पहलुओं को कवर करते हैं, जिससे चालक और यात्री दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इन नए मानकों के साथ, बीआईस ने मानक बढ़ा दिए हैं, अब इलेक्ट्रिक वाहनों और उनके सहायक उपकरणों, जिनमें चार्जिंग सिस्टम भी शामिल हैं, के लिए कुल 30 भारतीय मानक हैं। ये मानक देश में अधिक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल और कुशल परिवहन प्रणाली की ओर परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण हैं।

प्याज और न रुलाए! सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 71000 टन खरीदे, सामान्य मानसून से राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने के कुल लक्ष्य में से बफर स्टॉक के लिए इस साल अब तक लगभग 71,000 टन प्याज की खरीदारी की है। साथ ही, सरकार को उम्मीद है कि देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून की प्रगति के साथ खुदरा कीमतें कम होंगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को प्याज का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 38.67 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि उच्च गुणवत्ता वाले प्यात का मूल्य 40 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

20 जून तक केंद्र ने 70,987 टन प्याज की खरीद की

उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 20 जून तक केंद्र ने 70,987 टन प्याज की खरीद की है जबकि पिछले साल इसी अवधि में 74,071 टन प्याज की खरीद की गई थी। अधिकारी ने बताया, 'अनुमानित तौर पर रबी उत्पादन में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद इस साल मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए प्याज खरीद की गति काफी हद तक पिछले साल के बराबर है।' उन्होंने कहा कि सरकार मूल्य स्थिरीकरण के लिए पांच लाख टन की खरीदारी के लक्ष्य को हासिल करने की ओर बढ़ रही है।

घेरे में हिंदुजा परिवार: कर्मचारियों से अधिक कुत्तों पर खर्च

लंदन। ब्रिटेन का सबसे धनी भारतीय मूल का हिंदुजा परिवार गलत कारणों से एक बार फिर सुर्खियों में हैं। परिवार के कुछ सदस्यों को स्विटजरलैंड स्थित उनके जिनेवा विला में भारतीय कर्मचारियों का शोषण करने के मामले में लगभग चार साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। एक स्विस अदालत ने परिवार के चार सदस्यों को अवैध रूप से लोगों को काम पर रखने का दोषी पाया है। अब परिवार के चार सदस्यों को चार से साढ़े चार साल तक की सजा हो सकती है। परिवार ने फिलहाल अदालत के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दी है। इस पूरे अदालती प्रकरण में परिवार पर जो आरोप लगे हैं वे काफी गंभीर हैं। इंडसइंड बैंक और अशोक लीलैंड जैसे नामी ब्रांड्स का स्वामित्व रखने वाला हिंदुजा परिवार के कुछ सदस्यों पर अभियोजकों ने आरोप लगाया कि हिंदुजा बंधुओं में से एक और उनके परिवार ने कर्मचारियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया। इन कर्मचारियों को भारत से जिनेवा स्थित पारिवारिक विला में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने के लिए ले जाया गया था।

यूलिप को निवेश बता नहीं बेच सकेंगी बीमा कंपनियां, इरडा की सख्ती

नई दिल्ली। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचारित करने पर रोक लगा दी है। इसका मतलब है कि बीमा कंपनियां अब यूलिप को निवेश उत्पाद के रूप में नहीं बेच सकेंगी। बीमा नियामक ने 19 जून के मास्टर सर्कुलर में कहा, 'यूनिट-लिंक्ड' या 'इंडेक्स-लिंक्ड' बीमा उत्पादों का निवेश उत्पाद के रूप में विज्ञापन नहीं किया जाएगा। कंपनियों को स्पष्ट रूप से यह बताना होगा कि बाजार से जुड़ी बीमा योजनाएं पारंपरिक एन्डॉमेंट पॉलिसियों से भिन्न हैं और उनमें जोखिम भी होता है। इरडा ने कहा, परिवर्तनीय सालाना भुगतान विकल्प के साथ लिंक्ड बीमा और वार्षिकी उत्पादों के सभी विज्ञापनों में जोखिम कारकों का खुलासा करना होगा। इरडा में सर्कुलर में कहा, सभी विज्ञापनों में यह बताना होगा कि उत्पाद के बोनस या पिछले प्रदर्शन को भविष्य के लिए गारंटी नहीं माना जा सकता है। यानी अगर किसी प्लान ने पिछले पांच साल में 25 फीसदी रिटर्न दिया हो तो वह अगले पांच साल में भी 25 फीसगी रिटर्न देगा, कंपनियां ऐसा दावा नहीं कर सकेंगी।

केंद्र की मंशा पेट्रोल-डीजल पर जीएसटी लगाने की, राज्यों को तय करनी होगी दर : वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा हमेशा से पेट्रोल और डीजल को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने की रही है। उन्होंने कहा कि अब राज्यों को एक साथ आकर इसकी दर तय करनी है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए यह बात कही। एक सवाल के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि पेट्रोल और डीजल जीएसटी

के दायरे में आएं। यह अब राज्यों पर है कि वे इस बारे में मिलकर निर्णय लें। उन्होंने प्रेस को सबोधित करते हुए आगे कहा कि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी कानून में शामिल करने का प्रावधान पहले ही कर दिया था। अब बस राज्यों को एक साथ आकर दर तय करने के लिए चर्चा करनी है। सीतारमण ने बताया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जीएसटी दर युक्तिकरण जीओएम का अध्यक्ष बनाया गया है।

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट अब जीएसटी के दायरे से बाहर, वित्त मंत्री का परिषद की बैठक के बाद एलान

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद् ने रेलवे की ओर से आम लोगों को दी जाने सेवाओं पर बड़ा फैसला लिया है। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट लेने के अलावे डॉरमेट्री, वेटिंग रूम, क्लॉक रूम और बैट्री ऑपरेटेड वाहनों के इस्तेमाल जैसी सुविधाओं को जीएसटी से बाहर कर दिया गया है। अब ऐसी सुविधाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी अब जीएसटी नहीं देना होगा। किसी खास समाज की ओर से चलाए जा रहे हॉस्टल पर भी जीएसटी देय नहीं होगा अगर कोई व्यक्ति वहां 90 दिन लगातार रहते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए जीएसटी परिषद ने विभाग की ओर से अपील दायर करने के लिए जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपये, उच्च न्यायालय के लिए 1 करोड़ रुपये और सुप्रीम कोर्ट के लिए 2 करोड़ रुपये की मौद्रिक सीमा की सिफारिश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद् की बैठक के बाद ये बातें कही। 53 वीं जीएसटी परिषद की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, ÷परिषद ने सभी दूध के डिब्बे पर 12त्न की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की सिफारिश की है। इसका मतलब है कि स्टील, लोहा, एल्यूमीनियम के बने जो भी केन दूध के डिब्बे के तौर पर प्रयोग होंगे उन पर नई दरें लागू होंगी। परिषद ने सभी कार्टन बॉक्स, कॉरिगेटेड और ननकॉरिगेटेड कागज या पेपर बोर्ड सभी पर 12त्न की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की भी सिफारिश की है। इस फैसले से विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सेब किसानों को फायदा होगा।

सीतारमण के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक में राज्यों के वित्त मंत्री ने रखी विशेष मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की। इस बैठक में राज्यों के वित्त मंत्रियों ने अपने-अपने राज्य की मांग के मद्देनजर सीतारमण से विशेष मांग भी की।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में नई दिल्ली में बजट पूर्व परामर्श बैठक की। सीतारमण की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों से आगामी बजट को लेकर सुझाव मांगे गए। केंद्रीय वित्त मंत्री ने सभी प्रतिनिधियों को उनके इनपुट और सुझावों के लिए धन्यवाद दिया। सीतारमण ने उन्हें केंद्रीय बजट 2024-25 की तैयारी के दौरान केंद्र

सरकार द्वारा उचित विचार करने का आश्वासन दिया।

मंत्रालय के मुताबिक निर्मला सीतारमण के साथ हुई इस बैठक में अधिकांश राज्यों के वित्त मंत्रियों ने केंद्र सरकार की 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना' की सराहना की। वहीं, कई वित्त मंत्रियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री से इस योजना में और सुधार के लिए कुछ सुझाव भी दिए। बैठक में राज्यों के वित्त मंत्रियों ने अपने अपने राज्य की मांग को ध्यान रखते हुए विशेष डिमांड भी की। राज्यों के वित्त मंत्रियों ने राज्यों के विकास को और तेज करने के लिए बजट के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी कई सुझाव भी दिए। वित्त मंत्रालय ने बताया कि वित्त सचिव ने बजट पूर्व परामर्श बैठक में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रतिभागियों ने वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में शामिल करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री को कई मूल्यवान सुझाव दिए, साथ ही कुछ राज्य-विशिष्ट अनुरोध भी किए। बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, गोवा, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम के मुख्यमंत्री, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री, राज्य वित्त मंत्री और अन्य मंत्री तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (विधानसभा सहित) और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

भारत सरकार ने 13,595 करोड़ रुपये की नई ट्रांसमिशन योजनाओं को दी मंजूरी, राजस्थान और कर्नाटक को मिलेगा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने राजस्थान और कर्नाटक से 9 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निकासी के लिए नई अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) योजनाओं को स्वीकृति दी है। इन योजनाओं का कार्यान्वयन टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) मोड के माध्यम से किया जाएगा। ये योजनाएं वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का अंग हैं, इसमें 200 गीगावाट ऊर्जा पहले से ही जुड़ी हुई है।

अनुमोदित योजनाओं का संक्षिप्त विवरण: राजस्थान अक्षय ऊर्जा क्षेत्र (आरईजेड) की बिजली निकासी योजना राजस्थान से 4.5 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी करेगी। इसमें फतेहगढ़ परिसर से 1 गीगावाट, बाड़मेर परिसर से 2.5 गीगावाट और नागौर (मेड़ता) परिसर से 1 गीगावाट बिजली निकासी

सम्मिलित है। यह बिजली उत्तर प्रदेश के मैनपुरी क्षेत्र, फतेहपुर और उरई को हस्तांतरित की जाएगी। इस योजना की कार्यान्वयन अवधि दो वर्ष की है। इसकी लागत लगभग 12,241 करोड़ रुपये है। कर्नाटक की सिस्टम सुदृढ़ीकरण योजना कोप्पल क्षेत्र और गडग क्षेत्र से 4.5 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी करेगी। इस योजना का कार्यान्वयन जून 2027 तक होगा। इसकी लागत लगभग 1,354 करोड़ रुपये है।

खान मंत्रालय अहम और रणनीतिक खनिजों की नीलामी की चौथी किस्त शुरू करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी और कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे 24 जून, 2024 को नई दिल्ली में सीजीओ कॉम्प्लेक्स के स्कोप कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी की चौथी किस्त शुरू करेंगे।

महत्वपूर्ण खनिज देश के आर्थिक विकास और खनिज सुरक्षा दोनों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी कमी या निष्कर्षण और प्रसंस्करण के लिए कुछ देशों पर निर्भरता हमारी आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए बहुत बड़ी कमजोरियां पैदा कर सकती है। इसी के मद्देनजर, खान और खनिज विकास एवं विनियमन (एमएमडीआर) अधिनियम 2023 में संशोधन किया गया था। इस संशोधन के जरिए केंद्र सरकार को 24 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की खनिज रियायत देने की शक्ति प्रदान की गई थी। अब तक केंद्र सरकार ने 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 38 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की 3 चरणों में नीलामी की शुरुआत कर दी है। इस कार्यक्रम के दौरान 29 नवंबर, 2023 को नीलामी की शुरू की गई पहली किस्त के पसंदीदा बोलीदाताओं की घोषणा की जाएगी।

इस अवसर पर 02 अधिसूचित निजी अन्वेषण एजेंसियों (एनपीईए) को प्रमाण पत्र सौंपे जाएंगे। इसके

> **इस संशोधन के जरिए केंद्र सरकार को 24 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की खनिज रियायत देने की शक्ति प्रदान की गई थी।**

अलावा, खनिज संसाधनों के निष्कर्षण में दक्षता बढ़ाने और उन्हें व्यवहार्य आर्थिक मिश्र धातुओं और धातुओं में बदलने के लिए स्टार्ट-अप और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों को अनुदान के स्वीकृति पत्र सौंपे जाएंगे। इसमें अन्वेषण लाइसेंस धारक अन्वेषण व्यय की आंशिक प्रतिपूर्ति की योजना की भी घोषणा करेंगे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा – छोटे किसानों के हित में कार्य करें कृषि वैज्ञानिक

भारत को दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पूर्व छात्रों का सम्मेलन आज पूसा, नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से अपील की कि वे छोटे और सीमांत किसानों के हित में कार्य करें और भारतीय कृषि में क्रांति लाएं। श्री चौहान ने कहा कि हमारे यहां लगभग 86त्न किसान स्मॉल- मार्जिनल फार्मर हैं। हमको खेती का मॉडल ऐसा बनाना पड़ेगा कि किसान एक हेक्टेयर तक की खेती में भी अपनी आजीविका ठीक से चला सकें।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम मिलकर कोई ऐसा रोडमैप बना लें, जिस पर चलकर न केवल भारतीय कृषि और किसान का कल्याण हो सके, बल्कि हम भारत को दुनिया का फूड बास्केट बना दें, दुनिया को अन्न खिलाएं, एक्सपोर्ट करें। श्री चौहान ने भारत को दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही कहा कि हमारे किसानों की आय बढ़ाने और बदलते परिदृश्य के लिए तकनीकी उन्नति को अपनाना अत्यंत

आवश्यक है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी कृषि नीति और शोध छोटे और सीमांत किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि के परिदृश्य को पूरी तरह से बदलना मेरी जिद है। मैं किसान और विज्ञान को जोड़ना चाहता हूं। किसान को हमें विज्ञान से जोड़ना है और इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र बहुत उपयोगी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विजन तथा मिशन कृषि के क्षेत्र को आगे बढ़ाना और किसान का कल्याण करना है। मैं जिस दिन से कृषि मंत्री बना हूं, तभी से दिन-रात यही सोच रहा हूं कि किसानों के जीवन को कैसे और बेहतर बनाएं।

इस महत्वपूर्ण बैठक में डॉ. आर.एस. परोदा पूर्व महानिदेशक ICAR, डॉ. रमेशचंद सदस्य नीति आयोग और डॉ. हिमांशु पाठक सचिव DARE और महानिदेशक ICAR ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। IARI के निदेशक डा. ए.के. सिंह, DDG डा. आर.सी. अग्रवाल आदि भी उपस्थित थे। इन विशेषज्ञों ने भारतीय कृषि की चुनौतियों और संभावनाओं पर गहन चर्चा की और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नीतिगत सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. आर. एस. परोदा ने कहा कि भारतीय कृषि को नवाचार और वैज्ञानिक अनुसंधान की सहायता से उन्नत करना समय की मांग है। हमें किसानों के साथ मिलकर नई तकनीकों का परीक्षण और कार्यान्वयन करना होगा, जिससे उनकी पैदावार और आय में वृद्धि हो।

डॉ. रमेशचंद ने इस बात पर जोर दिया कि नीति निर्माण में किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझना और उनका समाधान ढूंढना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि कृषि नीतियों को छोटे और सीमांत किसानों के अनुकूल बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें सुनिश्चित करना होगा कि वे नवीनतम तकनीकों और संसाधनों का उपयोग कर सकें। डॉ. हिमांशु पाठक ने कृषि क्षेत्र में उन्नति के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और किसानों के बीच सहयोग से ही हम भारतीय कृषि को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माण कंपनियों के साथ वारंटी संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माण कंपनियों के साथ एक बैठक की, जिसमें खरीद की तिथि के बजाय स्थापना की तिथि से वारंटी अवधि शुरू करने के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया। चूंकि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के निर्माताओं द्वारा निर्धारित नीतियों के अनुसार वारंटी अवधि खरीद की तिथि से शुरू होती है, न कि स्थापना की तिथि से, इसलिए उन उपकरणों की वारंटी अवधि कम हो जाती है, क्योंकि उपभोक्ता उत्पाद का उपयोग केवल अपने परिसर में उनके स्थापित होने के बाद ही शुरू कर सकते हैं। इस बैठक की अध्यक्षता सीसीपीए की मुख्य आयुक्त श्रीमती निधि खरे ने की और इसमें रिलायंस रिटेल, एलजी, पैनासोनिक, हायर, क्रोमा और बॉश सहित प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक की शुरुआत मुख्य आयुक्त श्रीमती खरे के संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने इस मुद्दे पर तीन मुख्य बिंदुओं पर रोशनी डाली। पहला, उपभोक्ता को वारंटी अवधि के आरंभिक बिंदु के बारे में स्पष्ट रूप से सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि उपभोक्ता को उत्पाद खरीदने के बाद वारंटी के विवरण के बारे में पता चले। दूसरा, कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन किया जाता है। तीसरा, वारंटी अवधि संबंधी उपभोक्ता शिकायतों का सक्रिय और त्वरित गति से समाधान किया जाना चाहिए। अधिनियम की धारा 2(9) के तहत परिभाषित उपभोक्ता अधिकारों में, वस्तुओं, उत्पादों या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, मानक और मूल्य के बारे में सूचित किए जाने का अधिकार शामिल है, ताकि उपभोक्ता को अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाया जा सके। बैठक के दौरान, इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आम तौर पर दो श्रेणियों के होते हैं - 'प्लग-एन-प्ले' उत्पाद जैसे आयरन प्रेस, माइक्रोवेव आदि, जिन्हें स्थापित करने की आवश्यकता नहीं होती है और ऐसे उत्पाद जिन्हें स्थापित करने की आवश्यकता होती है, जैसे एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर आदि।

बैठक के दौरान वारंटी अवधि की गणना करने की तिथि के रूप में स्थापना की तिथि रखने की व्यवहार्यता पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त, इस बात पर भी विचार-विमर्श किया गया कि इस व्यवस्था के दुरुपयोग को रोकने और उपभोक्ताओं के हितों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय ढूंढे जा सकते हैं। उपभोक्ताओं की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को अग्रसक्रिय तरीके से संबोधित करने के लिए कंपनियों के बीच आम सहमति थी।

भारतीय कपास के निर्यात में 67 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद, बांग्लादेश में बढ़ी मांग से होगा लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश की मिलों में कॉटन (कपास) की बढ़ती मांग की वजह से भारत के कॉटन निर्यात में वृद्धि का अनुमान है। सितंबर में समाप्त होने वाले 2023-24 सीजन के लिए भारत के कॉटन का निर्यात में बांग्लादेश के मिलों की बढ़ती मांग के कारण दो तिहाई अधिक वृद्धि होने का अनुमान है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) को उम्मीद है कि शिपमेंट लगभग 26 लाख गांठ (प्रत्येक गांठ 170 किलोग्राम) तक पहुंच जाएगा जो पिछले सीजन में 15.5 लाख गांठ से 67.7 प्रतिशत अधिक है। सीएआई के अध्यक्ष अतुल गणात्रा ने बताया कि बांग्लादेश मिलें जो मुश्किल से अपना काम चला रही हैं, अब वे

भारतीय कॉटन खरीद रही हैं। क्योकि ब्राजील और अमेरिका के उनके आयात शिपमेंट में देरी हो रही है। भारत से लगभग हर महीने 1-1.5 लाख गांठ बांग्लादेश को निर्यात किया जा रहा है। सड़क मार्ग के जरिए बांग्लादेश को 5 दिनों में कॉटन मिल जाता है। इससे भारत के कॉटन निर्यात में वृद्धि हो रही है।

कपास प्रेसिंग का अनुमान बढ़ा

सीएआई ने अपने प्रेसिंग अनुमान में 2023-24 सीजन के 317.70 लाख गांठ की वृद्धि की है, यह फरवरी में 309 लाख गांठ थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से मध्य भारत से आई है, जहां हाल ही में किसानों ने अपने पुराने स्टॉक को लोड करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि चालू सीजन के लिए प्रेसिंग पिछले साल की तुलना में 318.9 लाख गांठ कम है। गणात्रा ने प्रेसिंग आंकड़ों में आई वृद्धि को बाजारों में आने वाली कैरी फॉरवर्ड स्टॉक को माना है। मई के अंत तक 296.53 लाख प्रेसिंग की जा चुकी है।

प्राकृतिक फाइबर का आयात बढ़ा

प्राकृतिक फाइबर का आयात 16.4 लाख गांठ होने का अनुमान है। इसमें से 5.5 लाख गांठ देश में मई के अंत तक आ चुका है। शुरुआती स्टॉक, आयात और प्रेसिंग के अनुमानों को मिलाकर कुल आपूर्ति 363 लाख गांठ होने का अनुमान है जो पिछले सीजन में 355.4 लाख गांठ से अधिक है।

सीएआई ने कॉटन मांग 317 लाख गांठ (311 लाख गांठ) रहने का अनुमान लगाया है। गैर एमएसएमई सेक्टर में मांग 201 लाख गांठ (280 लाख गांठ) रहने का अनुमान है, जबकि एमएसएमई सेक्टर में यह मांग 100 लाख गांठ (15 लाख गांठ) से अधिक रहने का अनुमान है। गैर वस्त्र सेक्टर की खपत 16 लाख गांठ पर स्थिर देखी गई है। गणात्रा ने बताया कि खपत के आंकड़ों में बदलाव सीओसीपीसी (कपास उत्पादन और खपत पर समिति) द्वारा तय की गई नई श्रेणियों में खपत के आंकड़ों को फिर से सामूहिकृत करने के कारण है। सीओसीपीसी देश में कॉटन की स्थिति पर लगातार नजर रखती है और समीक्षा करती है तथा कॉटन के उत्पादन और खपत से संबंधित मामलों पर सरकार को उचित सलाह देती है। सीएआई के अनुसार कताई मिलों की औसत क्षमता उपयोग लगभग 90 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसमें उत्तर भारत और मध्य भारत में मिले 100 प्रतिशत की क्षमता पर और दक्षिण भारत में 80 प्रतिशत क्षमता पर चल रही हैं।

सौर कुकर पर 12 प्रतिशत जीएसटी

नयी दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने सौर कुकरों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने के निर्णय के साथ ही रेलवे की सेवाओं के साथ ही कई अन्य सेवाओं पर जीएसटी से राहत देने की सिफारिश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में परिषद की यहां हुयी 53वीं बैठक में ये निर्णय लिये गये। बैठक के बाद श्रीमती सीतारमण ने संवादाताओं से कहा कि सभी सौर कुकरों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने का निर्णय लिया गया है। परिषद ने सभी दूध के डिब्बों पर 12 प्रतिशत की एक समान दर निर्धारित करने की सिफारिश की है, जिसका अर्थ है स्टील, लोहा, एल्युमीनियम, चाहे किसी भी उपयोग में हो। उन्हें दूध के डिब्बे कहा जाता है, लेकिन जहाँ भी उनका उपयोग किया जाता है, वही दर लागू होगी, ताकि इससे कोई विवाद उत्पन्न न हो।

सरकार ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) के साइट प्रोग्राम के अंतर्गत उर्वरक क्षेत्र के लिए आवंटन बढ़ाया

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) वर्ष 2030 तक देश में हरित हाइड्रोजन की 5 मिलियन टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) को क्रियान्वित कर रहा है।

मिशन के अंतर्गत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 16.01.2024 को एनजीएचएम के साइट प्रोग्राम - घटक II: हरित अमोनिया उत्पादन की खरीद के लिए प्रोत्साहन (मोड 2ए के अंतर्गत) के कार्यान्वयन के लिए योजना से संबंधित दिशानिर्देश जारी किए थे। मोड 2ए उर्वरक क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करता है। उक्त दिशानिर्देशों के अनुसार, मोड 2ए के ट्रेंच ढ्ढ के अंतर्गत बोली लगाने के लिए उपलब्ध क्षमता 5,50,000 टन प्रति वर्ष ग्रीन अमोनिया थी। इसके बाद, सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) ने भी लागत आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से ग्रीन अमोनिया उत्पादकों के चयन के लिए चयन हेतु अनुरोध (आरएफएस) जारी किया।

मिशन के कार्यान्वयन की गति तेज होने के साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों से ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव की मांग भी बढ़ रही है। उर्वरक क्षेत्र से ग्रीन अमोनिया की मांग में वृद्धि के क्रम में, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने उर्वरक क्षेत्र के लिए मोड 2ए योजना के अंतर्गत आवंटन में 2 लाख टन प्रति वर्ष की वृद्धि करके योजना से संबंधित दिशानिर्देश दिनांक 16.01.2024 को संशोधन करने का निर्णय लिया है, अर्थात ग्रीन अमोनिया के 5,50,000 टन प्रति वर्ष के मौजूदा आवंटन को बढ़ाकर 7,50,000 टन प्रति वर्ष कर दिया गया है। देश में ग्रीन हाइड्रोजन और इसके उत्पादों की मांग सृजन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

संशोधन आदेश इस लिंक पर क्लिक करके प्राप्त किया जा सकता है

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन 04 जनवरी, 2023 को वित्त वर्ष 2029-30 तक 19,744 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शुरू किया गया था। यह स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के भारत के लक्ष्य में योगदान देगा और वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता के लिए प्रेरणा का काम करेगा। यह मिशन अर्थव्यवस्था को काफी हद तक कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के साथ-साथ जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता को कम करेगा और भारत को हरित हाइड्रोजन से जुड़ी प्रौद्योगिकी और बाजार को लेकर शीर्ष स्थान तक पहुंचने में सक्षम करेगा।

सेहत होगी दुरुस्त और चेहरे पर आएगी चमक, अगर आज ही चीनी को कह देंगे अलविदा

चीनी हमारी डाइट का एक अहम हिस्सा बन चुकी है। इसके बिना कई व्यंजनों का स्वाद खराब लगता है। हालांकि ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से सेहत को कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। ऐसे में अगर चीनी को अपनी डाइट से बाहर कर दिया जाए तो इससे कई तरह के फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं चीनी छोड़ने के फायदे

हमारे खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए हम कई सारी चीजों का इस्तेमाल करते हैं। चीनी इन्हीं में से एक है, जिसके बिना अक्सर व्यंजनों का स्वाद बेस्वाद लगता है। चाय-कॉफी हो या मीठा व्यंजन चीनी के बिना काफी खराब लगते हैं। हालांकि, चीनी हमारी सेहत को कई गंभीर नुकसान पहुंचाती है। इसलिए इसका सेवन काफी सीमित मात्रा में किया जाना चाहिए। जरूरत से ज्यादा चीनी डायबिटिज जैसी लाइलाज बीमारी का शिकार बना सकती हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि इसे या तो सीमित मात्रा में डाइट में शामिल किया जाए या डाइट से बिल्कुल ही बाहर कर दिया जाए। चीनी को डाइट से पूरी तरह आउट करने से सेहत को काफी फायदे मिलते हैं। अगर आप भी चीनी छोड़ने का विचार कर रहे हैं, तो इससे होने वाले फायदों के बारे में जानकर आप तुरंत ही इसे डाइट से आउट कर देंगे। आइए जानते हैं चीनी छोड़ने के कुछ फायदे-

वजन कम होता है

अगर आप चीनी को अपनी डाइट से पूरी तरह बाहर कर देते हैं, तो इससे आपको वजन कम करने में काफी मदद मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि चीनी में कैलोरी की मात्रा काफी ज्यादा होती है और यह फैट स्टोरेज को बढ़ाने में योगदान करती है। ऐसे में इसे छोड़ने से वेट लॉस करना आसान होता है।

दांतों के लिए फायदेमंद

ज्यादा मात्रा में चीनी खाने से अक्सर दांतों से जुड़ी समस्याएं जैसे सड़न और उनमें छेद होने की संभावना बनी रहती है। ऐसे में चीनी छोड़ने से ओरल हाइजीन बेहतर हो सकती है और दांतों से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम भी हो सकता है।

एनर्जी लेवल बनाए रखे

चीनी खाने से एनर्जी लेवल में लगातार उतार-चढ़ाव बना रहता है। ऐसे में अगर आप इसे अपनी डाइट से पूरी तरह बाहर कर देते हैं, तो इससे आपका एनर्जी लेवल स्थिर बना रहेगा और आप दिन भर एनर्जी से भरपूर महसूस करते हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद

अगर आप चीनी को अपनी डाइट से आउट कर देते हैं, तो इससे आपकी स्किन को भी काफी फायदा मिलता है। चीनी मुंहासे और समय से पहले बूढ़ा होने जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं का कारण बनती है। ऐसे में इसे छोड़ने से त्वचा साफ और स्वस्थ हो सकती है।

कई बीमारियों का खतरा होगा कम

ज्यादा चीनी खाने से टाइप 2 डायबिटीज, हार्ट डिजीज और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अगर आप चीनी छोड़ते हैं, तो इससे इस जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

चिपको की तरह दक्षिण भारत का अप्पिको

इस आंदोलन का असर हुआ कि कर्नाटक के पश्चिमी घाट में हरे पेड़ों को कटने पर सरकार ने रोक लगाई, जो अब भी जारी है। यह अहिंसक व गांधीवादी तरीके का आंदोलन था। पेड़ों से लोग चिपक गए थे। यह प्रतीकात्मक ही नहीं था, वास्तव में वनों का कटान रोकने के लिए वनों से लोग चिपक गए। बिलकुल उत्तराखंड के चिपको आंदोलन की तरह।

चिपको आंदोलन की 50 वीं वर्षगांठ पूरी हो रही है। इस आंदोलन ने हिमालय में वन कटाई पर रोक लगवाने में सफलता पाई थी। इसका देश-दुनिया में काफी असर हुआ था। कई जगहों पर इससे प्रभावित होकर लोगों ने पेड़, पहाड़, पानी, पत्थर और खेती को बचाने के लिए पहल शुरू की थी। इसके साथ, शराब बंदी आंदोलन, बीज बचाओ आंदोलन और पर्यावरण जागरूकता के लिए मुहिम छेड़ी। आज मैं इस कॉलम में चिपको से प्रेरणा लेकर कर्नाटक में चलने वाली एक महत्वपूर्ण पहल अप्पिको के बारे में करना चाहूंगा।हाल ही में मुझे चिपको आंदोलन से प्रेरणा लेकर अप्पिको आंदोलन के सूत्रधार पांडुरंग हेगड़े से मिलने का मौका मिला। छत्तीसगढ़ के राजिम कस्बे में वे एक बैठक में हिस्सा लेने आए थे। इस दौरान उन्होंने मुझे अप्पिको आंदोलन की प्रेरणादायक कहानी सुनाई। वे देश-दुनिया में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने की कोशिश कर रहे हैं।आगे बढ़ने से पहले चिपको आंदोलन के बारे में जानना उचित होगा। मुझे एक-दो बार चिपको के प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा को भी देखने व सुनने का मौका मिला है। मुझे उनकी एक बात याद है, जो उन्होंने इन्दौर की एक बैठक में कही थी। उन्होंने कहा था कि पेड़ भी जिंदा हैं,और वे बातें भी करते हैं। अगर उन्हें गले से लगाते हैं तो सुकून मिलता है।चिपको आंदोलन महिलाओं की अगुआई में हुआ था। इसका श्रेय बहुगुणा जी भी महिलाओं को देते थे। वे कहते थे महिलाएं जंगल का महत्व अच्छे से जानती हैं, क्योंकि वह उनका मायका है, जो हर संकट के समय उनके साथ रहता है। जंगल से ही उनकी सब जरूरतें पूरी होती हैं। फल, फूल, शहद, ईंधन, चारा, पानी, रेशे सब कुछ। इस आंदोलन ने वन कटाई पर न केवल रोक लगाने में सफलता पाई थी, पेड़ों से चिपककर उन्हें कटने से बचाया था। बल्कि पूरी दुनिया में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाई थी।पांडुरंग हेगड़े दिल्ली विश्वविद्यालय से सामाजिक कार्य में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। अपनी पढ़ाई के दौरान ही हिमालय के चिपको आंदोलन में शामिल हो गए थे और कई गांवों में घूमे थे और कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। वे शुरूआत से स्वभाव से घुमक्कड़ हैं, और पर्यावरण के प्रति उनका विशेष लगाव रहा है। लेकिन सुंदरलाल बहुगुणा और चिपको की प्रेरणा से उनकी जीवनधारा ही बदल गई। उन्हें बड़ी नौकरियों के प्रस्ताव मिले, लेकिन उन्होंने उनकी कर्मभूमि कर्नाटक को ही बनाया, जहां के वे रहने वाले हैं।

पांडुरंग हेगड़े जब पढ़ाई के बाद उनके गांव वापस लौटे तब तक घने जंगल उजाड़ में बदल रहे थे। हरे पेड़ कट रहे हैं। इससे पांडुरंग व्यथित हो गए, उन्हें उनका बचपन याद आ गया। बचपन में वे खुद घर के मवेशी जंगल में चराते थे, तब बहुत घना जंगल देखा था। हरे पेड़, शेर, हिरण,जंगली सुअर,जंगली भैंसा, बहुत से पक्षी और तरह-तरह की चिड़ियाएं देखी थीं। पर कुछ सालों के अंतराल में इसमें कमी आई।अस्सी के दशक की बात है। हिमालय की तरह पश्चिमी घाट में वनों की कटाई होने लगी। यह उष्ण कटिबंधीय वन जैव विविधता के लिए जाने जाते हैं। जंगलों पर लोगों की आजीविका व जीवन निर्भर था। लेकिन सरकार की वननीति के चलते यहां की जैव विविधता व पर्यावरण पर विपरीत असर पड़ा। इससे न केवल यहां के लोगों का जीवन कठिन हुआ बल्कि यहां के पीने के पानी और खेती की सिंचाई का भी संकट बढ़ने लगा। चिपको से प्रेरणा लेकर यहां भी अप्पिको (कन्नड़ भाषा का शब्द) नाम से जिसका अर्थ भी चिपको ही होता है, आंदोलन चला।

उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर हस्तक्षेप करनी की सोची। इसी समय सुंदरलाल बहुगुणा जी कर्नाटक आए और उन्होंने चिपको आंदोलन का अनुभव ग्रामीणों को बताया और कहा कि आप भी इस काम को आगे बढ़ाएं। उनसे प्रेरणा लेकर सालकनी गांव से विरोध शुरू हुआ और आसपास के गांवों में फैला। यहां पदयात्रा की, जिनमें महिलाएं व युवा शामिल थे। इस आंदोलन का विस्तार जल्द ही पड़ोसी गांव सिद्दापुर तालुका तक हो गया।

इसके पहले पांडुरंग हेगड़े चिपको आंदोलन के प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा के साथ कश्मीर से कोहिमा तक की पदयात्रा में शामिल हुए थे, जिसने पूरे देश का ध्यान खींचने की कोशिश की थी। इसीलिए पदयात्राओं का महत्व लोगों को जोड़ने व चेतना जगाने में क्या है, उसे अच्छी तरह समझते थे।

पांडुरंग हेगड़े ने इसमें सभी तबके को जोड़ा, राजनीतिक पार्टियों को भी शामिल किया। उनका कहना था कि हमारा मुख्य उद्देश्य वनों की रक्षा करना है, जो हमारे और सभी जीव-जगत के जीवन का आधार है। हमें इसमें सबकी भागीदारी की जरूरत है, पर किसी का एकाधिकार नहीं होना चाहिए। हमें वननीति में बुनियादी बदलाव चाहते हैं, जो कृषि में मददगार हो। जिस पर देश की बड़ी आबादी आश्रित है।ग्रामीणों का कहना था कि कृषि उपज घट रही है, क्योंकि जंगल कट रहा है। फसलों में रोग लग रहे हैं। आर्थिक हालत खराब हो रही है। कर्ज बढ़ रहा है। उत्तर कन्नड़ जिले में 80 प्रतिशत जंगल था, जो वन दोहन के कारण काफी कम हो गया था। और उसकी जगह सागौन व यूकेलिप्टस लगाया था। जलस्रोत सूख गए थे। बारिश भी कम हो रही थी। जंगल से फल, चारा, ईंधन, जैव खाद और रेशा मिलते थे, उनमें कमी आ रही थी। अप्पिको आंदोलन से वनों को फिर से हरा-भरा करने में मदद मिली और लोगों की आजीविका भी इससे जुड़ी।

हिमालय के चिपको आंदोलन की तरह पश्चिमी घाट में अप्पिको आंदोलन भी प्रसिद्ध हुआ। वनों की कटाई के खिलाफ आंदोलन काफी हद तक सफल रहा। इसे न केवल लोगों का समर्थन हासिल हुआ बल्कि मीडिया में अच्छा कवरेज मिला, सरकारी महकमे में मान्यता मिली।इस आंदोलन का असर हुआ कि कर्नाटक के पश्चिमी घाट में हरे पेड़ों को कटने पर सरकार ने रोक लगाई, जो अब भी जारी है। यह अहिंसक व गांधीवादी तरीके का आंदोलन था। पेड़ों से लोग चिपक गए थे। यह प्रतीकात्मक ही नहीं था, वास्तव में वनों की कटान रोकने के लिए वनों से लोग चिपक गए। बिलकुल उत्तराखंड के चिपको आंदोलन की तरह।इस आंदोलन से नया नारा निकला। उलीसू, बेलासू और बालूसू। यानी जंगल बचाओ, पेड़ लगाओ और उनका किफायत (टिकाऊ) से इस्तेमाल करो। यह आंदोलन आम लोगों और उनकी जरूरतों से जुड़ा है, यही कारण है कि इतने लम्बे समय तक चल रहा है। पर्यावरण संरक्षण के आंदोलन को आजीविका की रक्षा से जोड़ा।

पांडुरंग हेगड़े का कहना है कि यह आंदोलन किसी संस्था, व्यक्ति का काम नहीं, यह जनसाधारण का आंदोलन था, जो आज भी कई रूपों में जारी है। गांव-गांव संपर्क, पदयात्राएं, रैली और जुलूस निकले, लेकिन यह सभी स्थानीय लोगों के सहयोग, संसाधन व भागीदारी से हुए।अप्पिको के साथ दक्षिण भारत में पर्यावरण बचाने के लिए कई और पहल हुई हैं, जिसमें पांडुरंग हेगड़े ने महती भूमिका निभाई है। हालांकि कई पहलों में इस आंदोलन को सफलता भी नहीं मिली, लेकिन फिर भी यह मुहिम जारी है। पांडुरंग हेगड़े ने पर्यावरण की जागरूकता की इस मुहिम को रचनात्मक गतिविधियों के साथ जोड़ा, नाटक व गीतों का भी इसमें इस्तेमाल किया।

जैव विविधता की एक कड़ी में मधुमक्खी बचाने की पहल की जा रही है। इसके लिए हनी फेस्टिवल (शहद मेला) का आयोजन किया जाता है। इस मेले में युवा बड़ी संख्या में जुड़ते हैं और मधुमक्खी व जैव विविधता क्यों जरूरी है, इस पर विस्तार से बात होती है। इसमें मधुमक्खी की देशी प्रजातियों को बचाने पर जोर दिया जाता है।चिपको और अप्पिको अब वन संरक्षण का पर्याय बन गए हैं। इससे प्रेरणा लेकर कई जगहों पर लोग पेड़ों को बचाने के लिए आगे आए हैं। पांडुरंग, इसकी पहचान और चेहरा भी माने जाते हैं। अप्पिको से शुरूआत के बाद छह राज्यों में पश्चिमी घाट बचाओ आंदोलन भी चल रहा है, जो पर्यावरण बचाने की महत्वपूर्ण पहल है।पांडुरंग हेगड़े अब देश-दुनिया में पर्यावरण जागरूकता के लिए जाने जाते हैं। उन्हें विदेश के कई देशों में जाने का मौका भी मिला है। वहां के पर्यावरण और जनजीवन को देखने का करीब से देखने का मौका मिला है। उनका मानना है कि हमारे देश में जितनी विविधता है, उतनी ही विकल्पों की भी विविधता है। यहां कई रूपों में समाज, व्यक्ति व संस्थाएं विकल्प गढ़ने की कोशिश कर रही हैं। हर क्षेत्रों में यह विकल्प उभर रहे हैं, जो उम्मीद जगाते हैं।

अप्पिको आंदोलन अहिंसक पर्यावरण का आंदोलन था, जो आज भी अलग- अलग तरह से जारी है। इस आंदोलन ने पर्यावरण रक्षा को लोगों की आजीविका की रक्षा से जोड़ा। गांव के टिकाऊ जीवन पद्धति व टिकाऊ विकास, गांवों की आजीविका और दीर्घकालीन दृष्टि से पर्यावरण बचाने की राह अपनाई। अप्पिको आंदोलन का पर्यावरण रक्षा में एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो अनुकरणीय व प्रेरणादायक है। लेकिन क्या सचमुच इस दिशा में आगे बढ़ने को तैयार हैं?

संपादकीय

लाखों मौतों की जवाबदेही

यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट के वे आंकड़े परेशान करने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। दुखद बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित व परेशान करने वाले हैं। वहीं नीति-नियंताओं को शर्मसार करने वाले भी हैं कि इस दिशा में अब तक गंभीर प्रयास क्यों नहीं हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण संकट से अकेला भारत ही जूझ रहा है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही को ही दर्शाता है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन,गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। दरअसल, अनियोजित कॉलोनियों व बहुमंजिली इमारतों के निर्माण से हवा का वह स्वाभाविक प्रवाह बाधित हुआ है जो वायु प्रदूषण रोकने में मददगार होता था। दीवाली के आसपास पराली जलाने का ठीकरा किसानों के सिरों पर फोड़कर प्रदूषण नियंत्रण की जवाबदेही से मुक्त होने का जो उपक्रम होता है, वह जगजाहिर है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से वर्ष 2021 में जिन 21 लाख लोगों की मौत होने का जिक्र है, दुर्भाग्य से उनमें 1,69,400 बच्चे हैं। जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका शारीरिक विकास भी सही से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। हर साल शीत ऋतु की दस्तक होने पर वायु प्रदूषण का जो बड़ा संकट राष्ट्रीय राजधानी में पैदा होता है, उसे शासन फौरी उपायों से दूर करने का प्रयास करता है। वाहनों की गुणवत्ता के मानकों पर प्रवेश, ऑड-ईवन की तर्ज पर वाहनों का चलाना, फैक्ट्रियों में उत्पादन पर रोक, निर्माण कार्य पर रोक जैसे फौरी उपायों का सहारा लिया जाता है।

उप्र और महाराष्ट्र ने रोका भाजपा का रथ

बाबा साहब अम्बेडकर के प्रति भावुक और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र दलितों ने भाजपा को हराने में बड़ी भूमिका अदा की। अम्बेडकरवादी वैचारिक पृष्ठभूमि होने के कारण उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के दलितों ने एकजुट होकर भाजपा और आरएसएस के हिंदू राष्ट्र बनाने और संविधान बदलने के मंसूबों पर ताला लगा दिया और यह संकेत दे दिया है कि आने वाले वक्त में भी जब इस तरह की हिमाकत होगी तो दलित समाज अपने निजी हितों को छोड़कर हिंदुत्ववादियों को रोकने के लिए अपने मताधिकार का ही प्रयोग नहीं करेगा अगर जरूरत पड़ेगी तो सड़क पर संघर्ष करने के लिए भी तैयार रहेगा।2024 की लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत से रोकने में दो राज्यों की सबसे बड़ी भूमिका रही। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र देश के सबसे बड़े राज्य हैं। दोनों ही राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला माने जाते हैं। दोनों राज्यों में लंबे समय से भाजपा सत्ता में है। इन राज्यों में भाजपा का अनेक छोटे-बड़े सहयोगी दलों के साथ गठबंधन भी है। महाराष्ट्र में भाजपा एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन सरकार में है। जून 2022 में उद्धव ठाकरे की महा विकास अघाड़ी की सरकार को गिराकर भाजपा ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार बनाई।उद्धव ठाकरे से बगावत करके एकनाथ शिंदे ने शिवसेना पर कब्जा कर लिया। ठीक इसी तरह भतीजे अजित पवार ने दो तिहाई से ज्यादा विधायक तोड़कर चाचा शरद पवार की एनसीपी पर कब्जा कर लिया। जाहिर तौर पर यह तोड़फोड़ केंद्र की मोदी सरकार के इशारे पर हुई थी। महाराष्ट्र में महायुति सरकार बनाने के पीछे असली मकसद लोकसभा चुनाव था। लेकिन महाराष्ट्र की 48 सीटों में से केवल 17 पर महायुति गठबंधन जीत सका। इसमें 9 पर भाजपा, 7 पर शिवसेना और 1 पर एनसीपी ने जीत हासिल की। इसके बरक्स उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर 30 सीटों पर जीत हासिल की। आश्चर्यजनक रूप से कांग्रेस को सर्वाधिक 13, शिवसेना (यूबीटी) को 9 और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को 8 सीटें मिलीं। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के जरिए पार्टियों को तोड़कर और तमाम सामाजिक समीकरण साधकर भी महाराष्ट्र में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा।2014 में भाजपा की जीत में उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी भूमिका थी। यूपी की 80 सीटों में से 71 सीटें जीतकर भाजपा ने पूरे देश में 282 सीटें हासिल की थीं। इसके बाद 2019 के चुनाव में सपा बसपा गठबंधन के सामने भी भाजपा ने 62 सीटें जीतकर 303 सीटों का बड़ा बहुमत हासिल किया। 2024 के चुनाव में सपा कांग्रेस गठबंधन के सामने भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार कई मायने में गौरतलब है। 90 के दशक में उत्तर प्रदेश भाजपा के हिंदुत्व का केंद्र बना। भाजपा के उभार में राम मंदिर आंदोलन की बड़ी भूमिका रही है। बाबरी मस्जिद तोड़कर (6 दिसम्बर, 1992) भाजपा और संघ ने जिस राम मंदिर के लिए आंदोलन शुरू किया था, वह इस साल बनकर तैयार हो गया।

22 जनवरी को हुए उद्घाटन के समय पूरे देश को भगवा झंडों से पाठ दिया गया। गोरखपुर मठ के महंत योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में बड़ी जीत हासिल की थी। योगी आदित्यनाथ की छवि उग्र हिंदुत्ववादी नेता की है। यूपी में कानून व्यवस्था के नाम पर योगी सरकार ने मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चलाया। गुंडे खत्म करने के नाम पर सैकड़ों छोटे-मोटे अपराधियों का एनकाउंटर कर दिया गया। इनमें भी ज्यादातर मुस्लिम थे। ईद, मुहर्रम और बकरीद पर मुसलमानों को सख्त हिदायतें दी जाती हैं, जबकि हिंदू त्योहारों पर नौजवान हिंदुओं को धर्म की अफीम चटाकर मस्जिदों के सामने डीजे बजाने और समुदाय विशेष को अपमानित करने का पूरा मौका मिलता है। इनमें अधिकतर पिछड़े और दलित नौजवानों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन जब यही नौजवान नौकरी मांगते हैं या समुचित आरक्षण लागू करने की मांग करते हैं तो उन्हें लाठियां मिलती हैं। इस व्यवस्था को गोदी मीडिया की भाषा में राम राज्य कहा जाता है।त्तर प्रदेश राम मंदिर आंदोलन की ही नहीं बल्कि मान्यवर कांशीराम की बहुजन आंदोलन की भी जमीन है। सांप्रदायिक उग्रता और सामाजिक विभाजन के बावजूद भाजपा कभी नितांत हिंदुत्व के बलबूते चुनाव नहीं जीत सकी। भाजपा ने दलित पिछड़ा कार्ड खेला। गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ों में जाटवों और यादवों के खिलाफ नफरत पैदा करके भाजपा मजबूत जनाधार बनाने में कामयाब हुई। इसके बावजूद उसने समय-समय पर अनेक छोटे दलों के साथ गठबंधन किया। इस चुनाव में भी मोदी और योगी को अपशब्द कहने वाले ओमप्रकाश राजभर से भाजपा ने गठबंधन किया। राम का अपमान करने वाले संजय निषाद को साथ लिया। कांशीराम के साथी रहे सोनेलाल पटेल की बेटी अनुप्रिया पटेल के अपना दल के साथ भी भाजपा ने गठबंधन किया। इतने प्रयोग और आक्रामक प्रचा के बावजूद भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा।सामाजिक समीकरण, कट्टर हिंदुत्व और पानी की तरह पैसा बहाने के बावजूद भाजपा को उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में क्यों पराजय मिली? दरअसल, विपक्षी इंडिया गठबंधन ने चुनाव प्रचार में संविधान और लोकतंत्र बचाने का मुद्दा जोर-जोर से उठाया। कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय, आरक्षण, समान प्रतिनिधित्व

और सम्मान देने का वादा किया। नतीजे जाहिर करते हैं कि विपक्ष के इस एजेंडे का सबसे ज्यादा प्रभाव उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हुआ। इन दो राज्यों ने भाजपा और मोदी के मंसूबों पर पानी फेर दिया। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र देश के सबसे बड़े सूबे हैं। करीब एक चौथाई सीटें इन राज्यों से आती हैं। उत्तर प्रदेश की 80 और महाराष्ट्र की 48 यानी कुल मिलाकर 128 सीटों में से भाजपा केवल 50 सीटें जीत सकी। इन प्रदेशों में भाजपा 40 फ़ीसदी सीटें भी जीतने में कामयाब नहीं हुई। नरेंद्र मोदी को पूर्ण बहुमत से रोके में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की सबसे बड़ी भूमिका है।18वीं लोकसभा का यह चुनाव क्यों बेहद खास रहा? आरएसएस की स्थापना के शताब्दी वर्ष में तीसरी बार जीत हासिल करने के लिए बेताब नरेंद्र मोदी ने पहले ही अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। पिछले दो साल से बार-बार संविधान बदलने की बात की जा रही थी। बाबा साहब अंबेडकर के संविधान को हटाकर नया संविधान लागू करने के लिए देश में माहौल तैयार किया जा रहा था। विदित है कि अनुच्छेद 368 में संविधान संशोधन का प्रावधान है। लेकिन 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया था कि संविधान के मूलभूत ढांचे को नहीं बदला जा सकता।गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश वर्तमान राज्यसभा सांसद रंजन गोगोई और उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने संसद में मूलभूत ढांचे की वैधता पर पुनर्विचार करने की बात उठाई। जाहिर तौर पर यह सब मोदी सरकार के इशारे पर हो रहा था। इसी दरमियान 15 अगस्त 2023 को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देवराय ने बाबा साहब द्वारा लिखित संविधान को औपनिवेशिक विरासत का प्रतीक बताते हुए नया संविधान लिखने की वकालत की। यह सिलसिला चुनावी ऐलान के बाद और आगे बढ़ा। अनंत कुमार हेगड़े से लेकर ज्योति मिर्धा, लल्लू सिंह , अरुण गोविल और गिरिराज सिंह जैसे बड़बोले भाजपा नेताओं ने संविधान बदलने के लिए 400 सीटें जीतने का दावा किया। यह मुद्दा चुनाव में इतना भारी पड़ जाएगा खुद मोदी ने कभी नहीं सोचा होगा। ग़ौरतलब है कि संविधान बदलने की बात कतई हवा में नहीं थी। आरएसएस के शताब्दी वर्ष में संघ के प्रचारक से प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी अपनी पितृ संस्था की हसरत को पूरा करने के इरादे से चुनाव मैदान में उतरे थे। लेकिन दो बड़े राज्यों ने उनके मनसूबों पर पानी ही नहीं फेर दिया बल्कि उनकी हैसियत भी बता दी।

इसको समझने की जरूरत है कि आखिर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र ने मोदी के प्रचार की हवा क्यों निकाल दी? दरअसल, महाराष्ट्र बाबासाहेब अंबेडकर की कर्मभूमि है और उत्तर प्रदेश मान्यवर कांशीराम की बहुजन राजनीति की प्रयोगशाला। मोदी सरकार के आने के बाद आरएसएस के साए में हिंदुत्व की राजनीति लगातार परवान चढ़ रही है। हिंदुत्व की राजनीति का मुकाबला करने के लिए अंबेडकरवादी विचारधारा और बुद्धिस्ट संस्कृति के जरिए उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में लगातार जमीनी संघर्ष जारी है। दिवंगत होने के बाद बाबासाहब का जो काम छूट गया था, 2014 के बाद उसमें गति आई है। हिंदुत्व के आक्रमण की प्रतिक्रिया में हिंदू त्योहारों को त्यागकर दलितों ने बहुजन नायकों की जयंतियों को अपना त्यौहार बना लिया। तथागत बुद्ध, कबीर ,रैदास , ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और अंबेडकर दलितों के भगवान बन गए। संविधान उनकी सबसे पवित्र किताब बन गई। इसलिए जब भाजपा ने संविधान बदलने का ऐलान किया तो दलित समाज नरेंद्र मोदी और आरएसएस के खिलाफ लामबंद हो गया।महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की जीत बहुत मायने रखती है। इन राज्यों में दलित राजनीति की नुमाइंदगी होने के बावजूद दलितों ने इंडिया गठबंधन को वोट दिया। उत्तर प्रदेश में बसपा सुप्रीमो चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। बसपा के पास एक मजबूत जनाधार है। लेकिन इस चुनाव में बसपा अपना खाता भी नहीं खोल सकी। दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल होने की संभावनाओं को नकारते करते हुए जब मायावती ने अलग चुनाव लड़ने का ऐलान किया तो 21.50 फीसदी दलित समाज बीजेपी को हराने के लिए कांग्रेस और सपा गठबंधन के साथ चला गया। बसपा का कोर वोटर जाटव समाज के शिक्षित और जागरूक तबके ने मायावती से मुंह मोड़ लिया। कोरी, पासी, धोबी, वाल्मीकि, सोनकर आदि जातियों का बड़ा हिस्सा इंडिया गठबंधन के साथ हो गया।नतीजे में इंडिया गठबंधन को 43 सीटों पर जीत हासिल हुई। जबकि बसपा किसी सीट पर दूसरे स्थान पर भी नहीं आ सकी।

रचनात्मकता अभिव्यक्ति वाले चुन सकते है फोटोग्राफी में करियर

फोटोग्राफी व्यक्ति के अंदर छुपी कला और रचनात्मकता की अभिव्यक्ति का जरिया है. अपनी भावनाओं को चित्रित करने के लिए कुछ लोग शौकिया फोटोग्राफी करते हैं और आगे चलकर अक्सर वे अपने इस शौक को ही अपना करियर बना लेते हैं. टेक्नोलॉजी की तरक्की के साथ ही कम्युनिकेशन के माध्यम विकसित हुए. इसी के साथ ही फोटोग्राफी का भी विकास हुआ.

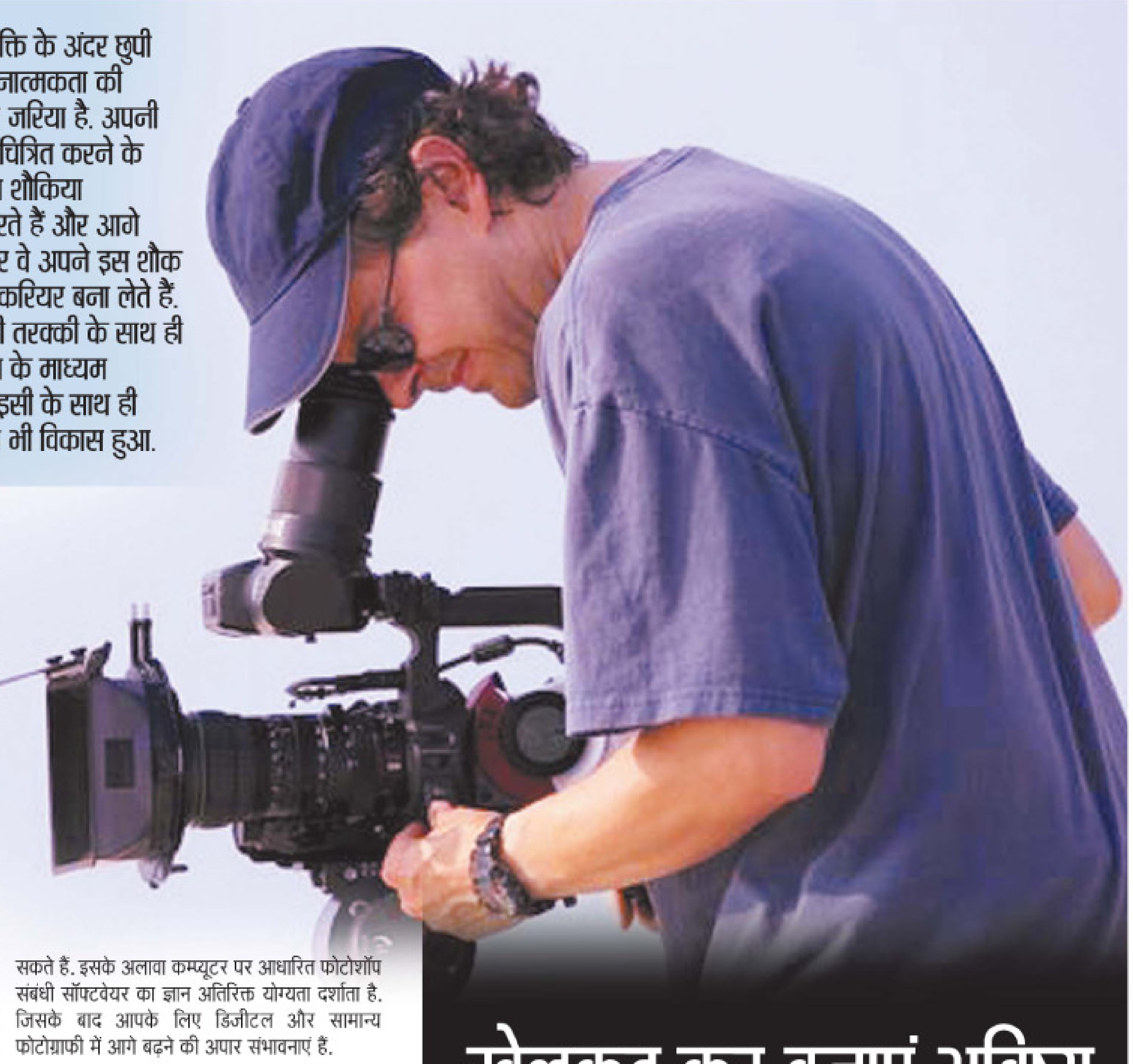

फोटोग्राफी खुद को व्यक्त करने का एक माध्यम है. फैशन फोटोग्राफर, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, इंडस्ट्रियल फोटोग्राफर, प्रोडक्ट फोटोग्राफी, ट्रेवल एंड टूरिज्म फोटोग्राफी आदि न जाने कितने स्पेशियलाइजेशन इस पेशे में हैं. फोटोग्राफी व्यक्ति के अंदर छुपी कला और रचनात्मकता की अभिव्यक्ति का जरिया है. अपनी भावनाओं को चित्रित करने के लिए कुछ लोग शौकिया फोटोग्राफी करते हैं और आगे चलकर अक्सर वे अपने इस शौक को ही अपना करियर बना लेते हैं. टेक्नोलॉजी की तरक्की के साथ ही कम्युनिकेशन के माध्यम विकसित हुए. इसी के साथ ही फोटोग्राफी का भी विकास हुआ. आज हर छोटे-बड़े आयोजनों में, फैशन शो में, मीडिया क्षेत्र के अलावा अन्य जगह फोटोग्राफी का चलन बढ़ गया है. इन क्षेत्रों में डिजिटल फोटोग्राफी की मांग बढ़ी है.

फोटोग्राफी निन्संदेह काफी अच्छा स्कोप हो सकता है. इस विधा में महारत हासिल करने के बाद ही सफल होने की आशा रखी जा सकती है. दिल्ली में त्रिवेणी कला संगम, मंडी हाउस में ऐसा कोर्स आयोजित किया जाता है. हालांकि इसके अलावा भी तमाम प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स द्वारा ऐसी ट्रेनिंग दी जाती है. प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और इंटरनेट मीडिया में फोटो की अहम भूमिका होती है. अगर फोटोग्राफर अपनी रचनात्मकता के दम पर कुछ अलग करने की क्षमता रखता है तो इस करियर में उसके लिए धन और प्रसिद्धी की कोई कमी नहीं. मीडिया के जरिये फोटोग्राफर की कला और उसका नाम हजारों-लाखों लोगों तक पहुंचता है. मीडिया के अलावा कई अन्य संस्थान हैं, जहां फोटोग्राफी की जरूरत होती है. नैसर्गिक फोटोग्राफर बनने के लिए जरूरी है कि आप में फोटोग्राफी के माहौल को पढ़ने और अपनी रचनात्मकता के जरिये किसी क्षण को कैमरे में कैद करने की कला हो. इस क्षेत्र में ट्रेनिंग बेशक आपकी कला को निखारेगी, लेकिन फोटोग्राफी के लिए कल्पनाशीलता जैसे जन्मजात गुण आवश्यक हैं. यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं और साथ ही इसे कैमरे में कैद करने की ललक भी है, तब आपको प्रकृति और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के क्षेत्र में जाना चाहिए. आप ट्रेवल और ज्योग्राफिक पत्रिकाओं के लिए काम कर सकते हैं.

योग्यता- यह पूरी तरह रचनात्मकता पर आधारित कार्य है. अगर आपमें फोटोग्राफी का जुनून है तो इसमें किसी तरह की औपचारिक डिग्री की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन फिर भी आपको 10 2 या समकक्ष होना जरूरी है. इसके बाद आप फोटोग्राफी के लिए अन्य डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं. इसके अलावा कम्प्यूटर पर आधारित फोटोशॉप संबंधी सॉफ्टवेयर का ज्ञान अतिरिक्त योग्यता दर्शाता है. जिसके बाद आपके लिए डिजीटल और सामान्य फोटोग्राफी में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं.

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग तेज रफ्तार से उभरता क्षेत्र

तेज रफ्तार से उभरता क्षेत्र ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग यानी ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग या वेहिकल इंजीनियरिंग में करियर निर्माण की संभावनाओं की सीमा नहीं है. इंजीनियरिंग की यह शाखा कार, ट्रक, मोटरसाइकिल, स्कूटर जैसे वाहनों के डिजाइन, विकास, निर्माण, परीक्षण और मरम्मत व सर्विस से जुड़ी होती है. ऑटोमोबाइल के निर्माण व डिजाइनिंग के सम्यक मेल के लिए ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं जैसे मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक, साफ्टवेयर और सेफ्टी इंजीनियरिंग की मदद से अपने काम को अंजाम देते हैं. अर्थव्यवस्था की रफ्तार का पता इससे चलता है कि कौन-कौन से वाहन किस संख्या में सड़कों पर फिलवक्त दौड़ रहे हैं. इस सेक्टर को चलाने व आगे ले जाने वाले लोगों में ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स भी हैं, जो डिजाइन, कम्फर्ट, इकोनॉमी, पावरफुल इंजन के साथ न केवल इस इंडस्ट्री को चलाते हैं बल्कि अपने करियर को भी एक अनोखी रफ्तार देते हैं. इसी से जुड़ा है ऑटो कम्पोनेंट का तेजी से बढ़ता दायरा और यही वजह है कि ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की मांग में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है. एक तेज रफ्तार करियर के रूप में इसे चुना जा सकता है.

ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स को मुख्यतः तीन धाराओं में विभाजित किया जाता है- प्रोडक्ट या डिजाइन इंजीनियर्स, डेवलपमेंट इंजीनियर्स और मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर्स. प्रोडक्ट या डिजाइन इंजीनियर्स वे होते हैं जो ऑटोमोबाइल्स के कम्पोनेंट और सिस्टम्स की डिजाइनिंग व टेस्टिंग करते हैं. वे हर पुर्जे को डिजाइन व टेस्ट करते हैं ताकि वे उनकी जरूरतों को पूरा कर सकें. ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग के विशेषज्ञ रूपक सखूजा के मुताबिक ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में करियर तभी बना सकते हैं जब आपका इसमें इंट्रेस्ट होगा. वैसे, प्रोडक्शन से लेकर, डिजाइनिंग, असेम्बलिंग और मैकेनिकल कई तरह के जॉब्स हैं. रिसर्च एंड डेवलपमेंट का बहुत बड़ा दायरा है ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में.

पाठ्यक्रम - गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, जैव प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर साइंस में रुचि रखने वाले छात्र ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में शानदार करियर बनाने की सोच सकते हैं. इनमें कई पाठ्यक्रम कराए जाते हैं जैसे- बीई ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग बीटेक ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग डिप्लोमा इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग एमटेक इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग पीजी डिप्लोमा इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग शैक्षिक योग्यता ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक करने के लिए 12वीं या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, जैव प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर साइंस जैसे विषय हों. ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में स्नातक होने के बाद एमई या एमटेक किया जा सकता है और उसके बाद यदि और विशेषज्ञता हासिल करनी है तो पीएचडी भी की जा सकती है. दसवीं के बाद डिप्लोमा किया जा सकता है. चयन बीई या बीटेक पाठ्यक्रमों में दाखिला 12वीं के अंकों व प्रवेश परीक्षाओं (आईआईटीजेईई, एआईईईई, बिटसैट इत्यादि) के मेरिट के आधार पर होता है जो अखिल भारतीय व राज्य स्तर पर आयोजित की जाती है. एमई या एमटेक के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग के माध्यम से दाखिला मिलता है. जिन्होंने डिप्लोमा कर रखा है, वे एआईएमई परीक्षा देकर डिग्री धारकों के समकक्ष हो सकते हैं. बीई या बीटेक कोर्स चार साल का होता है जबकि एमई या एमटेक और पीजी डिप्लोमा दो साल का होता है. ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा कोर्स तीन साल का होता है.

आमदनी - यह अभ्यर्थी की योग्यता, अनुभव और उस कंपनी के स्टेटस पर निर्भर करता है कि किसी को क्या वेतन मिलता है लेकिन शुरुआत में किसी भी नए ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग को 15 हजार से 20 हजार रुपये का शुरुआती वेतन मिल सकता है. आईआईटी या अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ने वालों के लिए वेतन की कोई सीमा नहीं है. इसके अलावा, जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता जाता है, वेतन में भी बढ़ोतरी होती रहती है.

एड ऑन कोर्स से डिग्री भी, जॉब भी

कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में डिग्री कोर्स के साथ-साथ पार्टटाइम सर्टिफिकेट या एड ऑन कोर्स अब युवाओं की जरूरत बन गई है. ज्यादातर छात्रों के मन में यह बात घर कर गई है कि डिग्री लेने से ही नौकरी नहीं मिल जाती. रोजगार के बाजार में प्रोफेशनल स्किल्स की मांग ज्यादा है. इन जरूरतों को देखते हुए ही संस्थानों ने अपने यहां किसी फील्ड या प्रोफेशन विशेष का स्किल सिखाने के लिए तरह-तरह के कोर्स शुरू किए हैं.

कहीं कंप्यूटर से जुड़ा कोर्स है तो कहीं मीडिया, टूर एंड ट्रैवल से संबंधित कोर्स. कहीं अंग्रेजी स्पीकिंग का कोर्स है तो कहीं पर्सनालिटी डेवलपमेंट का. आमतौर पर तीन माह से लेकर एक साल के इन कोर्सेज को ही पार्ट टर्म या पार्टटाइम कोर्स कहा गया है. इन कोर्सेज के पाठ्यक्रम को कहीं घंटों में बांटा गया है तो कहीं महीने या सत्र में. मसलन, फिंगर प्रिंट्स का कोर्स का एक सेशन 50 घंटे की क्लास से पूरा होता है. इसी तरह पर्सनालिटी डेवलपमेंट के कोर्स की अवधि 100 घंटे है. कोर्स का मकसद छात्रों को डिग्री के साथ-साथ रोजगार के लिए अतिरिक्त हुनर सिखाना है. इससे छात्रों को अपना बॉयोडाटा भी मजबूत करने में मदद मिलती है.

तीन साल का स्नातक या दो साल के एमए की डिग्री के साथ-साथ कोई छात्र पार्ट टाइम के रूप में दो या तीन कोर्स कर सकता है. एड ऑन कोर्स की तरह-तरह की वेरायटी है जो अलग टेस्ट भी देता है. अगर साइंस का छात्र हों तो वह अपने विषय से हटकर मीडिया स्टडीज या थियेटर का कोर्स कर सकता है. ट्रैवल टूरिज्म का पाठ पढ़ सकता है. इसी तरह आर्ट्स का छात्र भी चाहे तो टैक्स मैनेजमेंट या नैनो टेक्नोलॉजी का कोर्स कर सकता है. हालांकि साइंस ही नहीं, इस तरह के कोर्स में ज्यादातर कोर्सेज में सभी डिसिप्लिन के छात्र शामिल हो सकते हैं. कॉलेजों में आर्ट्स, साइंस व कॉमर्स तीनों से जुड़े एड ऑन कोर्स चल रहे हैं. कहीं कॉलेज खुद चला रहा है तो कहीं निजी संस्थाओं की मदद से यह संचालित हो रहा है.

तीन वेरायटी के कोर्स

कोर्स की वेरायटी कॉलेजों और शिक्षण संस्थाओं में आमतौर पर इसकी तीन वेरायटी है. पहला सॉफ्ट स्किल का है. इसमें व्यक्तित्व विकास, अंग्रेजी बोलना, थियेटर, प्रभावशाली कम्युनिकेशन, कम्युनिकेशन स्किल, फिल्म एप्रीसिएशन और काउंसलिंग जैसे कोर्स शामिल हैं. दूसरे सीधे-सीधे प्रोफेशनल कोर्स हैं जो किसी छात्र को थियरी के साथ-साथ ऑन हैंड ट्रेनिंग देता है. टाइपिंग, कंप्यूटर, फोटोग्राफी, मीडिया, ट्रैवल एंड टूरिज्म, वेब डिजाइनिंग, एनिमेशन, नैनोटेक्नोलॉजी, एयर एंड फेयर टिकटिंग और ऑफिस मैनेजमेंट का कोर्स इसी श्रेणी का है. तीसरी श्रेणी के तहत लैंग्वेज कोर्स हैं. इनमें विदेशी भाषा के कोर्स कराए जाते हैं. यूरोपियन और दक्षिणी एशिया से जुड़े देशों की भाषाएं मसलन फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, इटैलियन, रशियन, कोरियन, चीनी और जापानी आदि भाषाएं सिखाने के लिए कॉलेजों में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स हैं.

गर्मी की छुट्टियों में तोहफा आमतौर पर विश्वविद्यालयों में सत्र के साथ ही पार्टटाइम कोर्स चलते हैं. लेकिन गर्मी की छुट्टियों में बहुत सारे कॉलेज इस तरह के कोर्स जो दो से तीन माह के बीच के है, गर्मी की छुट्टियों में संचालित किये जाते हैं. छात्रों के लिए यह सुविधाजनक भी है. वह चाहे तो दो या तीन माह में अंग्रेजी स्पीकिंग, कंप्यूटर से जुड़े शार्ट टर्म कोर्स, फोटोग्राफी, टूर एंड ट्रैवेल्स, बीमा एजेंट, इंश्योरेंस स्किल या पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कोर्स कर सकते हैं.

सरकारी संस्थानों में कम फीस

सरकारी संस्थानों में इसकी फीस निजी के मुकाबले काफी कम होती है. कोर्स का महत्व विशेषज्ञों की मानें तो आज के दौर में डिग्री के साथ-साथ एड ऑन कोर्स का महत्व किसी रोजगार के क्षेत्र में जाने के लिए बेसिक जानकारी हासिल करने से है. दिल्ली विश्वविद्यालय में पर्सनानिलिटी डेवलपमेंट और साइकोलॉजिकल एसेसमेंट का कोर्स तैयार करने वाले प्रो. एन के चड्ढा कहते हैं- इस तरह के कोर्स छात्रों को अलग राह दिखाते हैं. इसमें दक्षता हासिल करने पर छात्रों को काम मिलता है. कुछ के लिए इसका महत्व अतिरिक्त ज्ञान हासिल करना भी है. खास बात यह है कि कामकाजी या नौकरीपेशा को भी अतिरिक्त स्किल हासिल करने के लिए ऐसे कोर्स में आने का मौका मिलता है. फोरेंसिक साइंस के प्रोफेसर सुरेन्द्र नाथ कहते हैं, इसमें सेवानिवृत्त या कामकाजी लोग भी पार्टटाइम के रूप में ज्वाइन करते हैं. अगर कोई वकील है तो वह पार्टटाइम के रूप में फिंगर प्रिंट्स का कोर्स करता है. इसी तरह मनोविज्ञान के छात्र काउंसलिंग या साइकोलॉजिकल एसेसमेंट से जुड़े कोर्स करते हैं. इतिहास के छात्र टूर एंड ट्रेवल का कोर्स करते हैं. फोटोग्राफी का शौक रखने वाले छात्र इससे जुड़ा कोर्स करते हैं. विश्वविद्यालयों में 12वीं या स्नातक पास छात्रों को इनमें सीटों के हिसाब से मेरिट को देखते हुए दाखिला दिया जाता है. कहीं पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दाखिला लेने का मौका मिलता है. कई कोर्सेज में प्रवेश परीक्षा भी ली जाती है. कई संस्थान अपनी वेबसाइट और प्रोस्पेक्टस के जरिए प्रवेश देते हैं.

खेलकूद कर बनाएं भविष्य कुशल व्यक्तियों की बढ़ रही है मांग

देश में खेलों के प्रति बढ़ते रुझान के कारण इस क्षेत्र में कई तरह के रोजगार का सृजन हुआ है. इन सभी में कुशल व्यक्तियों की मांग भी लगातार बढ़ रही है. पढ़िए स्पोर्ट्स के क्षेत्र में करियर बनाने के विभिन्न विकल्प

खेलकूद बच्चों के लिए हमेशा से रुचिकर रहा है. पहले इस क्षेत्र में जहां पैरेंट्स की तरफ से बच्चों को कोई प्रोत्साहन नहीं मिलता था, जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के बारे में लोग कम ही सोच पाते थे वहीं पिछले दस सालों में इस फील्ड में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का भी क्रेज देखने को मिला है. खेल का क्षेत्र बहुत अच्छे करियर ऑप्शन के रूप में सामने आया है. इस क्षेत्र में पैसा और रुतबा दोनों ही है जिसके कारण लोग इसकी तरफ आकर्षित हुए हैं. पर इसमें सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप फिटनेस के मामले में परफेक्ट हों.

योग्यता- इस सेक्टर में किसी खास तरह की शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती है. लेकिन लोग विभिन्न खेलों के लिए देशभर में चल रहे स्पोर्ट्स एकेडमी से ट्रेनिंग जरूर लेते हैं. इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से फिट हो.

नौकरियां - इस सेक्टर में नौकरियां ही नौकरियां है. अब तक लोग इस फील्ड में करियर बनाने का मतलब केवल खिलाड़ी बनने से लेते थे लेकिन इस सेक्टर में कई विकल्प है.

स्पोर्ट्स कमेंटेटर - अगर खेलों के बारे में जानकारी है और आवाज भी अच्छी है तो स्पोर्ट्स कमेंटेटर का ऑप्शन आपके लिए सबसे अच्छा होगा.

गौर करने की बात तो यह है कि रेडियो, टेलीविजन पर खेल के दौरान जो दर्शकों या श्रोताओं को खेल के बारे में जानकारी देते हैं उन्हें कमेंटेटर कहा जाता है. वैसे तो कमेंटेटर दो प्रकार के होते हैं. पहला, वे जो खेल को सीधे-सीधे लाइव दर्शकों तक पहुंचाते रहते हैं और बताते है कि गेम में मौजूदा दौर में क्या चल रहा है. दूसरे वे होते हैं जो गेम के बारे में कुछ कहानियों और आंकड़ों द्वारा दर्शकों को रुचिकर ढंग से जानकारियां देते हैं. कमेंटेटर बनने के लिए किसी खास योग्यता की जरूरत नहीं होती है. अगर आपने स्नातक स्तर पर जनसंचार की पढ़ाई की है तो आपको इस क्षेत्र में प्रवेश मिल सकता है. बशर्ते आपकी आवाज में जादू होना जरूरी है.

स्पोर्ट्स संपादक और रिपोर्टर - आजकल सभी समाचारपत्र और न्यूज चैनल्स खेलकूद पर विशेष जोर देने लगे हैं. लगभग सभी समाचारपत्रों में खेल के लिए पन्ने निर्धारित होते हैं.

इसके साथ ही विभिन्न चैनल्स पर भी खेल समाचारों को स्पेस दिया जाता है. इसके कारण खेल पर लेखन करने वालों की मांग तेजी से बढ़ी है. स्पोर्ट्स पर रिपोर्टिंग करने वालों को स्पोर्ट्स रिपोर्टर और इसके लेखन को संपादित करने वालों को खेल संपादक या स्पोर्ट्स एडिटर कहा जाता है.

स्पोर्ट्स फोटोग्राफर- फोटोग्राफी का शौक रखने वालों के लिए स्पोर्ट्स फोटोग्राफर के रूप में भी करियर का ऑप्शन हो सकता है.

स्पोर्ट्स शिक्षक - लगभग सभी सरकारी स्कूलों में स्पोर्ट्स के अध्यापक होते ही हैं. जिसके कारण अगर आप शारीरिक रूप से फिट हैं तो पीटी टीचर की भांति नौकरी की तलाश कर सकते हैं. खेलकूद के अन्य ऑप्शन खेल से जुड़े सामानों जैसे बैट, बॉल, स्टैम्प, गोल्फ बॉल, हॉकी बॉल आदि के आयात-निर्यात संबंधित रोजगार किया जा सकता है. इसके अलावा कोच, एंपायर, फिटनेस ट्रेनर आदि के रूप में भी करियर की शुरुआत की जा सकती है.

आमदनी - इस सेक्टर में आमदनी की कोई सीमा रेखा नहीं है. इस सेक्टर में सरकारी नौकरी भी मिल सकती है जिसकी फिक्स सैलरी होती है. इसके अलावा बिजनेस में भी काफी फायदा होता है. व्यक्तिगत गुर - खेल में रुचि होनी जरूरी है. फिटनेस के मामले में परफेक्ट होना चाहिए. धैर्य और संयम की भी जरूरत होती है. भाषा पर पकड़ होनी चाहिए.

प्रमुख संस्थान

खेलकूद के लिए विभिन्न संस्थानों में ट्रेनिंग दी जाती है- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, नई दिल्ली.

विटामिन डी की कमी से बच्चों को होती हैं बीमारियां

- साल और मौसमों की तुलना में सर्दी के मौसम में विटामिन 'डी' का स्तर नीचे पाया गया
- 'सप्लीमेंट लेने पर फिर से सोचना चाहिए और विटामिन 'डी' की कमी को पूरा करना चाहिए

12 यूरोपीय देशों में किडनी की बिमारी वाले 500 बच्चों पर खोज की।

विटामिन डी की कमी से ओस्टेओपोरोसिस, कैंसर, हृदय संबंधी और ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है।

बच्चों की देखभाल हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ज्यादातर बच्चों को खाने-पिलाने के लिए काफी मशकत करनी पड़ती है। सुबह के टिफिन से लेकर रात के खाना खिलाने तक बच्चों को कई बहाने बनाने पड़ते हैं। कारण ये भी है कि कई बच्चे अपने मां-बाप की एक नहीं सुनते और खामियाजा मां-बाप को भुगतना पड़ता है। जिसकी वजह से बच्चों में कई विटामिनों की कमी आ जाती है। एक खोज से पता चला है कि शरीर में विटामिन ''डी' की कमी से खासकर बच्चों को कई जानलेवा बीमारियां होने का रिस्क होता है। जिन बच्चों में क्रोनिक किडनी की बीमारी होती है उनमें विटामिन ''डी' की कमी पाई जाती है जिसमें किडनी की दीर्घकालिक बिमारी से गुर्दे संबंधी खराबी सामने आती है।

किडनी: साल और मौसमों की तुलना में सर्दी के मौसम में विटामिन ''डी' का स्तर नीचे पाया गया।''विटामिन''डी' का स्तर विटामिन''डी' रेगुलेटिंग जीन में भिन्नता से ज्यादा मौसम, बीमारी का प्रकार और पोषण संबंधी पूरकता से निर्धारित होता है।

'ग्लोमेरु लोपैथी' थी जो कई बीमारियों का मिश्रण: शोध के अनुसार विटामिन ''डी' की कमी से जूझने वाले करीबन दो तिहाई बच्चे कुछ असामान्य थे। उन्हें ''ग्लोमेरु लोपैथी' थी जो कई बीमारियों का मिशण्रहै और नेफ्रॉन पर असर डालता है।

क्रोनिक किडनी वाले बच्चों में विटामिन ''डी' की कमी : शोधकर्ताओं के अनुसार कुछ ''मोडिफाएबल' और कुछ ''नॉन मोडिफाएबल' कारण हो सकते हैं जिससे क्रोनिक किडनी की बीमारी वाले बच्चों में विटामिन''डी' की कमी हो सकती है।

कैंसर. हृदय, ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है: शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि विटामिन डी की कमी से ओस्टेओपोरोसिस, कैंसर, हृदय संबंधी और ऑटो इम्यून गड़बड़ी हो सकती है।

बच्चों को कैसे ठीक किया जाए: सप्लीमेंट लेने पर फिर से सोचना चाहिए और विटामिन डी की कमी को क्रोनिक किडनी की बीमारी वाले बचचिों में कैसे पकड़ा और ठीक किया जाए इसपर हस्तक्षेप होना चाहिए।

शोधकर्ताओं ने बताया: हमारी शोध टीम ने 12 यूरोपीय देशों में किडनी की बिमारी वाले 500 बच्चों पर खोज की। क्लीनिकल जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी ने जो निष्कर्ष दिया उससे इन जवान बच्चों के स्वास्थ्य को बचाया जा सका।

जिन बच्चों ने विटामिन डी लिया: जिन बच्चों को किड्नी की बीमारी रही है और जिन्होंने विटामिन डी सप्लीमेंट लिए हुए थे उनके विटामिन डी का स्तर उन बच्चों से दो गुना था जिन्होंने कोई सप्लीमेंट नहीं लिया था।

'दिल के लिए घातक है कम नींद लेना'

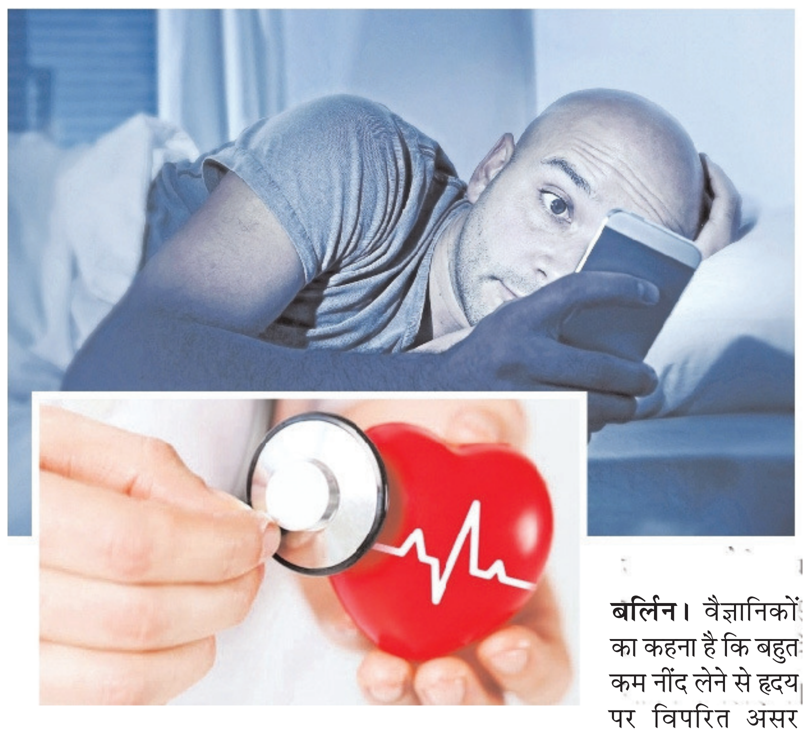

बर्लिन। वैज्ञानिकों का कहना है कि बहुत कम नींद लेने से हृदय पर विपरित असर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि तनाव भरी वैसी नौकरियां, जिनमें 24 घंटे वाली शिफ्ट की जरूरत होती है और सोने के लिए बहुत ही कम समय मिलता है, उनसे रक्तचाप और दिल की गति बढ़ जाती है।वैसे लोग जो अग्निशमन और आपातकालीन चिकित्सा सेवा सहित अन्य तनाव भरी नौकरियों में कार्यरत होते हैं, उन्हें प्राय: 24 घंटे की शिफ्ट में काम करने के लिए बुलाया जाता है तथा उनके पास नींद पूरी करने के कम समय होता है।जर्मनी के बॉन विविद्यालय के डेनियल कुटिंग ने बताया, ''पहली बार, हमने कम नींद लेने को 24 घंटे वाली शिफ्ट से जोड़कर दिखाया है, जिससे हृदय संकुचन, रक्तचार और हृदय गति में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।' इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 20 स्वस्थ रेडियोलॉजिस्ट को शामिल किया, जिसमें 19 पुरष और एक महिला थी। अध्ययन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के तनाव का विश्लेषण 24 घंटे की शिफ्ट से पहले और बाद में किया गया। ये प्रतिभागी इस दौरान औसतन तीन घंटे की नींद ले रहे थे।कुटिंग ने कहा, ''इससे पहले हृदय की गतिविधि की जांच बहुत कम नींद लेने के संबंध में तनाव के विश्लेषण के साथ किया गया था। यह हृदय संकुचन जैसे मामलों के लिए सबसे संवदेनशील पैमाना है।' अनुसंधानकर्ता ने प्रतिभागियों से खून और मूत्र के नमूने भी रक्तचाप और दिल की गति मापने के लिए थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-9-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-7

लॉफिंग ज़ोन

वकील (महिला से)- अब आप अदालत को बताएं कि आपने अपने पति को धनुष-बाण से क्यों मारा?

महिला - 'क्योंकि मैं अपने सोए हुए बच्चों को जगाना नहीं चाहती थी!'

☺ ☺ ☺

दो जेलर अरसे बाद एक-दूसरे से मिले.

पहले ने पूछा- क्या तुम्हारी बीवी अब भी कैदियों के लिए गाना गाती है?

दूसरा जेलर - नहीं, कैदियो की शिकायत थी कि उनकी सजा में यह शामिल नहीं है.

☺ ☺ ☺

एक ग्रामीण अपने गधे के पैर बांध रहा था तो सिपाही बोला, 'अपने भाई के पैर क्यों बांध रहे हो?'

ग्रामीण, 'कहीं यह भी पुलिस में भर्ती न हो जाए इसलिए.'

☺ ☺ ☺

नौकर (मालिक से) - हुजूर, मै अब आपके यहां काम नहीं करूंगा.

मालिक - क्यों? क्या हुआ? क्या तकलीफ है तुम्हें यहां?

नौकर - साहब बात यह है कि बेगम साहिबा का व्यवहार मेरे साथ अच्छा नहीं है. जब मन करता है, मुझे उसी तरह डांटने लगती है, जैसे आपको डांटा करती हैं.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4093

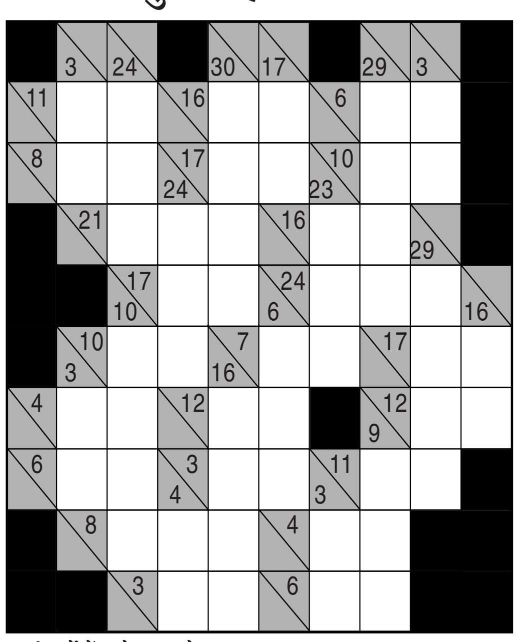

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

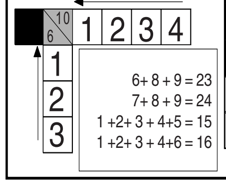

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4092 हल

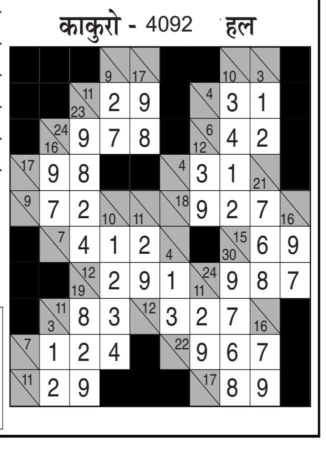

फिल्म वर्ग पहेली- 4093

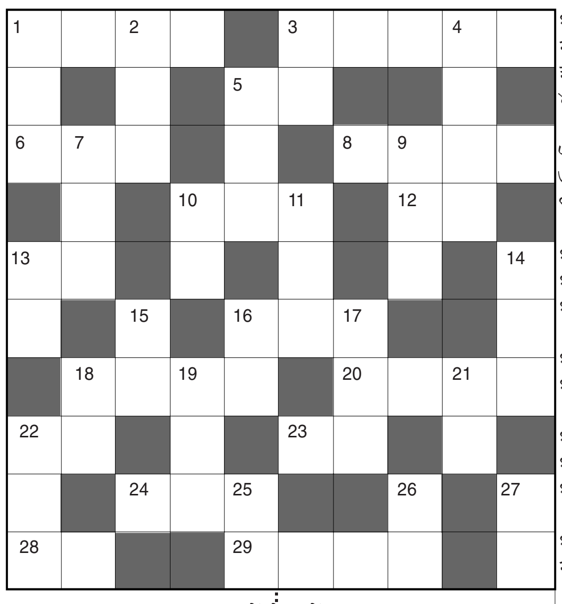

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4092

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	श		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		श	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	र्मी	ली		सो	च		श		श
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	श	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

सूडोकु -4093

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4092 हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 4093

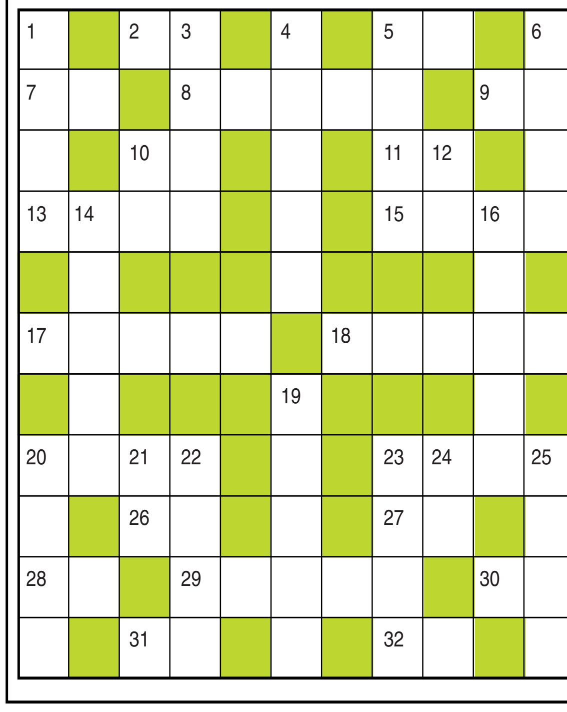

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -4092 हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	म्मी		र	फू	च	क्क	र		र्म	
आ		मा	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	थ				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				ख				वी	
मे	घा	ल	य		ल		क	म	त	र
घ		त	म		ना		ल	त		क्षा
	यं		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	म्बो	द	र

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी माताजी के साथ किया वृक्षारोपण, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का प्रदेश में हुआ शुभारंभ

एजेंसी

जयपुर। राज्य में रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री आवास पर अपनी माताजी गोमती देवी के साथ बेल का पौधा लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ हमारे परम मित्र हैं और हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ ही पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं।

उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में वृक्षारोपण करें तथा पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने में अपना योगदान दें। उल्लेखनीय है कि गत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया था। उन्होंने नई दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाते हुए देशवासियों से आग्रह किया था कि वे सभी अपनी माताजी के नाम पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं।

सोमवार से 18वीं लोकसभा का पहला सत्र, प्रधानमंत्री सुबह मीडिया को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से प्रारंभ होने जा रहा है। कल सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी और अगले दिन अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। बुधवार को राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा जिस पर चर्चा होगी और प्रधानमंत्री का वक्तव्य होगा। पहला सत्र 3 जुलाई तक है और इसके बाद थोड़े दिनों के ब्रेक के बाद बजट सत्र आयोजित किया जाएगा। परंपरा के तहत प्रधानमंत्री कल सुबह 10 मीडिया को संबोधित करेंगे। इसी दौरान प्रोटेम स्पीकर को राष्ट्रपति शपथ दिलाएंगी।

प्रोटेम स्पीकर 11 बजे सदन की बैठक आयोजित करेंगे। सबसे पहले प्रधानमंत्री और नेता सदन नरेन्द्र मोदी, उसके बाद प्रोटेम स्पीकर को सहयोग करने के लिए बने पैलन के सदस्य और फिर मंत्रियों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई जाएगी। इसके बाद अन्य सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। अगले दिन लोकसभा अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। इसके अगले दिन राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दोनों सदनों में चर्चा होगी जिसका उत्तर प्रधानमंत्री देंगे। लोकसभा का पहला सत्र पूरा होने के बाद कुछ दिनों के अंतराल में बजट सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें वित्त मंत्री वित्त वर्ष 24-25 के लिए बजट पेश करेंगी।

जल्द शुरू हो सकती है शिवखौड़ी दाम के लिए हैलीकाप्टर सेवा

जम्मू। कुछ दिन पूर्व रियासी जिले के शिव खोड़ी से दर्शन कर वापिस लौट रही श्रद्धालुओं की बस पर आतंकियों ने हमला किया था जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई उसके बाद श्रद्धालुओं को और बेहतर सुविधाएं देने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड कार्य करने में जुट गया। बोर्ड के सूत्रों के अनुसार श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और शिवखोड़ी श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं को एक बड़ी सौगात दे सकते हैं।

बोर्ड कटरा से शिवखौड़ी के लिए हैलीकाप्टर सेवा की शुरूआत करने की योजना पर काम कर रहा है क्योंकि आगामी 25 जून को जम्मू एयरपोर्ट से सीधे मां वैष्णो देवी भवन तक हेलीकॉप्टर सेवा की शुरूआत होने जा रही है और इसी सेवा का विस्तार करने पर दोनों बोर्ड काम कर रहे है। क्योंकि बोर्ड जम्मू से चापर में मां के भवन आने वाले श्रद्धालुओं को शिवखौड़ी दाम की पवित्र गुफा में विराजमान भोलेनाथ के दर्शन करने का भी लाभ देने की दिशा में काम कर रहा है और सूत्रों की माने तो जल्द ही एलजी प्रशासन इस सेवा का ऐलान कर सकता है।

महाराष्ट्रः नीट पेपर लीक मामले में दो शिक्षक गिरफ्तार

मुंबई। नीट पेपर लीक मामले में एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) ने लातूर जिले में दो जगहों पर छापेमारी कर जिला परिषद के दो शिक्षकों को गिरफ्तार किया है। दोनों शिक्षकों से एटीएस टीम पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार नांदेड जिले की एटीएस टीम को नीट पेपर लीक मामले में लातूर के दो शिक्षकों के शामिल होने का इनपुट मिला था। दोनों शिक्षकों की पहचान संजय तुकाराम जाधव और जलील उमर खान पठान के रूप में की गई थी। इनमें से एक लातूर और दूसरा सोलापुर में जिला परिषद स्कूलों में शिक्षक हैं। एटीएस की टीम ने इन दोनों के घर पर शनिवार देर रात को छापा मारा था और इनके घरों से कागजात बरामद किए। रविवार सुबह दोनों को गिरफ्तार कर गहन पूछताछ की जा रही है।

बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए दोनों शिक्षकों पर मेडिकल दाखिले के लिए होने वाली परीक्षा में नकल कराने का आरोप है। लातूर में भी बड़ी संख्या में छात्र नीट परीक्षा की तैयारी के लिए निजी कोचिंग कक्षाओं में दाखिला लेते हैं। लातूर के रहने वाला संजय जाधव बोथी टांडा निवासी है और वर्तमान में सोलापुर के ताकली जिला परिषद प्राइमरी स्कूल में कार्यरत है। लातूर के अंबाजोगाई रोड इलाके निवासी जलील उमर खान पठान काटपुर में जिला परिषद स्कूल में शिक्षक है। दोनों कथित तौर पर लातूर में निजी कोचिंग कक्षाएं चला रहे थे।

कन्नौज में एक्सप्रेस वे से नीचे गिरी बस, 14 गंभीर रूप से घायल

एजेंसी

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में रविवार सुबह सवारियों से भरी डबल डेकर लग्जरी बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से नीचे गिर गई। दुर्घटना में 25 यात्री घायल हुए जिनमें से 14 की हालत गंभीर बनी हुई है।

जौनपुर से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कन्नौज के सौरिख थाना क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 159 के पास अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरी। घटना सुबह 4 बजे की है। हादसे की सूचना मिलने पर छिबरामऊ सीओ ओमकार नाथ शर्मा पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। गम्भीर रूप से घायल 14 लोगों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जबकि मामूली घायल 11 लोगों को सीएचसी सौरिख में भर्ती कराया है।

दुर्घटना में घायल हुए लोगों में शामिल हैंः जंग बहादुर पुत्र कंचन

राम यादव (52) निवासी ग्राम मुलनापुर थाना बदलापुर जिला जौनपुर, लकी बिंद पुत्र यशवंत बिंद (18) निवासी ग्राम रसड़ा थाना बरदह जिला आजमगढ़, इशिका पुत्री पंकज कुमार (08) निवासी शिशवा रामपुर थाना बेताना जिला अंबेडकरनगर, सत्यम पत्नी पंकज कुमार (33) वर्ष निवासी शिशवा रामपुर थाना बेताना जिला अंबेडकरनगर, आराधना पुत्री कृपा शंकर (26) निवासी पार्वती कॉलोनी फरीदाबाद हरियाणा, फरहान पुत्र कल्बे आबिद उमर (25) निवासी कायामुद्दीनपुर शेखपुरा थाना अकबरपुर अम्बेडकर नगर, काजल तिवारी पुत्री राहुल तिवारी (26) निवासी तिवारीपुर थाना रामपुर जिला जौनपुर, राहुल तिवारी पुत्र विजय तिवारी (29) निवासी तिवारीपुर थाना रामपुर जिला जौनपुर, राघव तिवारी पुत्र राघवेंद्र तिवारी (9 माह) निवासी तिवारीपुर थाना रामपुर जिला जौनपुर, इला द्विवेदी पुत्री राघवेंद्र प्रसाद (24) निवासी ऊंचगांव थाना धमोर जिला सुल्तानपुर, विकास मौर्य पुत्र रमेश चंद्र मौर्य (24) निवासी रामदासपुर निवादा थाना लाइन बाजार जिला जौनपुर, पूर्णिमा मौर्य पत्नी सुनील कुमार मौर्य (26) निवासी बरसठी थाना बरसठी जिला जौनपुर, शिवम पुत्र राधेगोपाल (24) निवासी पार्वती कॉलोनी फरीदाबाद हरियाणा, अनीता सिंह पुत्री राघवेंद्र सिंह (23) निवासी जलालपुर जिला जौनपुर शामिल हैं।

हादसे के समय बस में कुल 45 लोग सवार थे। मौक़े पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों के अनुसार चालक को झपकी आने से हादसा हुआ है।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित की भाजपा नेताओं ने

एजेंसी

भोपाल। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर आज यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने उनकी प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया।

प्रदेश भाजपा कार्यालय परिसर में स्थित डॉ मुखर्जी की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद और अन्य नेताओं ने पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी और प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर भी मौजूद थे। इस अवसर पर डॉ मोहन यादव ने कहा कि डॉ मुखर्जी के व्यक्तित्व के आगे संपूर्ण देश नतमस्तक है। अपने संदेश में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि एक राष्ट्र, एक निशान और एक विधान के प्रणेता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए देशभर में आंदोलन कर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनके महान आदर्श हम सभी कार्यकर्ताओं के पाथेय हैं। भाजपा के अन्य नेताओं, पदाधिकारियों और राज्य सरकार के मंत्रियों ने भी डॉ मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर याद करते हुए उनके प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मध्यप्रदेश में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत

एजेंसी

भोपाल। पोलियो से मुक्ति का क्रम बनाए रखने के उद्देश्य से आज मध्यप्रदेश में तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान प्रारंभ किया गया। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने यहां जयप्रकाश अस्पताल परिसर में बच्चों को सांकेतिक रूप से पोलियो ड्राप पिलाकर अभियान की शुरूआत की। श्री शुक्ल ने यहां जयप्रकाश अस्पताल परिसर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि हमारा मध्यप्रदेश वर्ष 2008 से आज तक पोलियो मुक्त बना हुआ है। उन्होंने प्रदेश के समस्त नागरिकों, अभिभावकों से अपील की है कि अपने बच्चों की सुरक्षा में कोई चूक नहीं होने दें। प्रदेश में शुरू हुए राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों को नज़दीकी पोलियो बूथ में जाकर ÷दो बूँद ज़िंदगी की÷ अवश्य दिलायें और देश और प्रदेश को पोलियो मुक्त बनाए रखने में अपना योगदान दें। श्री शुक्ल ने इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को पोलियो ड्रॉप और वैक्सीनेशन अभियान में सहयोग करने का संकल्प दिलाया।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 जून से प्रदेश में दस्तक अभियान शुरु किया जा रहा है। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग का अमला घर-घर जाकर दस्तक देगा। अभियान में बच्चों को वैक्सीनेशन के साथ-साथ अन्य जांच भी की जाएगी और आवश्यकतानुसार उपचार के व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण में सभी नागरिक अपना सहयोग सुनिश्चित करें। उपचार की व्यवस्था के लिए पर्याप्त अधोसंरचना और जनशक्ति की व्यवस्था शासन की

ओर से की जा रही है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि यह गौरव का विषय है कि हम पोलियो से मुक्त हैं। इस अवस्था को बनाये रखने के लिए सतत सजग और सचेत रहने की ज़रूरत है। स्वास्थ्य विभाग का अमला सतत कार्य कर रहा है और इस अभियान में सभी नागरिकों के सहयोग की ज़रूरत है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रदेश में पोलियो सुरक्षा चक्र बनाये रखने के लिए 23 जून से 25 जून तक प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में लगभग 1 करोड़ 11 लाख शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम दिवस (रविवार) 54 हजार 742 बूथ, 1237 ट्रांजिट बूथ, 6130 हाई रिस्क एरिया एवं माइग्रेटरी बूथ बनाये गये हैं। इनमें 55,958 वैक्सीनेटर्स द्वारा पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी। इसकी मॉनिटरिंग 7,366 सुपरवाइजरों द्वारा सुनिश्चित की जावेगी। अभियान के दूसरे एवं तीसरे दिन 27,271 टीमों द्वारा 1 करोड़ 28 लाख घरों का भ्रमण कर, बच्चों को पोलियो की खुराक दी जावेगी।

प्रदेश में आयोजित मेला स्थलों, बाजारों, एयरपोर्ट, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड इत्यादि स्थलों पर पोलियो दवा पिलाने के लिए 1,237 ट्रांजिट बूथ स्थापित किये गये हैं। साथ ही एक भी बच्चा पोलियो दवा से वंचित ना रहे, इसको ध्यान में रखते हुये हाई रिस्क क्षेत्रों (यथा- ईंट भट्टे, क्रेशर, निर्माण स्थल, घुमक्कड़ आबादी एवं झुग्गी बस्तियों) में 500 मोबाइल टीम की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में अभियान के लिये 1 करोड़ 45 लाख पोलियो डोज़ की व्यवस्था की गई है।

विदेश मंत्री यूएई की यात्रा पर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर यूएई की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार यात्रा

के दौरान विदेश मंत्री अपने यूएई समकक्ष के साथ साझेदारी के व्यापक मुद्दों पर बैठक करेंगे। यह यात्रा भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी और क्षेत्रीय और वैश्विक विकास के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी।

राम मंदिर में अब कोई दर्शनार्थी नहीं होगा वीआईपी, सब होंगे एक समान

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर की व्यवस्था से जुड़े तीन अहम बदलाव किए गए हैं। अब कोई विशिष्ट व्यक्ति हो या अति विशिष्ट व्यक्ति, श्री राम मंदिर परिसर में उसको चंदन या तिलक नहीं लगाया जाएगा। दूसरा अब किसी को चरणामृत नहीं दिया जाएगा और तीसरा और सबसे अहम यह कि अब दर्शनार्थी पुजारी को पैसा देने के बजाय केवल दान पत्र में ही अर्पण कर सकेंगे।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में काफी दिनों से यह शिकायत श्री राम मंदिर ट्रस्ट के पास आ रही थी कि सभी राम भक्तों के साथ समान व्यवहार नहीं हो रहा है। कुछ लोगों को विशिष्ट सुविधा मिल रही हैं। जैसे उन्हें चंदन का तिलक लगाया जा रहा है और चरणामृत दिया जा रहा है। इस व्यवस्था को ट्रस्ट ने समाप्त कर दिया है और अब किसी को विशिष्ट व्यक्ति नहीं माना जाएगा और सभी को एक समान माना जाएगा। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश

गुप्ता ने कहा कि बदलाव कुछ नहीं हुआ है। कुछ व्यवस्थाओं में परिवर्तन किया गया है। इससे कुछ श्रद्धालुओं के मन में शंका भी होती थी और ट्रस्ट के प्रति रोष भी होता था। जैसे किसी को चरणामृत मिल रहा है। किसी को टीका लग रहा है। किसी को नहीं मिल रहा है। लिहाजा अगर ऐसा हो तो सभी के साथ हो , सभी के साथ समान व्यवहार हो, क्योंकि हमारे लिए सभी बराबर हैं। कुछ इस तरह की प्रतिक्रिया आई थी, इसके बाद यह बदलाव किए गए क्योंकि हमारे लिए सब बराबर हैं।

इसी के साथ अब राम मंदिर ट्रस्ट ने एक और बड़ा बदलाव किया है। अब तक दर्शनार्थी राम मंदिर के पुजारियों को भगवान के चरणों में अर्पण के लिए पैसे और कीमती वस्तुएं सीधे देते थे, जिसे बाद में पुजारी रख लेते थे। अब राम मंदिर ट्रस्ट ने कहा है कि जो भी पुजारी उन्होंने नियुक्त किए हैं, उनको पर्याप्त वेतन दिया जाता है और जो भी पैसा भगवान के चरणों में चढ़ाया जाता है, वह दान पात्र में डाला जाना चाहिए। दान ट्रस्ट के पास आना चाहिए। इसलिए दर्शनार्थी अब अपना अर्पण दान पत्र के जरिए ही करेंगे।

ओडिशा प्रशासनिक सेवा अधिकारी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सोमवार को

एजेंसी

नई दिल्ली। ओडिशा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बिजय केतन साहू की अग्रिम जमानत याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सोमवार को सुनवाई होगी। साहू ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति रखने के लिए दर्ज धन शोधन मामले में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की है।

सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाश पीठ 24 जून को मामले की सुनवाई करेगी।इससे पहले, उड़ीसा उच्च न्यायालय ने 10 मई के अपने आदेश में साहू को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। उसने कहा था कि प्रथम दृष्टया अधिकारी के खिलाफ मामला बनता है, क्योंकि वह अपराध से प्राप्त आय से निपटने के लिए संपत्ति के अधिग्रहण में शामिल था। हालांकि, उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति चित्तरंजन दास की पीठ ने निर्देश दिया था कि यदि साहू विशेष न्यायालय के समक्ष उपस्थित होते हैं

और नियमित जमानत देने के लिए आवेदन करते हैं, तो उस पर उसके गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा।

ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ओडिशा की वित्तीय अधिकारी नलिनी प्रुस्ती, उनके पति साहू और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ कटक के विजिलेंस थाने में पांच करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच शुरू की है।

जांच में पता चला कि दंपत्ति ने छह प्लॉट तथा फ्लैट खरीदे थे और भुवनेश्वर के चंद्रशेखरपुर में अपने रिश्तेदार के नाम पर तिमंजिला इमारत का निर्माण किया था, जिसके पास आय का अपना कोई स्रोत नहीं था। ईडी की शिकायत के आधार पर भुवनेश्वर की पीएमएलए अदालत ने साहू को पेश होने के लिए समन जारी किया था।

पेपर लीक, रद्द या स्थगित होना बन गई है भाजपा सरकार की कार्यशैली : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को कहा कि बड़ी परीक्षाओं को पेपर लीक के कारण रद्द करना मोदी सरकार की कार्यशाली बन गई है लेकिन पेपर रद्द करना और अधिकारियों को बदलना इस समस्या का समाधान नहीं है इसलिए इस दिशा में भेदभाव रहित तरीके से काम करने और सबके हित कदम उठाने की जरूरत है।

श्री खड़गे ने कहा, ÷नीट घोटाले में ज़िम्मेदारी सरकार के शीर्ष अधिकारियों के इर्दगिर्द आकर रुकती है। नौकरशाहों में फेरबदल करना भाजपा द्वारा बर्बाद शिक्षा प्रणाली की समस्या का समाधान नहीं है। एनटीए को एक स्वायत्त निकाय के रूप में पेश किया गया था लेकिन वास्तव में इसे भाजपा तथा आरएसएस के

कुटिल हितों की पूर्ति के लिए बनाया गया था। छात्रों को न्याय दिलाने के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷नीट-पीजी परीक्षा स्थगित कर दी गई है। पिछले 10 दिनों में चार परीक्षाएं या तो रद्द या स्थगित की गई हैं। पेपर लीक, भ्रष्टाचार, अनियमितताएं और शिक्षा माफिया ने हमारी शिक्षा प्रणाली में घुसपैठ कर ली है। देर से की गई लीपापोती की कवायद का अब कोई फायदा नहीं है क्योंकि अनगिनत युवा इससे पीड़ित हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा, नीट-पीजी पेपर लीक, नीट-पीजी रद्द, यूजीसी-नेट रद्द, सीएसआईआर-नेट रद्द। आज ये देश की कुछ सबसे बड़ी परीक्षाओं का हाल है। भाजपा राज में समूची शिक्षा का ढाँचा माफियाओं-भ्रष्टाचारियों के हवाले हो चुका है। लालची और चाटुकार किस्म के अयोग्य लोगों के हाथ में देश की शिक्षा और बच्चों का भविष्य सौंप देने की राजनीतिक जिद और अहंकार ने पेपर लीक, परीक्षा रद्द, कैंपसों से पढ़ाई-लिखाई का विलोप और राजनीतिक गुंडागर्दी को हमारी शिक्षा- व्यवस्था की पहचान बना दिया है। हालत ये हो गई है कि भाजपा सरकार साफ-सुथरे ढंग से एक परीक्षा तक नहीं करा सकती।उन्होंने कहा, आज युवाओं के भविष्य के सामने भाजपा सरकार एकमात्र सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हो चुकी है। देश के काबिल युवा अपना सबसे कीमती समय, सारी ऊर्जा भाजपा के भ्रष्टाचार से लड़ने में गवां रहे हैं और मजबूर मोदी जी सिर्फ तमाशा देख रहे हैं।

मायावती ने लोस चुनाव में हार की समीक्षा के लिए की बड़ी बैठक, भतीजे आकाश भी रहे मौजूद

एजेंसी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में अकेले दम पर मैदान में उतरी बहुजन समाज पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसकी समीक्षा के लिए पार्टी की मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को बैठक बुलाई।

इसमें उनके भतीजे आकाश आनंद भी शामिल हुए। आकाश ने अपनी बुआ मायावती के पैर छुए तो उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। इससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि मायावती की भतीजे आकाश से नाराजगी दूर हो गई है। मायावती ने पार्टी कार्यालय में लोकसभा चुनाव की समीक्षा को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर एक बैठक बुलाई। इसमें सभी जिलों के पदाधिकारी, नेशनल कोआर्डिनेटर

और वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। भतीजे आकाश भी मौजूद रहे। झारखंड, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र व हरियाणा में निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए मायावती पार्टी में बड़े फेरबदल कर सकती हैं। इसी को देखते हुए ही पार्टी ने आकाश को स्टार प्रचारक बनाया था। इससे यह उम्मीद जगी है कि मायावती ने भतीजे को माफ कर दिया है। आकाश ने लोकसभा चुनाव में कई रैलियां करके सरकार विरोधी भाषण दिए थे। सीतापुर की रैली में दिए गये बयान पर उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसके बाद मायावती ने उन्हें सभी पदों से कार्य मुक्त कर दिया था। रविवार को जिस तरह से मायावती ने भतीजे के सिर पर हाथ रखा है, उससे यह चर्चा है कि आकाश ही मायावती के उत्ताराधिकारी रहेंगे। उन्हें सभी पदों की जिम्मेदारी वापस की गयी है।

दूसरी तरफ पार्टी को विस्तार देने के लिए मायावती ने कई निर्णय लिए हैं। इसमें अहम निर्णय है बसपा की सदस्यता शुल्क घटाना। बसपा ने सदस्यता शुल्क एक चौथाई कर दी है। अब सिर्फ़ 50 रुपये में नये सदस्य बनेंगे, अभी तक 200 रुपये शुल्क था। माना जा रहा है कि पार्टी सदस्यों की संख्या बढ़ाकर संगठन को मजबूत करेगी।

इसरो ने की आरएलवी 'पुष्पक' की लगातार तीसरी सफल लैंडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को सुबह लॉन्च व्हीकल 'पुष्पक' का तीसरी बार पूरी तरह कामयाब परीक्षण किया। पुष्पक को भारतीय वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किमी. की ऊंचाई से हवा में छोड़ा गया। कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में इस रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल ने खुद ही आधा घंटे बाद जमीन पर लैंड किया। आज के आखिरी परीक्षण में इसरो के 'पुष्पक' शटल ने साबित कर दिया कि यह बार-बार अंतरिक्ष में जाकर धरती पर सुरक्षित लौट सकता है। इसरो ने इससे पहले पिछले साल 02 अप्रैल को आरएलवी लेक्स-1 का सफलतापूर्वक संचालन किया था। इसके बाद इसी साल 22 मार्च को आरएलवी लेक्स-2 का सफल परीक्षण किया गया था। इसी श्रृंखला में तीसरा और अंतिम परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज (एटीआर) में आज सुबह 07ः10 बजे किया गया। आरएलवी लेक्स-01 और लेक्स-02 मिशनों की सफलता के बाद आरएलवी लेक्स-03 ने अधिक चुनौतीपूर्ण रिलीज स्थितियों में और अधिक गंभीर हवा की स्थिति में आरएलवी की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का फिर से प्रदर्शन किया।

इसरो के मुताबिक 'पुष्पक' नामक पंख वाले वाहन को भारतीय वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से 4.5 किमी. की ऊंचाई पर छोड़ा गया। रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल धीमी गति से उड़ान भरने के बाद रनवे से 4.5 किमी दूर स्वायत्त रूप से क्रॉस-रेंज सुधार युद्धाभ्यास करने के बाद रनवे के पास पहुंचा और सेंटर लाइन पर लैंडिंग गियर के साथ खुद ही एटीआर में 7.40 बजे लैंड किया। लैंडिंग करते वक्त इसका वेग 320 किमी प्रति घंटे से अधिक हो गया, जबकि एक वाणिज्यिक विमान के लिए यह 260 किमी प्रति घंटे और एक सामान्य लड़ाकू विमान के लिए 280 किमी प्रति घंटे होता है। टचडाउन के बाद वाहन के वेग को उसके ब्रेक पैराशूट का उपयोग करके लगभग 100 किमी प्रति घंटे तक कम कर दिया गया था। लगातार तीसरी बार यह परीक्षण सफल होने के बाद साबित हो गया कि रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल के सहारे रॉकेट को दोबारा लॉन्च किया जा सकता है। इस परीक्षण में इसरो के साथ भारतीय वायु सेना, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), हवाई वितरण अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई), सैन्य उड़ान योग्यता और प्रमाणन केंद्र (सीईएमआईएलएसी) के तहत क्षेत्रीय सैन्य उड़ान योग्यता केंद्र (आरसीएमए), राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाएं (एनएएल), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, भारतीय एयरोस्पेस औद्योगिक साझेदार, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से महत्वपूर्ण समर्थन के साथ कई इसरो केंद्र शामिल थे।

इसरो बीते कुछ सालों में लगातार एक के बाद एक कामयाबी की इबारत लिख रहा है। इस तीसरे मिशन के साथ इसरो ने अंतरिक्ष में लौटने वाले वाहन की उच्च गति स्वायत्त लैंडिंग करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों को फिर से मान्य किया है। आरएलवी लेक्स-1 में उपयोग किए गए वाहन को उचित मंजूरी के बाद आरएलवी लेक्स-2 मिशन में पुनः उपयोग किया गया था। इसलिए इस तीसरे मिशन में उड़ान हार्डवेयर और उड़ान प्रणालियों की पुनः उपयोग क्षमता का भी प्रदर्शन किया गया है। आरएलवी लेक्स-1 और लेक्स-2 के अवलोकनों के आधार पर उच्च लैंडिंग भार को सहन करने के लिए इस बार एयरफ्रेम संरचना और लैंडिंग गियर को मजबूत किया गया था। इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने ऐसे जटिल मिशनों में सफलता की लय बनाए रखने के उनके प्रयासों के लिए टीम को बधाई दी। वीएसएससी के निदेशक डॉ. एस उन्नीकृष्णन नायर ने इस बात पर जोर दिया कि यह लगातार सफलता भविष्य के कक्षीय पुनः प्रवेश मिशनों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में इसरो के आत्मविश्वास को बढ़ाती है। जे मुथुपंडियन इस सफल मिशन के मिशन निदेशक हैं और श्री बी कार्तिक वाहन निदेशक हैं। इसरो प्रमुख ने कहा कि आने वाले दिनों में इसरो अधिक से अधिक अनुसंधान और उसके डेवलपमेंट पर ध्यान देकर अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ा कामयाबी हासिल करेगा।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

अभी शादी-विवाह का मौसम समाप्त हुआ है। बारिश का मौसम शुरु हो गया है पर ज्वेलरी 12 महिनों तक उनकी मांग बनी रही है। आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्ट्यूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है। खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

ललागत

इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

लहैंड्स

हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

लयोग्यता

ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

लकोर्स की अवधि

ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

लशुल्क

ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

लआमदनी

ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

ललोन

ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नही लगेगी।

प्रेरणा का स्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्राय: हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नही होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवत: कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंइज ने कहा है- ''मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए।

कम्युनिकेशन पर दें अधिक ध्यान

थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए। पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है।

दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है। इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें। जब घर की बात हो तब यही सॉरी सबकुछ हो जाता है। माता-पिता के सामने अगर आपने गलत बात बोल दी है और आपको सही मायने में पछतावा हो रहा है तब एक सॉरी से काफी बात बन सकती है, पर ऐसा नहीं है कि आप बार-बार सॉरी कहते रहें और गलतियां करते रहें।

बल्लेबाजी कोच ने माना- विराट कोहली को मिल रही है चुनौती...

एजेंसी

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 में विराट कोहली को 'चुनौती' मिल रही है लेकिन उनके कमजोर प्रदर्शन से कम अनुभवी खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और टीम के हित में योगदान देने का मौका मिल रहा है। भारत ने गुरुवार को यहां केंसिंग्टन ओवल में अफगानिस्तान को हराकर अपने सुपर आठ अभियान की बेहतरीन शुरुआत की। ग्रुप चरण में बल्ले से खराब प्रदर्शन करने वाले कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ 24 गेंद में 24 रन बनाए।राठौड़ से कोहली के योगदान के बाद भी टीम की लगातार चौथी जीत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं खुश नही हूं। मुझे अच्छा लगेगा अगर वह अधिक रन बनाए। उन्होंने कहा कि हां, यह अच्छा है जब आपको कभी-कभी चुनौती दी जाती है। आप जानते हैं, जिन लोगों को कभी-कभी भारत में बहुत अधिक बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिल पाता, उन्होंने ही आज रन बनाये हैं। हमारे मध्यक्रम ने अच्छा योगदान दिया है। यह देखना अच्छा रहा। भारत एंटीगा में बांग्लादेश से खेलेगा। टीम में चार स्पिनर हैं और कैरेबियाई परिस्थितियों को देखते हुए यह टीम को मजबूत बनाता है।

बॉल निकालने के लिए स्टेज के नीचे घुस गए विराट कोहली, वीडियो

एजेंसी

एंटिगुआ। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली मैदान पर अपनी अदाओं के कारण चर्चा में रहे हैं। एंटीगुआ के मैदान पर जब भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 8 का अहम मुकाबला खेल रही थी तब भी विराट चर्चा में रहे। हुआ यूं कि कोहली बाऊंड्री रोप पर फील्डिंग कर रहे थे। 18वें ओवर में रियाद महमुदुल्लाह ने एक जोरदार छक्का लगाया जो मैदान के बाहर चला गया। गेंद बाऊंड्री रोप से बाहर बनी एक छोटी सी स्टेज के नीचे चली गई। क्योंकि वहां कोई बॉल ब्वॉय नहीं था ऐसे में विराट खुद ही गेंद लेने के लिए निकले। गेंद स्टेज के नीचे थे ऐसे में विराट झुके और अंदर घुसते हुए गेंद निकाल लाए। विराट की यह अदा क्रिकेट फैंस को बेहद पसंद आई। घटनाक्रम की वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो फैंस ने इसपर जमकर प्यार बरसाया। कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन छक्कों की मदद से 37 रन बनाए और इसी के साथ विश्व कप इतिहास में 3 हजार रन बनाने वाले पहले प्लेयर भी बन गए। कोहली ने टी20 और वनडे विश्व कप मिलाकर अब तक 3002 रन बना लिए हैं। उनके बाद इस लिस्ट में रोहित शर्मा (2637 रन) का नाम है। तीसरे नंबर पर डेविड वार्नर (2502 रन) बने हुए हैं। सचिन तेंदुलकर 2278 रनों के साथ चौथे नंबर पर हैं तो कुमार संगकारा 2193 रनों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

कैरन्स कप शतरंज : तान के साथ भी हरिका नें खेला ड्रॉ , दूसरे स्थान पर वापसी

सैंट लुईस , यूएसए । भारतीय महिला टीम की बेहद महत्वपूर्ण सदस्य ग्रांड मास्टर द्रोणावल्ली हरिका नें यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में चल रहे चौंथे कैरन्स कप शतरंज के आठवे राउंड में सबसे आगे चल रही चीन की तान ज़्होंगाई से बाजी ड्रॉ खेली है , यह हरिका का टूर्नामेंट में लगातार छठा ड्रॉ था और कुल मिलाकर सातवाँ ड्रॉ था , हालांकि इस ड्रॉ के चलते जहां तान 5.5 अंको के साथ एकल बढ़त पर चल रही है जबकि हरिका के साथ स्विट्जरलैंड की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक , जॉर्जिया की नाना दगनिडजे , उक्रेन की दोनों बहने मारिया और एना मुजयचूक 4.5 अंक बनाकर सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रही है और ऐसे में अंतिम राउंड का खेल यह निर्णय करेगा की क्या तान आसानी से विजेता बन जाएंगी और दूसरे स्थान पर कौन रहेगा , अंतिम राउंड में हरिका का सामना जर्मनी की एलिज़ाबेथ से होगा जो की बहुत अच्छी लय में नहीं है ऐसे में हरिका के पास एक जीत और अपराजित रहते हुए टूर्नामेंट के समापन का मौका है । वही तान के सामने अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनिऊक की चुनौती होगी ।

'गंभीर को गलत समझा गया' - अश्विन ने हेड कोच की अफवाहों के बीच गौतम का समर्थन किया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं और हाल ही में उनके भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बनने की खबरें हैं। भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को लगता है कि गौतम गंभीर को गलत समझा गया है। यह ध्यान देने योग्य है कि राहुल द्रविड़ के कार्यकाल के समाप्त होने के बाद भारत के अगले मुख्य कोच बनने के लिए गंभीर को कथित तौर पर सबसे आगे के दावेदारों में से एक के रूप में चुना गया है और ऐसा लगता है कि पूर्व सलामी बल्लेबाज को अश्विन का समर्थन प्राप्त है। द्रविड़ का कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है और गंभीर ने हाल ही में बीसीसीआई समिति द्वारा आयोजित एक साक्षात्कार में भी भाग लिया। संभावित नियुक्ति से पहले अश्विन ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए 2012 की एक घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी पहली पूर्ण श्रृंखला खेल रहा था। 2011 में विश्व कप से पहले के दो वर्षों के दौरान मैंने केवल पेय पदार्थ ही साथ रखे थे।

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में दर्ज की पहली ऐतिहासिक जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का सबसे बड़ा उलटफेर किया। सुपर-8 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से मात देकर इतिहास रच दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार धूल चटाई है। इस ऐतिहासिक जीत में अफगानिस्तान की तरफ गेंदबाजों, बल्लेबाजों और फील्डरों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। अफगानिस्तान ने शानदार शुरुआत की। नवीन-उल-हक ने ट्रैविस हेड को शून्य पर आउट किया, जिसके बाद मोहम्मद नबी ने डेविड वॉर्नर को आउट किया। मिचेल मार्श भी सस्ते में आउट हो गए। वे नवीन के दूसरे शिकार बने। नवीन ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट हासिल की। हालांकि, गुलबदीन नईब ने नॉकआउट पंच मारा।

नईब ने पलट दी बाजी

नईब ने 4 विकेट चटकाए, लेकिन ग्लेन मैक्सवेल का विकेट लेने से मैच का रुख बदल गया। पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक लगाने वाले मैक्सवेल ने एक बार फिर अपने पैर जमा लिए थे। इस बार मैक्सवेल ने 41 गेंद पर 6 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। वे तब आउट हुए जब ऑस्ट्रेलिया को 32 गेंद पर 43 रन की जरूरत थी।

इसके बाद, 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने पूरी तरह से अपना रास्ता खो दिया और 19.2 ओवर में 127 रन पर आउट हो गए। नईब ने 4 ओवर में 20 रन 4 विकेट लिए। अफगानिस्तान की इस जीत ने ग्रुप-1 में सेमीफाइनल रेस को रोमांच बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला भारत से है तो अफगानिस्तान की टक्कर बांग्लादेश से होगी।

विंबलडन और पेरिस ओलंपिक में नहीं खेलेंगे मरे? पीठ की चोट से निपटने के लिए कराएंगे सर्जरी

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे का वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन और अगले महीने से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में खेलना फिलहाल तय नहीं है मरे इन दोनों टूर्नामेंट में खेलने को लेकर कोई भी फैसला पीठ की चोट से निपटने के लिए होने वाली सर्जरी के बाद लेंगे। मरे ने पीठ दर्द के कारण क्वींस क्लब में अपने दूसरे दौर के मैच को बीच में ही छोड़ दिया था, तब वह जॉर्डन थॉम्पसन से 1-4 से पीछे चल रहे थे।

ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने मुकाबले के शुरू होने से पहले ही अपने दाहिने पैर में परेशानी की शिकायत की थी। मरे पिछले कई साल से लगातार अलग-अलग चोट का सामना कर रहे हैं। दो बार के विंबलडन विजेता मरे ने इस साल के अंत में संन्यास लेने का संकेत दिया है। उनकी प्रबंधन टीम ने पुष्टि की कि उनकी सर्जरी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी गई। ऑल इंग्लैंड क्लब (विंबलडन) में पहले दौर का खेल एक जुलाई से शुरू होगा।

पैट कमिंस ने रचा नया इतिहास, टी20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हैट्रिक लेने वाले बने पहले गेंदबाज

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने नया इतिहास रच दिया है। दो लगातार मैच दो बार हैट्रिक लेने वाले वह दुनिया के पहले गेंदबाज बने गए हैं। मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ कमिंस ने हैट्रिक ली। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ यह कमाल किया था।

पैट कमिंस ने 18वें ओवर की छठी गेंद पर अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान को आउट करके पहली सफलता हासिल की। 20वें ओवर की पहली गेंद पर करीम जनत (13) को आउट किया। फिर अगली ही गेंद पर गुलबदीन नैब (0) को ग्लेन मैक्सवेल के हाथों कैच कराकर अपनी हैट्रिक पूरी की। हालांकि, वह चार गेंद पर चार विकेट ले सकते थे, लेकिन अगली गेंद पर डेविड वॉर्नर ने कैच छोड़ दिया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में दो हैट्रिक

लसिथ मलिंगा (श्रीलंका)
टिम साउथी (न्यूजीलैंड)
मार्क पावलोविच (दक्षिण अफ्रीका)
वसीम अब्बास (माल्टा)
पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया)

ज्योति-अदिति और परनीत की महिला कम्पाउंड टीम ने रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी, जबकि प्रियांश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश पुरुषों के फाइनल में दुनिया के पहले नंबर के माइक श्लोसेर से हार गए। उभरते हुए कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश नीदरलैंड के श्लोसेर को इस सत्र में दूसरी दफा हराने में विफल रहे जिससे उन्हें उप विजेता बनकर

संतोष करना पड़ा। वह शानदार प्रदर्शन से फाइनल में पहुंचे जिसमें पहले सेट में उन्होंने एक अंक गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी नहीं कर सके और श्लोसेर ने 149-148 से जीत हासिल की।

टी20 विश्वकप : भारत ने बांग्लादेश को 50 रन से हराया, सुपर-8 में दर्ज की दूसरी जीत

एजेंसी

एंटिगुआ। टी20 विश्वकप के सुपर-8 मुकाबले में भारतीय टीम अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 50 रन से हरा दिया है। भारत के 196 रन के जवाब में बांग्लादेश 146 रन ही बना सकी। हार्दिक पांड्या को हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत की ओर से मिले 197 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम ने सधी शुरुआत की। पहले विकेट के लिए लिटन दास (13 रन) और तंजिद हसन (29 रन) ने 35 रन जोड़े। फिर कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने 40 रन की शानदार पारी खेली और टीम के स्कोर को आगे ले गये। हालांकि इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते रहे। तौहित हृदय चार रन, शाकिब अल हसन 11 रन और जाकिर अली एक रन का विकेट जल्दी गिर गया। आखिर में महमदुल्ला (13 रन) और रिशाद हुसैन (24 रन) ने थोड़ी कोशिश की लेकिन वह नाकाफी रही। बांग्लादेश 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 146 रन ही बना सकी। इस तरह उसे 50 रनों से हार झेलनी पड़ी। भारत के लिए कुलदीप यादव ने सबसे अधिक तीन विकेट चटकाए। जबकि अर्शदीप सिंह और बुमराह को दो-दो सफलता मिली।

वहीं एक विकेट हार्दिक पांड्या के खाते में गया।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने निर्धारित 20 ओवर में 196 रन बनाए। भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने तेज शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। रोहित 23 रन बनाकर शाकिब अल हसन का शिकार बने। फिर दूसरे विकेट के लिए कोहली ने ऋषभ पंत के साथ मिलकर 32 रन जोड़े। तभी कोहली 37 रन बनाकर आउट हो गए। सूर्यकुमार यादव भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिके ओर दो गेंदों में 6 रन बनाकर आउट हो गए। दो जल्द विकेट गिरने के बाद पंत ने कुछ अच्छे शॉट लगाए और टीम की रन गति को तेज किया। हालांकि तेज रन बनाने के चक्कर में पंत 36 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद, शिवम दुबे (34 रन) और हार्दिक पांड्या (नाबाद 50 रन) ने 34 गेंद में 53 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को 196 तक पहुंचाया। बांग्लादेश के लिए रिशाद हुसैन और तंजिम हसन शाकिब को दो-दो सफलता मिली, जबकि शाकिल अल हसन के खाते में एक विकेट रहा।

इंटर मियामी मेरा आखिरी क्लब होगा : लियोनेल मेसी

अटलांटा । दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अपने देश अर्जेंटीना के किसी क्लब से जुड़कर खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं है और उन्होंने कहा कि इंटर मियामी उनका अंतिम क्लब होगा। अर्जेंटीना के कप्तान ने ईएसपीएन से कहा कि मुझे लगता है कि इंटर मियामी मेरा अंतिम क्लब होगा। आज की तारीख में मैं यही सोचता हूं कि यह मेरा अंतिम क्लब होने जा रहा है। मेसी अमेरिका में अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ कोपा अमेरिका की तैयारी कर रहे हैं। अर्जेंटीना इस टूर्नामेंट का पिछला चैंपियन है। मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना ने 2022 में कतर में विश्व कप जीता था।

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल को बड़ी सफलता, पुरुष सिंगल्स वर्ग में करेंगे प्रतिनिधित्व

एजेंसी

एंटीगुआ। भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने पुष्टि करते हुए बताया कि वह अगले महीने से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए आधिकारिक रूप से क्वालिफाई कर गए हैं। नागल इन खेलों में पुरुष सिंगल्स वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नागल दूसरी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगे, इससे पहले वह टोक्यो 2020 में भी खेलने उतरे थे जहां उन्हें दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

नागल ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए आधिकारिक रूप से क्वालिफाई कर लिया है। यह मेरे लिए एक यादगार क्षण है क्योंकि ओलंपिक मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। मेरे अब तक के करियर का एक महत्वपूर्ण पल टोक्यो ओलंपिक में भाग लेना था। तब से मैंने पेरिस मेरे लिए एक बड़ा लक्ष्य रहा है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने कहा कि आईटीएफ के अनुसार 10 जून को क्वालीफिकेशन के लिए जब खिलाड़ियों की रैंकिंग पर विचार किया गया था तब नागल वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में थे।

बोपन्ना-बालाजी डबल्स में पेश करेंगे चुनौती

रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पेरिस खेलों में पुरुष डबल्स स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। शीर्ष-10 खिलाड़ी होने के नाते बोपन्ना के पास अपना जोड़ीदार चुनने का विकल्प था। एआईटीए ने उनकी पसंद को मंजूरी दे दी और उन्हें बालाजी के साथ जोड़ा। नागल ने इस महीने की शुरुआत में हीलब्रॉन चैलेंजर जीतकर क्वालीफिकेशन की संभावना बढ़ा ली थी क्योंकि वह एटीपी सिंगल्स रैंकिंग के शीर्ष 80 में पहुंच गए थे। हीलब्रॉन की जीत इस सत्र में नागल का दूसरा चैलेंजर खिताब था, उन्होंने इस साल की शुरुआत में चेन्नई चैलेंजर में जीत हासिल की थी। इस 26 साल के खिलाड़ी के लिए 2024 सत्र अच्छा रहा है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई और विश्व रैंकिंग में 37वें स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर बुब्लिक को शुरुआती दौर में हराकर उलटफेर किया था। उन्होंने इंडियन वेल्स मास्टर्स और मोंटे कार्लो मास्टर्स जैसी एटीपी 1000 स्पर्धा के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालिफाई किया था।

'हम जानते हैं हार्दिक क्या कर सकते हैं', रोहित ने पांड्या की तारीफ में पढ़े कसीदे

एजेंसी

एंटीगुआ । टी20 विश्व कप 2024 में भारत ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल के लिए अपना दावा मजबूत किया। टीम इंडिया की जीत में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अहम किरदार निभाया। उन्होंने 50 रन की पारी खेलने के अलावा एक विकेट भी लिया। हार्दिक के इस प्रदर्शन से खुश भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी जमकर तारीफ की है। रोहित का मानना है कि जब भी हार्दिक बड़ी पारी खेलते हैं तो यह भारत को अच्छी स्थिति में ले जाता है। हिटमैन ने हार्दिक को एक्स-फैक्टर बताया और कहा कि उनकी क्षमता कभी शक के घेरे में नहीं थी।

हार्दिक ने अब तक इस टी20 विश्व कप में तीन पारियों में 141 के स्ट्राइक रेट से 89 रन बनाने के अलावा आठ विकेट भी लिए हैं। कप्तान रोहित ने कहा- मैंने पिछले मैच में भी कहा था कि हार्दिक की अच्छी बल्लेबाजी हमें अच्छी स्थिति में लाती है। हम अच्छा अंत करना चाहते हैं और हम जानते हैं कि हार्दिक क्या करने में सक्षम हैं।

कप्तान ने कहा- हार्दिक हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं।

अगर वह ऐसा करना जारी रखते हैं तो यह हमें अच्छी स्थिति में पहुंचा देगा। बांग्लादेश के खिलाफ अन्य भारतीय बल्लेबाजों ने भी जज्बा दिखाया और तीन बल्लेबाजों - विराट कोहली (37), ऋषभ पंत (36) और शिवम दुबे (34) ने तेजी से 30+ रन बनाए। कप्तान ने खुद 11 गेंदों पर 23 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई।

रोहित ने कहा- मैं काफी समय से इस बारे में बात कर रहा हूं। यह खुद को पिच के अनुसार ढालकर उसके हिसाब से खेलने को लेकर है। हर चीज को ध्यान में रखते हुए हमने परिस्थितियों के अनुरूप ढलकर वास्तव में अच्छा खेला। सभी आठ बल्लेबाजों को अपनी भूमिका निभानी होगी, चाहे वह कुछ भी हो। हमने देखा कि एक खिलाड़ी ने 50 रन बनाए और हमने 197 रन बनाए। टी20 में मुझे नहीं लगता कि हमें अर्धशतक और शतक बनाने की जरूरत है। मायने यह रखता है कि आप गेंदबाजों पर कितना दबाव डालते हैं।

हिटमैन ने कहा, 'शुरू से ही सभी बल्लेबाजों ने अच्छा खेला और हम भी इसी तरह खेलना चाहते हैं। टीम में काफी अनुभव है और हम उनका समर्थन करते हैं।' रोहित ने स्वीकार किया कि अधिकांश कैरेबियाई द्वीपों में हवा एक कारक है। हिटमैन ने कहा- यहां हवा का थोड़ा असर है। कुल मिलाकर हम बहुत स्मार्ट हैं, कुल मिलाकर हम बल्ले और गेंद से अच्छे थे।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो का मानना है कि उनकी टीम ने पार स्कोर से कम से कम 30 रन अधिक दिए। शांतो ने कहा- जब हमने उन्हें बल्लेबाजी के लिए बुलाया तो हम 160-170 के बारे में सोच रहे थे, लेकिन उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की, इसलिए उन्हें श्रेय जाता है। हमने बल्ले से उतना इरादा जाहिर नहीं किया, जितना हमें करना चाहिए था। जब हम 190 का पीछा कर रहे थे, तो हमें विशेष रूप से पहले छह (ओवरों) में और अधिक आक्रामक होने की जरूरत थी।

जो युवराज नहीं कर सके, वो हार्दिक ने कर दिखाया, टूर्नामेंट में यह रिकॉर्ड बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

एजेंसी

एंटीगुआ । टी20 विश्व कप 2024 में भारत ने बांग्लादेश को सुपर-8 के मुकाबले में 50 रन से हरा दिया। इस जीत में भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 27 गेंद पर नाबाद 50 रन बनाने के अलावा एक विकेट भी लिया। इसी के साथ हार्दिक ने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह टी20 विश्व कप में 300 से अधिक रन बनाने और 20 से अधिक विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है जो हार्दिक से पहले भारत का कोई भी दिग्गज ऑलराउंडर नहीं बना सके। युवराज सिंह से लेकर इरफान पठान तक यह मुकाम हासिल नहीं कर पाए, लेकिन हार्दिक ने यह कर दिखाया है।

हार्दिक ने 27 गेंदों में 50 रन बनाए, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। उन्होंने 185.19 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। बल्लेबाजी करते हुए उन्हें विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास से अहम विकेट मिला। टी20 वर्ल्ड कप करियर में पांड्या ने 21 मैचों और 13 पारियों में 27.45 की औसत और 137.89 के स्ट्राइक रेट से 302 रन बनाए हैं। उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए हैं,

जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 63 रन का है। इसके अलावा उन्होंने इन 21 मैचों में 3/27 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ 21 विकेट भी लिए हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इनके नाम ये रिकॉर्ड

पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी (34 मैचों में 546 रन और 39 विकेट), बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (853 रन और 42 मैचों में 50 विकेट), वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो (27 मैचों में 530 रन और 27 विकेट), ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन (24 मैचों में 537 रन और 22 विकेट) अन्य खिलाड़ी हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। भारत के लिए हार्दिक के अलावा युवराज ने टी20 विश्व कप में 593 रन बनाए और 12 विकेट लिए हैं। रवींद्र जडेजा ने 102 रन बनाए और 22 विकेट लिए हैं। इरफान पठान ने 16 विकेट लिए और 86 रन बनाए हैं। वहीं, सुरेश रैना ने 453 रन बनाए और पांच विकेट लिए हैं। हालांकि, पांड्या के अलावा किसी ने 300+ रन बनाए या 20+ नहीं लिए हैं।

द्रविड़ सर ने मुझे कहा था- जो कड़ी मेहनत करते हैं, भाग्य उनके साथ रहता है

एजेंसी

एंटीगुआ । पंड्या ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि हम काफी अच्छा क्रिकेट खेले। हमने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और अपनी योजनाओं को अच्छी तरह लागू किया। उन्होंने कहा कि कुछ परिस्थितियों में सभी को आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेनी होती है। मुझे अहसास हुआ कि बल्लेबाज हवा का इस्तेमाल करना चाहते थे। पंड्या ने एक विकेट भी हासिल किया। उन्होंने अपनी गेंदबाजी के संदर्भ में कहा कि मुझे बस यह सुनिश्चित करना था कि मैं उन्हें हवा के बहाव वाली जगह पर शॉट नहीं मारने दूं, यह बल्लेबाज से एक कदम आगे रहने के बारे में था। पांड्या ने कहा कि मैं देश के लिए खेलने के लिए भाग्यशाली रहा हूं। बीच में मैं चोट से परेशान रहा। फिर मैं वापस आना चाहता था। भगवान की कुछ और ही योजना थी। मैं पिछले दिनों राहुल (द्रविड़) सर से बात कर रहा था। उन्होंने मुझसे कहा कि भाग्य उन लोगों को मिलता है जो कड़ी मेहनत करते हैं और यह लंबे समय तक मेरे साथ रहा है।

टीम इंडिया के एक्स फैक्टर हैं कुलदीप यादव : मोंटी पनेसर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर का मानना है कि स्पिनर कुलदीप यादव मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 में टीम इंडिया के लिए 'एक्स फैक्टर' हैं। कुलदीप ने सुपर आठ में अफगानिस्तान के खिलाफ प्लेइंग इलेवन में जगह बनाई थी और 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। पनेसर ने बताया कि किसी अन्य टीम के पास बाएं हाथ का चाइनामैन स्पिनर नहीं है, जिससे भारत को फायदा मिलता है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि भारत का गेंदबाजी आक्रमण लंबे समय में लोगों द्वारा देखा गया सबसे मजबूत आक्रमण है। पनेसर ने कहा कि रवींद्र जड़ेजा और अक्षर पटेल का कंट्रास्ट वास्तव में अच्छा काम करता है। अक्षर को हाई आर्म रिलीज मिला है, इसलिए यह एक बड़ा बदलाव है। कुलदीप यादव वास्तव में एक्स फैक्टर हैं। भारत को छोड़कर किसी भी अन्य टीम के पास बाएं हाथ का चाइना मैन स्पिनर नहीं है। मुझे लगता है कि कुलदीप के चार ओवर भी विपक्षी टीम के लिए मुश्किल होने वाले हैं। भारत का गेंदबाजी विभाग शायद सबसे मजबूत है। पनेसर ने बुमराह की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत को एक शानदार मौका मिला है। चार ओवरों में जसप्रीत बुमराह बहुत अच्छे हैं। मुझे ऐसा लगता है कि जब अन्य टीमें भारत के खिलाफ खेलती हैं, तो यह 16 ओवर के खेल की तरह होता है क्योंकि बुमराह के चार ओवर बहुत अच्छे होते हैं, उस दृष्टिकोण से, जसप्रीत बुमराह हैं।

सना मकबूल

का चेहरा, डिप्रेशन में चली गई थी एक्ट्रेस

बिग बॉस ओटीटी का 21 जून को ग्रैंड प्रीमियर हो चुका है। शो में अनिल कपूर ने सलमान को गेस्ट के तौर पर रिप्लेस किया है। इस बार शो की थीम फेयरीटेल है और 16 कंटेस्टेंट्स ने इसमें हिस्सा लिया है। ये सभी अलग-अलग बैकग्राउंड से हैं जिसमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, टेलीविजन, स्पोर्ट्स और जर्नलिज्म के लोग शामिल हैं।वहीं टीवी के सबसे विवादित शो कहे जाने वाले इस शो में पहले दिन से ही कंट्रोवर्सीज शुरू हो गई हैं। Day 1 पर सना मकबूल और पौलोमी दास किचन एरिया में बातचीत कर रहे होते हैं। इस दौरान पौलोमी सना से पूछती हैं कि उनके होंठ पर ये निशान कैसा है।

क्या था वो हादसा ?

इस बारे में बात करते हुए सना कहती हैं कि उन्हें एक कुत्ते ने उनके चेहरे पर काट लिया था जिसकी वजह से ये निशान पड़ गया है। उन्होंने कहा कि उनका चेहरा ही उनके लिए ब्रेड एंड बटर है यानी कमाई का जरिए है और कुत्ते के काटने की वजह से उन्हें एक बड़ी सर्जरी करवानी पड़ी। इस घटना की वजह से वो काफी समय के लिए डिप्रेशन में भी थीं।

करवानी पड़ी थी सर्जरी

बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब एक्ट्रेस ने इस बात पर चर्चा की है। इससे पहले भी खतरों के खिलाड़ी में जाने से पहले उन्होंने एक इंटरव्यू दिया था जिसमें उन्होंने बताया था कि साल 2020 में उनके चेहरे खासकर होंठ पर कुत्ते ने काट लिया था जिसकी वजह से उनकी स्किन फट गई थी। इसके बाद उन्हें प्लास्टिक सर्जरी और ग्राफ्टिंग करवानी पड़ी थी।वड़ा पाव गर्ल उर्फ चंद्रिका दीक्षित, रणवीर शौरी, शिवानी कुमारी, सना मकबूल, विशाल पांडे, लवकेश कटारिया,दीपक चौरसिया, साईं केतन राव, मुनीष खटवानी, सना सुल्तान खान, अरमान मलिक, पायल मलिक, कृतिका मलिक, नीरज गोयत और पौलोमी दास बिग बॉस के फाइनल कंटेस्टेंट्स में से एक हैं।

महेश बाबू

से लेकर Ram Charan तक, साउथ के इन हीरों की पत्नियां अमीरी में नहीं किसी से कम, चलाती हैं ये बिजनेस

पिछले कुछ सालों से साउथ स्टार्स का नॉर्थ इंडिया में जिस तरह से क्रेज बढ़ा है, वह देखने लायक है। अब बॉलीवुड मूवी की तरह ही दर्शक साउथ मूवीज का भी बेसब्री के साथ इंतजार करते हैं। फिर चाहें वो प्रभास की फिल्म हो या अल्लू अर्जुन की। इसके साथ ही फैंस उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ी चीजों को जानने में भमिहिका बजाज

साउथ के जाने-माने एक्टर राणा दग्गुबाती आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। बाहुबली में भल्लालदेव का किरदार निभाने के बाद उन्होंने लोगों के बीच अपनी एक अलग पहचान बना ली है।

राणा दग्गुबाती की पत्नी मिहिका बजाज भी उनसे कम नहीं है।राणा अगर इंडस्ट्री में हैं, तो उनकी वाइफ एक बिजनेस वुमन है। बता दें कि मिहिका डेव ड्रॉप डिजाइन स्टूडियो नाम का इंटीरियर डिजाइन डेकोरेशन और ईवेंट बिजनेस चलाती हैं।

अमल सुफिया

सीता रामम चार्ली और काली जैसी कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुके एक्टर दुलकर सलमान की पत्नी अमल सुफिया भी एक बिजनेस वुमन है।

दोनों की लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। वहीं, रिपोर्ट्स के माने, तो दुलकर की पत्नी अमल सुफिया एक इंटीरियर डिजाइनर हैं। दिलचस्पी रखते हैं।जैसे साउथ सुपरस्टार के पार्टनर कौन हैं, कैसे वह उनसे मिले और उनकी वाइफ क्या करती हैं आदि।

ऐसे में चलिए अब हम उन साउथ सुपरस्टार की वाइफ के बारे में जानते हैं जो बिजनेस वुमन हैं। इस लिस्ट में महनम्रता शिरोडकर अपने आप में एक जाना-माना नाम है।

उन्होंने बॉलीवुड के साथ कई साउथ फिल्मों में भी काम किया है। नम्रता ने साल 2005 में साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ शादी की थी।ेश बाबू से लेकर राम चरण तक तक की वाइफ के नाम शामिल हैं।

घर-घर में पॉपुलर रहीं 'सोनपरी' अब कहां हैं और क्या कर रही हैं?

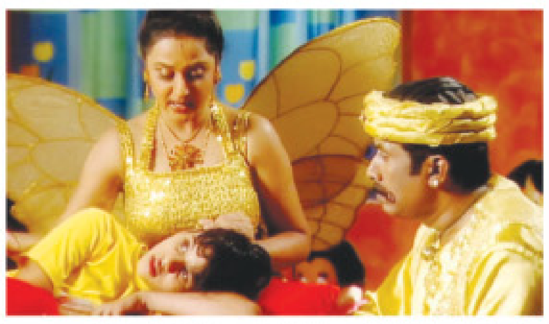

एक समय था जब 90 के दशक का पॉपुलर शो 'सोनपरी' लगभग हर घर में देखा जाता था. ये बच्चों का पसंदीदा शो हुआ करता था. इस शो में 'सोनपरी' का किरदार मृणाल कुलकर्णी ने निभाया था. वैसे तो मृणाल कुलकर्णी कई फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, लेकिन उन्हें असली फेम जादुई शो 'सोनपरी' से मिली थी. आज भी फैन्स उन्हें 'सोनपरी' के नाम से जानते हैं. मृणाल कुलकर्णी का जन्मदिन 21 जून को है. इस खास मौके पर आइए जानते हैं कि बच्चों के दिलों पर राज करने वाली टीवी की ये जादुई परी अब कहां है और क्या कर रही हैं.मृणाल महज 16 साल की थीं जब उन्होंने एक्टिंग की शुरुआत की थी. एक्टिंग के अलावा उन्होंने कई मराठी टीवी सीरियल और फिल्में भी डायरेक्ट की हैं. मृणाल मराठी सीरियल 'स्वामी' में नजर आईं थीं. इसमें उन्होंने पेशवा माधवराज की पत्नी रामबाई पेशवा का किरदार निभाया था. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो एक्ट्रेस नहीं बल्कि डायरेक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन जब उन्हें एक्टिंग के ऑफर मिलने लगे तो उन्होंने इस फील्ड में आने का फैसला किया.

मृणाल ने अपने करियर में कई सीरियल और फिल्मों में काम किया है. वो 'उफ्फ क्या जादू मोहब्बत है', 'सारी', 'एंड जरा हटके', 'कुछ मीठा हो जाए', 'डियर दिया' और 'सूबेदार' में नजर आ चुकी हैं. साल 2023 में रिलीज हुई 'द कश्मीर फाइल्स' में उन्होंने लक्ष्मी दत्त का किरदार निभाया था. उनकी आखिरी मराठी फिल्म 'एक डॉन तीन चार' थी. वहीं, वेब सीरीज की बात करें तो साल 2024 में आई रोहित शेट्टी की 'इंडियन पुलिस फोर्स' में भी उन्होंने काम किया था.

शो के आए थे इतने एपिसोड

अब बात करते हैं उनके पॉपुलर शो 'सोनपरी' के बारे में. इस शो की कहानी कुछ ऐसी थी कि यहां फ्रूटी नाम की एक लड़की रहती है, जिसकी मां नहीं है. फ्रूटी के पिता एक बिजनेस मैन हैं और वो अपने काम में बिजी रहते हैं. फ्रूटी की मदद के लिए आसमान से एक परी उतरती है, जिसका नाम 'सोनपरी' है. इस सीरियल का आखिरी एपिसोड 1 अक्टूबर 2004 को आया था. इसमें करीब 268 एपिसोड थे. उस दौरान इस शो का टाइटल ट्रैक काफी मशहूर हुआ था. इसे श्रेया घोषाल ने गाया था.

करण जौहर ने देखी कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन, अब लोगों को दे रहे ये सलाह

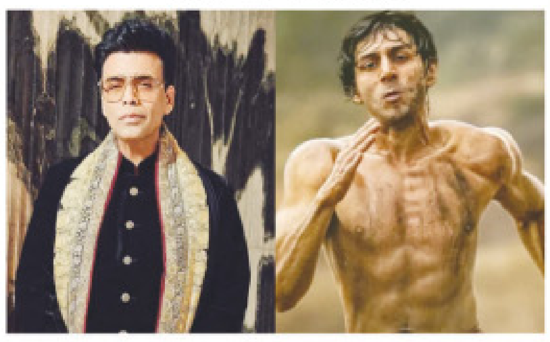

कार्तिक आर्यन की 'चंदू चैंपियन' 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. ये मुरलीकांत पेटकर की बायोपिक है. फैन्स के साथ-साथ कई बॉलीवुड सेलेब्स भी इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. तारीफ करने वालों में शबाना आजमी और जावेद अख्तर का नाम शामिल है. दोनों ने इस पिक्चर की खूब तारीफ की. अब करण जौहर ने भी इस मूवी का रिव्यू शेयर किया है. फिल्म देखने के बाद करण ने सोशल मीडिया पर एक स्टोरी शेयर की और इस पर अपना रिएक्शन दिया. 'चंदू चैंपियन' का पोस्टर शेयर करते हुए करण ने कार्तिक आर्यन की जमकर तारीफ की है.चंदूर चैंपियन में कार्तिक के काम को करण जौहर ने उनका अब तक का सबसे शानदार परफॉर्मेंस बताया. करण ने फिल्म के डायरेक्टर कबीर खान के लिए एक स्पेशल नोट शेयर करते हुए कहा, इस ब्रेव और इंस्पायरिंग लाइफ की कहानी को दिखाना ह्यूमन स्पिरिट के लिए एक लव लेटर की तरह है. कार्तिक के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये उनके करियर की अब तक की बेस्ट परफॉर्मेंस है. इसी के साथ उन्होंने सभी से ये फिल्म देखने की अपील भी की है.

अब तक की कमाई

'चंदू चैंपियन' को रिलीज हुए करीब 8 दिन बीत चुके हैं. इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. मूवी की कमाई की बात करें तो अब तक इस पिक्चर ने दुनियाभर में करीब 53.50 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है. इस फिल्म में कार्तिक के साथ विजय राज, यशपाल शर्मा, भुवन अरोड़ा भी नजर आ रहे हैं.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करण जौहर साल 2021 में कार्तिक को फिल्म 'दोस्ताना 2' के लिए कास्ट करने वाले थे. लेकिन, बाद में ऐसा नहीं हो सका और किसी वजह से बात नहीं बन पाई और इसकी रीकास्टिंग की घोषणा कर दी गई. इसके बाद ऐसी खबरें आईं कि कार्तिक ने क्रिएटिव मतभेदों के चलते फिल्म छोड़ दी. लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में भी कार्तिक ने इस बारे में जिक्र किया था. उन्होंने कहा था कि ये मामला अब काफी पुराना हो चुका है. उन्होंने कहा कि अक्सर गलतफहमी हो जाती है और बाद में बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है.